खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 22 सितंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-261

28 राज्यों का कर्ज 17.57 लाख करोड़ से 59.6 लाख करोड़ पहुंचा

देश के बजट से ज्यादा बड़ा राज्यों का कर्ज

10 साल में भारत के 28 राज्यों का कर्ज तीन गुना बढ़ गया

तमिलनाडु, यूपी, पंजाब और बंगाल का कर्ज बना रहा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत के राज्यों की वित्तीय स्थिति पर एक गंभीर तस्वीर सामने आई है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की एक ताजा रिपोर्ट बताती है कि 28 राज्यों का सार्वजनिक कर्ज पिछले एक दशक में 17.57 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 59.6 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। यह बढ़ोतरी तीन गुना से अधिक है और राज्यों की अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव का संकेत देती है। यह पहली बार है जब किसी आधिकारिक दस्तावेज में राज्यों की वित्तीय सेहत का पूरे दशक का तुलनात्मक विश्लेषण पेश किया गया है। राज्य के वित्त सचिवों के सम्मेलन में सीएजी के संजय मूर्ति द्वारा यह रिपोर्ट जारी की गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2022-23 के अंत तक 28 राज्यों का कुल सार्वजनिक कर्ज 59,60,428 करोड़ रुपए था। यह उनके संयुक्त सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 2,59,57,705 करोड़ रुपए का 22.96 प्रतिशत है। 2013-14 में यह अनुपात 16.66 प्रतिशत था। यानि, सिर्फ 10 वर्षों में राज्यों का कर्ज-से-जीएसडीपी अनुपात लगभग 6.3 प्रतिशत अंक बढ़ गया। यह रुझान दर्शाता है कि राज्यों का वित्तीय प्रबंधन राजस्व वृद्धि के बजाय कर्ज पर अधिक निर्भर हो रहा है।

कर्ज से जीएसडीपी अनुपात में सबसे ऊपर पंजाब है, जहां यह आंकड़ा 40.35 प्रतिशत दर्ज किया गया। इसके बाद नगालैंड (37.15 प्रतिशत) और पश्चिम बंगाल (33.70 प्रतिशत) का स्थान है। इसके उलट, सबसे कम अनुपात वाले राज्य ओड़ीशा (8.45 प्रतिशत), महाराष्ट्र (14.64 प्रतिशत) और गुजरात (16.37 प्रतिशत) हैं। 31 मार्च 2023 तक 8 राज्यों का कर्ज उनकी जीएसडीपी का 30 प्रतिशत से अधिक था, 6 राज्यों का 20 प्रतिशत से कम और 14 राज्यों का 20-30 प्रतिशत के बीच। 2022-23 में राज्यों का कुल कर्ज देश की जीडीपी का 22.17 प्रतिशत था। उस समय भारत की जीडीपी 2,68,90,473 करोड़ रुपए रही। यानि, राज्यों का कर्ज न केवल उनकी खुद की अर्थव्यवस्था बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी वित्तीय स्थिरता को प्रभावित कर रहा है।

कैग की रिपोर्ट में राज्यों के सार्वजनिक कर्ज को विभिन्न हिस्सों में बांटा गया है। इसमें खुले बाजार से उधारी (सिक्योरिटी, ट्रेजरी बिल, बॉन्ड), भारतीय स्टेट बैंक और अन्य बैंकों से ऋण, भारतीय रिजर्व बैंक से वेज एंड मीन्स एडवांस (डब्लूएमए) और वित्तीय संस्थाओं जैसे एलआईसी और नाबार्ड से लिए गए ऋण शामिल हैं। सीएजी रिपोर्ट बताती है कि राजस्व प्राप्तियों के अनुपात में राज्यों का कर्ज 2014-15 में 128 प्रतिशत से लेकर 2020-21 में 191 प्रतिशत तक रहा। यानि, कई राज्यों ने जितनी कमाई की उससे लगभग दोगुना कर्ज ले लिया। औसतन, सार्वजनिक कर्ज राज्यों की कुल गैर-कर्ज प्राप्तियों का 150 प्रतिशत रहा है। वहीं, कर्ज-से-जीएसडीपी अनुपात 17-25 प्रतिशत के बीच रहा और औसत 20 प्रतिशत बना। कोविड वर्ष 2020-21 में यह अनुपात अचानक 21 से बढ़कर 25 प्रतिशत हो गया, क्योंकि उस समय जीएसडीपी में भारी गिरावट दर्ज की गई।

2020-21 से 2022-23 के बीच कर्ज में वृद्धि का एक बड़ा कारण केंद्र सरकार से मिलने वाले बैक-टू-बैक लोन थे। ये लोन जीएसटी मुआवजा घाटे को पूरा करने और पूंजीगत व्यय के लिए राज्यों को विशेष सहायता के तौर पर दिए गए। रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि सरकार को उधारी सिर्फ निवेश या पूंजीगत खर्च के लिए करनी चाहिए, न कि राजस्व खर्च (ऑपरेटिंग कॉस्ट) के लिए। लेकिन वास्तविकता यह है कि 11 विभिन्न राज्यों आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, केरल, मिजोरम, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल ने अपने कर्ज का इस्तेमाल वर्तमान खर्च पूरे करने के लिए किया। उदाहरण के लिए, आंध्र प्रदेश में पूंजीगत खर्च कुल उधारी का सिर्फ 17 प्रतिशत रहा। पंजाब में यह 26 प्रतिशत और हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में लगभग 50 प्रतिशत रहा।

सीएजी रिपोर्ट साफ तौर पर इशारा करती है कि यदि राज्यों ने कर्ज का यह असंतुलित इस्तेमाल जारी रखा, तो भविष्य में वे वित्तीय संकट का सामना कर सकते हैं। उच्च ब्याज दरों के कारण ऋण सेवा का बोझ लगातार बढ़ेगा और विकास परियोजनाओं के लिए पूंजीगत निवेश की गुंजाइश और कम हो जाएगी। विशेषज्ञ मानते हैं कि राज्यों को कर्ज प्रबंधन में सख्ती लाने, राजस्व बढ़ाने के नए उपाय खोजने और कर्ज को उत्पादक क्षेत्रों में लगाने की जरूरत है। गैर-कर राजस्व (जैसे रॉयल्टी, फीस, डिविडेंड) का विस्तार और केंद्र व राज्यों के बीच वित्तीय सहयोग को बेहतर करना, ऐसे उपाय हैं जो वित्तीय स्थिरता ला सकते हैं।

▶10 पर

2024 में सबसे ज्यादा कर्ज वाले टॉप 10 राज्य

रैंक	राज्य	कर्ज (लाख करोड़ रु. में)
01	तमिलनाडु	8.3
02	उत्तर प्रदेश	7.7
03	महाराष्ट्र	7.2
04	पश्चिम बंगाल	6.6
05	कर्नाटक	6.0
06	राजस्थान	5.6
07	आंध्र प्रदेश	4.9
08	गुजरात	4.7
09	केरल	4.3
10	मध्य प्रदेश	4.2

जीएसटी सुधारों पर प्रधानमंत्री मोदी का राष्ट्र को संबोधन

आत्मनिर्भर होने के लिए हमें स्वदेशी अपनाना होगा

नई दिल्ली, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

सभी राज्य कर्ज में डूबे, केंद्र मना रहा जीएसटी उत्सव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नवरात्र शुरू होने से एक दिन पहले राष्ट्र के नाम संबोधन किया। इस दौरान उन्होंने कल से लागू होने वाले वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) सुधार को लेकर कई अहम बातें कीं। पीएम मोदी ने इसे उत्सव बताते हुए स्वदेशी अपनाने की बात पर जोर दिया। पीएम मोदी ने कहा कि अब हमें आत्मनिर्भरता के मंत्र के साथ आगे बढ़ना होगा। जो देश के लोगों की जरूरत है, जो हम देश में बना सकते हैं, वो हमें देश में ही बनाना चाहिए। हम स्वदेशी अपनाएंगे तभी हम पूरी तरह आत्मनिर्भर हो पाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल से लागू होने वाले नेक्सट जेनरेशन जीएसटी सुधारों पर कहा कि मुझे खुशी है कि दुकानदार भाई-बहन जीएसटी सुधार को लेकर उत्साह में है। वे इसके फायदों को ग्राहकों को पहुंचाने में जुटे हैं। हम नागरिक देवो भवः के मंत्र के साथ देश की समृद्धि और आर्थिक वृद्धि की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। यह सुधार देश के हर नागरिक के लिए आसान और लाभकारी होंगे, जिससे मध्यम वर्ग, गरीब, व्यापारी और उपभोक्ता सभी को फायदा मिलेगा।

पीएम मोदी ने यह भी बताया कि पिछले 11 वर्षों में लगभग 25 करोड़ लोगों ने गरीबी को मात दी है और नए मिडिल क्लास समूह ने देश की अर्थव्यवस्था में बड़ी भूमिका निभाई है। सरकार ने इस साल 12 लाख रुपये तक की आय पर टैक्स को शून्य कर दिया है, जिससे मध्यम वर्ग के लिए काफी राहत मिली है। अब जीएसटी में कमी के कारण घर, वाहन और यात्रा पर खर्च कम होगा और नागरिकों के सपनों को पूरा करना आसान होगा। पीएम मोदी ने कहा कि जीएसटी सुधार से कारोबार और निवेश दोनों आसान होंगे। यह बदलाव भारत की ग्रोथ स्टोरी को आगे बढ़ाएगा। इस दौरान उन्होंने याद दिलाया कि 2017 में जीएसटी लागू होने के समय देश में दर्जनों अलग-अलग टैक्स थे, जैसे कि एंट्री टैक्स, सेल्स टैक्स, एक्साइज, वैट, सर्विस टैक्स आदि। नए सुधार इन जालों को सरल बनाएंगे और व्यापारियों को राहत देंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि नए जीएसटी सुधारों से गरीब, मध्यम वर्ग, न्यू मिडिल क्लास, युवा, किसान, महिलाएं, दुकानदार और व्यापारी सभी को लाभ मिलेगा। त्यौहारों के इस मौसम में इस बचत उत्सव से लोगों के चेहरे पर मुस्कान आएगी। होटल, यात्रा, वाहन और सामान की खरीद पर कम जीएसटी होने से आम जनता की जेब पर बोझ कम होगा। प्रधानमंत्री ने बताया कि ये सुधार कल यानी 22 सितंबर, नवरात्रि के पहले दिन सूर्योदय के साथ लागू होंगे। इस सुधार के साथ ही देश में जीएसटी बचत उत्सव शुरू होगा। पीएम ने सभी नागरिकों को इस सुधार के लाभ लेने और खरीदारी को आसान बनाने का संदेश दिया। उन्होंने इसे देश के विकास और आर्थिक समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया।प्रधानमंत्री ने जीएसटी की दरें कम होने से नियम और प्रक्रियाएं और आसान बनने से हमारे एमएसएमई, हमारे लघु, कुटीर उद्योगों को बहुत फायदा होगा। उनकी बिक्री बढ़ेगी और टैक्स भी कम देना पड़ेगा। यानी उनको भी डबल फायदा होगा। इसलिए आज मेरी एमएसएमई से, चाहे लघु हों या सूक्ष्म या कुटीर, आप सबसे बहुत अपेक्षाएं हैं। आपको भी पता है कि जब भारत समृद्धि के शिखर पर था, तब अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार हमारे लघु-कुटीर उद्योग थे। भारत की मैनुफैक्चरिंग और क्वालिटी बेहतर होती थी। हमें उस गौरव को वापस पाना है। जो हमारे उद्योग बनाएं वो दुनिया में उत्तम से उत्तम हों। जो हम बनाएं वो दुनिया में बेस्ट के पैरामीटर को पार करने वाला हो। हमारे उत्पाद दुनिया में भारत का गौरव बढ़ाएं।

पीएम की मां के प्रति अपशब्द पर तेज प्रताप यादव नाराज

दोषी को भेजो जेल, वरना आंदोलन होगा

पटना, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

बिहार अधिकार यात्रा के दौरान वैशाली में प्रधानमंत्री की मां को अपशब्द कहे जाने के मामले ने सियासत गर्मा दी है। इस पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बड़े भाई और पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

तेज प्रताप यादव ने कहा, मैंने पहले भी कहा है और आज फिर कहता हूं कि मां किसी की भी हो, मां होती है और वह पूजनीय है। मां अपनी संतान को जन्म देती है और नौ महीने गर्भ में रखती है। उसका अपमान अस्वीकार्य है।

तेज प्रताप ने चेतावनी देते हुए कहा कि जिन लोगों ने प्रधानमंत्री की मां को गाली दी है या अपमानजनक शब्द कहे हैं, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए। तेज प्रताप यादव ने चेतावनी दी कि अगर दोषियों को जेल नहीं भेजा गया तो वे राजनीति में ऐसे निकृष्ट आचरणों की बढ़ रहे चलन के खिलाफ व्यापक आंदोलन करेंगे।

तेज प्रताप ने कहा कि जनशक्ति जनता दल महुआ में आंदोलन की शुरुआत करेगा और सरकार से मांग करेगा कि मां शब्द का अपमान करने वालों को बख्शा न जाए।

राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने राज्यों को दिए निर्देश

एसआईआर से जुड़ी तैयारी 30 तक पूरी हों

नई दिल्ली, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को 30 सितंबर तक विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारी पूरी करने का निर्देश दिया है। यह प्रक्रिया अक्टूबर-नवंबर से शुरू हो सकती है। आयोग का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची से विदेशी घुसपैठियों को हटाना और पारदर्शिता बढ़ाना है।

इस महीने की शुरुआत में हुई मुख्य निर्वाचन अधिकारियों की बैठक में आयोग के शीर्ष अधिकारियों ने 10 से 15 दिन में एसआईआर लागू करने के लिए तैयार रहने को कहा था। हालांकि अब स्पष्ट डेडलाइन तय करते हुए 30 सितंबर को अंतिम तारीख घोषित किया गया है। सभी राज्यों को पिछली एसआईआर के बाद प्रकाशित मतदाता सूचियां तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं।कई राज्यों ने अपनी पिछली एसआईआर के बाद की मतदाता सूची पहले ही वेबसाइट पर डाल दी है। दिल्ली के सीईओ की वेबसाइट पर 2008 की मतदाता सूची मौजूद है, जब राजधानी में आखिरी बार एसआईआर हुई थी। उत्तराखंड में 2006 की मतदाता सूची वेबसाइट पर उपलब्ध है। बिहार में 2003 की सूची को गहन पुनरीक्षण के आधार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। अधिकांश राज्यों ने 2002 से 2004 के बीच एसआईआर कराई थी। अब वहां वर्तमान मतदाताओं को उन पुरानी सूचियों से मिलान करने का काम लगभग पूरा हो चुका है। चुनाव आयोग का कहना है कि बिहार के बाद यह प्रक्रिया पूरे देश में लागू की जाएगी।

गौरतलब है कि 2026 में असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में एसआईआर प्रक्रिया इन चुनावों से पहले मतदाता सूची की सटीकता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिहाज से अहम मानी जा रही है। चुनाव आयोग का कहना है कि गहन पुनरीक्षण का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची से विदेशी घुसपैठियों को हटाना है। इसके लिए मतदाताओं के जन्मस्थान की जांच की जाएगी। यह कदम उस समय और भी अहम हो जाता है जब कई राज्यों में बांग्लादेश और म्यांमार से आए अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई की जा रही है।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31^0
न्यूनतम : 23^0

हैदराबाद केंद्रीय विवि छात्र संघ चुनाव में बना इतिहास

छात्र संघ के सभी पदों पर एबीवीपी की जीत

हैदराबाद, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

देश के सभी प्रमुख विश्वविद्यालयों में एबीवीपी कर रही कमाल

हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी (एचसीयू) के छात्रसंघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, संयुक्त सचिव, खेल सचिव और सांस्कृतिक सचिव सहित सभी प्रमुख पदों पर कब्जा जमा लिया। नेपाल और बांग्लादेश की तरह भारत में भी जेन-जेड क्रांति की भ्रांति रखने वाले विपक्ष के लिए यह करारा संदेश है कि दिल्ली विश्वविद्यालय के बाद हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय में भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के आनुषांगिक संगठन एबीवीपी ने छात्र संघ पर पूरा कब्जा जमा लिया है। यह अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की बढ़ती साख का परिणाम है। इस जीत के साथ ही एबीवीपी ने पिछले एक साल में देश के कई प्रमुख विश्वविद्यालयों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की है। इनमें पटना विश्वविद्यालय, पंजाब विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), दिल्ली विश्वविद्यालय, गुवाहाटी विश्वविद्यालय और उत्तराखंड के कई विश्वविद्यालय शामिल हैं।

हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव में एबीवीपी प्रत्याशी शिवा पालेपू अध्यक्ष चुने गए। उपाध्यक्ष पद के लिए देवेंद्र ने जीत दर्ज की। श्रुति प्रिया महासचिव चुनी गई हैं। संयुक्त सचिव का पद सौरभ शुक्ला ने जीता। ज्वाला प्रसाद खेल सचिव चुने गए और वीनस सांस्कृतिक सचिव के पद पर चुनी गईं। ये सभी एबीवीपी के प्रत्याशी हैं। छात्र संघ चुनाव में न केवल पदाधिकारी, बल्कि काउंसलर और बोर्ड सदस्य के पदों पर भी एबीवीपी ने बहुमत हासिल किया है। हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी के छात्रसंघ चुनाव में एबीवीपी ने सभी सीटों पर जीत हासिल कर एक बार फिर अपनी संगठनात्मक ताकत और छात्रों के बीच लोकप्रियता का परिचय दिया। इस जीत को एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने छात्र हित और राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिणाम बताया। एबीवीपी के स्थानीय नेताओं ने कहा कि यह जीत छात्रों के विश्वास को दर्शाती है। हम शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक और राष्ट्रीय मुद्दों पर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। संगठन की इस लगातार जीत ने विपक्षी छात्र संगठनों के लिए चुनौती खड़ी कर दी है।

पिछले छह वर्षों से एचसीयू कैंपस में वामपंथी गुटों का वर्चस्व बना हुआ था। कांग्रेस से जुड़े एनएसयूआई और दलित संगठनों का गठजोड़ भी एबीवीपी के लिए चुनौती रहा। लेकिन इस बार नतीजे पूरी तरह से उलट गए। एबीवीपी प्रवक्ता अंतरिक्ष ने कहा, यह जीत छात्रों की राष्ट्रवादी सोच और विभाजनकारी राजनीति के खिलाफ एकजुट प्रयास का प्रतीक है।

▶10 पर

अग्रकुलप्रवर्तक, समाजवादी व्यवस्था के महासूर्य महाराजा श्रीअग्रसेन

कुशल शासकों की कीर्ति किसी एक युग तक सीमित नहीं रहती, उनका लोकहितकारी चिन्तन कालजयी होता है और युगों-युगों तक समाज का मार्गदर्शन करता है । ऐसे शासकों से न केवल जनता बल्कि सभ्यता और संस्कृति भी समृद्ध और शक्तिशाली बनती है ।

ऐसे शासकों की दृष्टि में सर्वोपरि हित सत्ता का न होकर समाज एवं मानवता का होता है । ऐसे ही महान शासक थे भगवान श्रीअग्रसेन जी । वे कर्मयोगी लोकनायक तो थे ही, संतुलित एवं आदर्श समाजवादी व्यवस्था के निर्माता भी थे । वे समाजवाद के प्रणेता, गणतंत्र के संस्थापक, अहिंसा के पुजारी व शांति के दूत थे । सचमुच उनका युग रामराज्य की एक साकार संरचना था, जिसमें उन्होंने अपने आदर्श जीवन कर्म से, सकल मानव समाज को महानता का जीवन-पथ दर्शाया । उस युग में न लोग बुरे थे, न विचार बुरे थे और न कर्म बुरे थे । राजा और प्रजा के बीच विश्वास जुड़ा था । वे एक प्रकाश स्तंभ थे, अपने समय के सूर्य थे, जिनकी 5149 वीं जन्म जयन्ती इस वर्ष सोमवार 22 सितम्बर 2025 को भव्य रूप से मनाई जा रही है ।

भगवान अग्रसेन अग्रवाल जाति के पितामह थे । धार्मिक मान्यतानुसार इनका जन्म अश्विन मास के शुक्लपक्ष की प्रतिपदा तिथि को मर्यादा पुरुषोतम भगवान श्रीराम की चौंतीसवीं पीढ़ी में सूर्यवंशी क्षत्रिय कुल के प्रतापनगर के महाराजा वल्लभ सेन के घर में द्वापर और कलियुग के संधिकाल में आज से लगभग 5150 वर्ष पूर्व हुआ था । वर्तमान में राजस्थान व हरियाणा राज्य के बीच सरस्वती नदी के किनारे प्रतापनगर स्थित था । राजा वल्लभ सेन के अग्रसेन और शूरसेन नामक दो पुत्र हुये । अग्रसेनजी वल्लभ सेन के ज्येष्ठ पुत्र थे । भगवान अग्रसेन के जन्म के समय गर्ग ऋषि ने महाराज वल्लभ से कहा था, कि यह बहुत बड़ा राजा बनेगा । इसके राज्य में एक नई शासन व्यवस्था उदित होगी और हजारों वर्ष बाद तक भी इनका नाम अमर होगा ।

भगवान अग्रसेन को समाजवाद का अग्रदूत कहा जाता है । अपने क्षेत्र में सच्चे समाजवाद की स्थापना हेतु उन्होंने नियम बनाया, कि उनके नगर में बाहर से आकर बसने वाले व्यक्ति की सहायता के लिए नगर का प्रत्येक निवासी उसे एक मुद्रा व एक ईंट का सहयोग देगा, जिससे आसानी से उसके लिए निवास स्थान व व्यापार का प्रबंध हो जाए । भगवान अग्रसेन ने एक नयी व्यवस्था को जन्म दिया, उन्होंने राज्य के पुनर्गठन में कृषि-व्यापार, उद्योग, गौपालन के विकास के साथ-साथ नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना का बीड़ा उठाया ।

भगवान अग्रसेन ने 108 वर्षों तक राज किया । भगवान अग्रसेन ने देशकाल के परिप्रेक्ष्य में नए आदर्श स्थापित किए। उनके जीवन के मूल रूप से तीन आदर्श हैं- लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था, आर्थिक समरूपता एवं सामाजिक समानता । एक निश्चित आयु प्राप्त करने के बाद कुलदेवी महालक्ष्मी के परामर्श पर वे आग्रेय गणराज्य का शासन अपने ज्येष्ठ पुत्र विभू के हाथों में सौंपकर तपस्या करने चले गए ।

अग्रसेनजी सूर्यवंश में जन्मे । कहते हैं कि महाभारत के युद्ध के समय वे पन्द्रह वर्ष के थे । युद्ध हेतु सभी मित्र राजाओं को दूतों द्वारा निमंत्रण भेजे गए थे । पांडव दूत ने वृहत्सेन की महाराज पांडु से मित्रता को स्मृत कराते हुए राजा वल्लभसेन से अपनी सेना सहित युद्ध में सम्मिलित होने का निमंत्रण दिया था ।

महाभारत के इस युद्ध में महाराज वल्लभसेन अपने पुत्र अग्रसेन तथा सेना के साथ पांडवों के पक्ष में शामिल हुए थे और लड़ते हुए युद्ध के 10वें दिन महाराजा वल्लभसेन भीष्म पितामह के बाणों से बिंधकर वीरगति को प्राप्त हुए थे । महाराजा वल्लभसेन की मृत्योपरान्त भगवान कृष्ण के आशीर्वाद से अग्रसेनजी ने ही शासन की बागडोर संभाली । उन्होंने बचपन से ही वेद, शास्त्र, अस्त्र-शस्त्र, राजनीति और अर्थ नीति आदि का ज्ञान प्राप्त कर लिया था ।

उनका विवाह नागों के राजा कुमुद की पुत्री माधवी से हुआ । भगवान अग्रसेन ने ही अग्रोहा राज्य की स्थापना की थी । उन्होंने कुशलतापूर्वक राज्य का संचालन करते हुए विस्तार किया तथा प्रजा हित में काम किए । वे धार्मिक प्रवृत्ति के पुरुष थे। धर्म में उनकी गहरी रुचि थी और वह साधना में विश्वास करते थे, इसलिए उन्होंने अपने जीवन में कई बार कुलदेवी लक्ष्मीजी से यह वरदान प्राप्त किया कि जब तक उनके कुल में लक्ष्मीजी की उपासना होती रहेगी, तब तक अग्रकुल धन व वैभव से सम्पन्न रहेगा ।

भगवान अग्रसेन ने समाजवादी शासन व्यवस्था की स्थापना की, जिसमें किसी भी व्यक्ति की कोई आर्थिक हानि होती, तो वह राज्य से ऋण ले सकता था । सम्पन्न होने पर वापस दे देता था । भगवान अग्रसेन ने 18 यज्ञ किए ।

राज्य का हर व्यक्ति अपनी आजीविका अन्य साधनों या किसी व्यापार द्वारा करते थे, परन्तु राष्ट्र पर विपत्ति आने के समय सब वर्ग के लोग हथियारों से लैस होकर युद्ध को तैयार हो जाते थे । समाज व्यवस्था उनके लिए कर्तव्य थी, इसलिए कर्तव्य से कभी पलायन नहीं किया, तो सत्कर्म उनकी आत्मनिष्ठा बना, इसलिए उसे कभी नकारा नहीं । भगवान अग्रसेनजी की इसी विचारधारा का ही प्रभाव है कि आज भी अग्रवाल समाज शाकाहारी, अहिंसक एवं धर्मपरायण के रूप में प्रतिष्ठित है । उस समय यज्ञ करना समृद्धि, वैभव और खुशहाली की निशानी माना जाता था ।

भगवान अग्रसेन ने बहुत सारे यज्ञ किए । एक बार यज्ञ में बलि के लिए लाए गये घोड़े को बहुत बेचैन और डरा हुआ पा उन्हें विचार आया, कि ऐसी समृद्धि का क्या फायदा, जो मूक पशुओं के खून से सराबोर हो । उसी समय उन्होंने पशु बलि पर रोक लगा दी । इसीलिए आज भी अग्रवंश समाज हिंसा से दूर ही रहता है। उनकी दण्डनीति और न्यायनीति आज प्रेरणा है, उस संवेदनशून्य व्यक्ति और समाज के लिए जो अपराधीकरण एवं हिंसक प्रवृत्तियों की चरम सीमा पर खड़ा है । व्यक्तित्व बदलाव का प्रशिक्षण अग्रसेनजी की बुनियादी शिक्षा थी । आज की शासन-व्यवस्थाएँ अग्रसेनजी की शिक्षाओं को अपनाकर उन्नत समाज का निर्माण कर सकती हैं । अग्रसेनजी ने राजनीति का सुरक्षा कवच धर्मनीति को माना । राजनेता के पास शस्त्र है, शक्ति है, सत्ता है, सेना है फिर भी नैतिक बल के अभाव में जीवन मूल्यों के योगक्षेम में वे असफल होते हैं । इसीलिये उन्होंने धर्म को जीवन की सर्वोपरि प्राथमिकता के रूप में प्रतिस्थापित किया । इसी से नये युग का निर्माण, नये युग का विकास वे कर सके । उनके युग का हर दिन पुरातन के परिष्कार और नए के सृजन में लगा था । सभ्यता, संस्कृति और संस्कारों के नए संदर्भ जुड़े। परम्पराएँ प्रतिष्ठित हुईं । रीति-रिवाजों का स्वरूप सामने आया । सबको काम, अर्थ, धर्म, मोक्ष की पुरुषार्थ चतुष्टयी की सार्थकता दिखलाई ।

-महादेव प्रसाद अग्रवाल
हैदराबाद
मो. नं. 9290445651

समाजवाद के जनक है महाराजा अग्रसेन

अग्रवाल कुल शिरोमणि महाराजा अग्रसेन का स्मरण करना गंगाजी में स्नान करने के समान ही है। राज्य में बसने की इच्छा रखने वाले हर आगंतुक को, राज्य का हर नागरिक उसे मकान बनाने के लिए ईंट, व्यापार करने के लिए एक मुद्रा दिए जाने की राजाज्ञा महाराजा अग्रसेन ने दी थी। महाराजा अग्रसेन समानता पर आधारित आर्थिक नीति को अपनाने वाले संसार के प्रथम सम्राट थे।

महाराजा अग्रसेन प्रतापनगर के सूर्यवंशी क्षत्रिय राजा वल्लभ के पुत्र थे। वे बचपन से ही मेधावी एवं अपार तेजस्वी थे। वे पिता की आज्ञा से नागराज कुमुट की कन्या 'माधवी' के स्वयंवर में गए। वहाँ अनेक वीर योद्धा राजा, महाराजा, देवता आदि सभा में उपस्थित थे।

सुंदर राजकुमारी माधवी ने उपस्थित जनसमुदाय में से युवराज अग्रसेन के गले में वरमाला डालकर उनका वरण किया। इसे देवराज इंद्र ने अपना अपमान समझा और वे महाराजा अग्रसेन से कुपित हो गए। जिससे उनके राज्य में सूखा पड़ गया। जनता में त्राहि-त्राहि मच गई। प्रजा के कष्ट निवारण के लिए राजा अग्रसेन ने अपने आराध्य देव शिव की उपासना की।

उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर शिवजी ने अग्रसेन को वरदान दिया तथा प्रतापगढ़ में सुख-समृद्धि एवं खुशहाली लौटाई। धन-संपदा और वैभव के लिए महाराजा अग्रसेन ने महालक्ष्मी की आराधना करके उन्हें प्रसन्न किया। महालक्ष्मीजी ने उनको समस्त सिद्धियाँ, धन-वैभव प्राप्त करने का आशीर्वाद दिया। और कहा कि तप को त्याग कर गृहस्थ जीवन का पालन करो, अपने वंश को आगे बढ़ाओ। तुम्हारा यही वंश कालांतर में तुम्हारे नाम से जाना जाएगा।

इसी आशीर्वाद के साथ कोलपुर के नागराजाओं से अपने संबंध स्थापित करने को कहा जिससे राज्य शक्तिशाली हो सके। वहाँ के नागराज महिस्थ ने अपनी कन्या सुंदरावती का विवाह महाराज अग्रसेन के साथ कर दिया। उनके 18 पुत्र थे। उन्होंने 18 यज्ञ किए थे। यज्ञों में पशुबलि दी जाती थी। 17 यज्ञ पूर्ण हो चुके थे।

जिस समय 18वें यज्ञ में जीवित पशुओं की बलि दी जा रही थी, महाराज अग्रसेन को उस दृश्य को देखकर घृणा उत्पन्न हो गई। उन्होंने यज्ञ को बीच में ही रोक दिया और कहा कि भविष्य में मेरे राज्य का कोई भी व्यक्ति यज्ञ में पशुबलि नहीं देगा, न पशु को मारेगा, न माँस खाएगा और राज्य का हर व्यक्ति प्राणीमात्र की रक्षा करेगा।

इस घटना से प्रभावित होकर उन्होंने क्षत्रिय धर्म को अपना लिया। महाराजा अग्रसेन की राजधानी अग्रोहा थी। उनके शासन में अन-ुशासन का पालन होता था। जनता निष्ठापूर्वक स्वतंत्रता के साथ अपने कर्त्तव्य का निर्वाह करती थी।

महाराज अग्रसेन ने 108 वर्षों तक राज किया। उन्होंने जिन जीवन मूल्यों को ग्रहण किया उनमें परंपरा एवं प्रयोग का संतुलित सामंजस्य दिखाई देता है। उन्होंने एक ओर हिन्दू धर्म ग्रथों में वैश्य वर्ण के लिए निर्देशित कर्मक्षेत्र को स्वीकार किया और दूसरी ओर देशकाल के परिप्रेक्ष्य में नए आदर्श स्थापित किए। उनके जीवन के मूल रूप से तीन आदर्श हैं- लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था, आर्थिक समरूपता एवं सामाजिक समानता। एक निश्चित आयु प्राप्त करने के बाद कुलदेवी महालक्ष्मी से परामर्श पर वे आग्रेय गणराज्य का शासन अपने ज्येष्ठ पुत्र विभु के हाथों में सौंपकर तपस्या करने चले गए।

जगतनारायण अग्रवाल
संयोजक, राधे राधे ग्रुप
हैदराबाद

आज भी इतिहास में महाराज अग्रसेन परम प्रतापी, धार्मिक, सहिष्णु, समाजवाद के प्रेरक महापुरुष के रूप में उल्लेखित हैं। देश में जगह-जगह अस्पताल, स्कूल, बावड़ी, धर्मशालाएँ आदि अग्रसेन के जीवन मूल्यों का आधार हैं और ये जीवन मूल्य मानव आस्था के प्रतीक हैं। स्वहित को परे रखकर जनहित के लिए समर्पित ऐसी महान विभूति को शत्-शत् नमन।

महाराजा अग्रसेन जयंती: सामाजिक समरसता का उत्सव

महाराजा अग्रसेन, अग्रवाल समाज के संस्थापक और प्राचीन भारत के महान शासक, की जयंती प्रत्येक वर्ष अश्विन मास की शुक्ल प्रतिपदा को उत्साह के साथ मनाई जाती है। 22 सितंबर 2025 को यह पर्व सामाजिक एकता और सहकारिता के उनके आदर्शों को याद करने का अवसर है।

महाराजा अग्रसेन, हरियाणा के अग्रोहा के शासक, सामाजिक समानता और सहकारी अर्थव्यवस्था के प्रणेता थे। उनकी एक ईंट, एक रुपया नीति ने समुदाय में नवागंतुकों की सहायता के लिए सामूहिक सहयोग की मिसाल कायम की। उन्होंने व्यापार को बढ़ावा देते हुए अहिंसा और वैदिक संस्कृति को अपनाया, जिससे अग्रोहा एक समृद्ध व्यापारिक केंद्र बना।

महाराजा अग्रसेन जयंती पर देशभर में पूजा, सांस्कृतिक आयोजन, रक्तदान शिविर और दान-पुण्य के कार्य किए जाते हैं। अग्रवाल समाज उनके सिद्धांतों को अपनाकर शिक्षा, व्यापार और सामाजिक सेवा में योगदान देता है।आज के समय में, जब सामाजिक और आर्थिक असमानताएं चुनौती बनी हुई हैं, अग्रसेन के सहकारिता और समता के सिद्धांत प्रेरणा देते हैं। उनकी शिक्षाएं हमें एकजुटता और परोपकार के महत्व को सिखाती हैं। महाराजा अग्रसेन जयंती हमें उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित करती है। आइए, इस अवसर पर सामाजिक समरसता और सहयोग के संकल्प को दोहराएं।

डॉ. अजय अग्रवाल
इंटरनेशनल चैंबर्स आफ़ पब्लिक रिलेशंस
रेसिपिएंट ऑफ़ इंटरनेशनल भारत गौरव अवार्ड इन ब्रिटिश पार्लियामेंट लंदन ,
एडवाइज़र एसएमई चैंबर्स ऑफ़ इंडिया आंध्र एवं तेलंगाना राज्य।

महाराजा अग्रसेन जयंती: एक समतावादी समाज की प्रेरणा

महाराजा अग्रसेन की जयंती, जो हर साल बड़े श्रद्धाभाव से मनाई जाती है, हमें एक महान राजा और समाज सुधारक के जीवन और उनके सिद्धांतों की याद दिलाती है। वे एक ऐसे शासक थे जिन्होंने अपने राज्य, अग्रोहा, में प्रत्येक व्यक्ति की खुशहाली को अपना सबसे बड़ा लक्ष्य बनाया।

उनका सबसे प्रसिद्ध सिद्धांत 'एक-ईंट-एक-रुपया' था। जब कोई भी नया व्यक्ति उनके राज्य में आता था, तो राज्य का हर नागरिक उसे अपने पास से एक रुपया और एक ईंट देता था। इस अनोखी पहल से, नए व्यक्ति के लिए तुरंत अपना घर बनाना और व्यवसाय शुरू करना आसान हो जाता था। यह केवल एक आर्थिक मॉडल नहीं था, बल्कि यह समाज में भाईचारे और समानता की भावना को भी दर्शाता था। महाराजा अग्रसेन का मानना था कि किसी भी समाज की तरक्की तभी संभव है जब उसके सभी सदस्य एक-दूसरे का सहयोग करें। उन्होंने अपने लोगों को सिर्फ व्यापार सिखाया बल्कि यह भी बताया कि धन का उपयोग केवल खुद के लिए नहीं, बल्कि दूसरों की मदद के लिए भी किया जाना चाहिए।

पूजा गुप्ता
संस्थापिका प्रेरणा फाउंडेशन

आज की दुनिया में, जहाँ आर्थिक असमानता एक बड़ी चुनौती है, महाराजा अग्रसेन के सिद्धांत और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। उनकी जयंती हमें यह संदेश देती है कि एक मजबूत और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण तभी हो सकता है जब हम मिलकर काम करें और एक-दूसरे के सुख-दुःख में सहभागी बनें।

इस पावन अवसर पर, हम महाराजा अग्रसेन को नमन करते हैं और उनके दिखाए गए परोपकार, त्याग और सहयोग के मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हैं।

युग प्रवर्तक महाराजा अग्रसेन

महाराजा अग्रसेन ने एक ईंट और एक रुपया का नया विचार सुझाया, जिसके तहत अग्रोहा में पहले से रहने वाला प्रत्येक परिवार पड़ोस में रहने वाले प्रत्येक नए परिवार को एक ईंट और एक रुपया प्रदान करेगा। इस तरह के कार्य ने नए लोगों को अपना घर बनाने और अपना कारोबार शुरू करने में सक्षम बनाया। जिससे कई लोगों को अपना घर और कारोबार चलाने में एक बड़ी मदद मिली। 'एक ईंट और एक रुपया' विचार ने लोगों को समाज के रूप में एकजुट किया।

महाराजा अग्रसेन ने गरीब और जरुतमंद लोगों के लिए फ्री शिक्षा, अस्पताल, सामुदायिक भवन जैसे कई कई कल्याणकारी कार्य भी शुरू किए थे, जिनके कारण वे आज भी महान और दयालु राजा माने जाते हैं। महाराज अग्रसेन के बारे में कहा जाता है कि उनका शासन केवल युद्धों तक सीमित नहीं था बल्कि समाज कल्याण ही उनकी प्राथमिकता थी। आज भी अग्रसेन जयंती पर देश भर में उनकी जयंती के उपलक्ष्य में कई सामाजिक, धार्मिक कार्यों का आयोजन किया जाता है। देश में अग्रसेन जी के नाम पर आज भी कई अस्पताल, कॉलेज, स्कूल, गरीब लड़कियों का विवाह, मुफ्त भोजन की व्यवस्था जैसी कई कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं।

मनोज अग्रवाल
व्यवसायी, हैदराबाद

पांच हजार साल पहले ही शुरू कर दिया था- 'सबका साथ सबका विकास'

महाराजा अग्रसेन अतीत के ऐसे गौरवशाली महापुरुष है जिनका नाम आज भी सर्वज्ञात एवं अमिट-अमर है। भारत एवं विश्व में अग्रणी समाजों में अग्रवाल समाज के प्रणेता महार-ाजा अग्रसेन को इस बात का श्रेरू प्राप्त है कि उन्होंने आज के युग के प्रचलित सिद्धांतों-लोकतंत्र, समता, समाजवाद, सहकारिता, अंत्योदय, निर्धनता उन्मुलन, सत्य, अंहिसा और सबका साथ सबका विकास जैसे आदर्शो की नींव आज के लगभग 5100 वर्ष पूर्व उस समय रख दी थी जब इनकी कल्पना भी संभव नहीं थी।

एक ओर जहां महाराजा अग्रसेन ने अपने तत्कालीन राज्य अग्रोहा में 'एक ईंट और एक मुद्रा का सिद्धांत का सूत्रपात कर सबका साथ सबका विकास को सुनिश्चित सार्थक किया। वहीं उनके वंशज अग्रवाल समाज के लोग आज देश एवं विश्व में आर्थिक विकास और उद्यमशीलता, कठोर परिश्रम पर संपूर्ण बल देते हुये भारत को महाशक्ति बनाने में अपना संपूर्ण प्रयास कर रहे हैं। अपने कारोबार एवं सेवा कार्यों से 'अग्रे अग्रे अग्रवाल-अग्रे अग्रे भारत' एक रूप हो गये है।

आज हजारों की संख्या में जनकल्याणकारी आर्थिक, शैक्षणिक, औद्योगिक, व्यवसायिक संस्थान महाराजा अग्रसेन के नाम है। असंख्य अग्रवाल विभूतियों ने इतिहास और वर्तमान में सभी क्षेत्रों में अपने बहुमूल्य योगदान तथा उपलब्धियों का रिकॉर्ड कायम किया है। अग्रबंधु अपने परिवार और समाज को निभाते हुए देश के सांस्कृतिक संरक्षण व विकास की दृष्टि से सरकार द्वारा बनाई योजनाओं में अपना योगदान देते आए हैं।

महाराजा अग्रसेन ने धर्म की रक्षा के लिए क्षत्रिय वर्ण छोड़कर वैश्य वर्ण धारण किया.

रामप्रकाश अग्रवाल
गोयल फार्मा एवं गोयल ड्रग्स

यद्यपि अग्रवाल समाज सूर्यवंशी और क्षत्रिय हैं और भगवान राम के वंशज हैं, लेकिन धर्म की रक्षा और समाज के भले के लिए महाराजा अग्रसेन ने वैश्य वर्ण अपनाया. इसी कारण से हम व्यापार और वाणिज्य के कार्यों में संलग्न हैं. व्यापार का एक प्रमुख केंद्र अग्रोहा था, जो मथुरा से तक्षशिला तक जाने वाले सिल्क रूट का अहम हिस्सा था. अग्रसेन ने धर्म और सत्य का पालन करते हुए व्यापार करने की कला सिखाई, जिससे समाज को न केवल आर्थिक समृद्धि मिली, बल्कि एक उच्च नैतिक आधार भी स्थापित हुआ।

भगवान अग्रसेन जी का जीवन चरित्र जीवन में धारण करें

अग्रवाल समाज भारत की सभ्यता एवं संस्कृति का केन्द्र बिन्दू रहा है। विश्व में न जाने कितनी सभ्यताएं और सस्कृंतियां पनपी और काल के गाल में समा गई, किन्तु अग्रवाल समाज आज भी बड़े ही गर्व के साथ अपनी दान-धर्म परोपकार की परम्पराओं के साथ-साथ ईमानदारी और कर्मठता के कारण साहित्य, शिक्षा, धर्म, ज्ञान-विज्ञान, राजनिति, उद्योग कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं जो इस समाज के योगदान से महिमान्वित न हुवा हो, सभी धर्मो को अपना समाज मानते हुए अपनी श्रद्धा और सम्मान के अलावा अपने ठोस योगदान के साथ हर समय तैयार रहता है। लाला लाजपतराय, जमनालाल बजाज, दानवीर भामाशाह, वैश्य शिरोमणि महात्मा गाँधी, भाई हनुमानजी प्रसाद पौद्दार, डॉ.रघुवीर, जयदयाल गोंइन्का, राममनोहर लोहिया, सर गंगाराम आदि विभूति इसी समाज की ही देन है। वर्तमान में फोर्ब्स पत्रिका न्यूयार्क अमेरिका ने संसार के सबसे धनी व्यक्तियों की सुची जारी की उसमें भी अग्रवाल समाज के श्री लक्ष्मीनिवास मित्तल को प्रथम स्थान मिला है। इसके अलावा इसी समाज के सुनील मित्तल (ऐयरटेल भारती समूह), नवीन जिन्दल , राहुल बजाज, सुभाष गोयल, नरोतम सेक्सरिया आदि भी इसी कड़ी में अपने-अपने उद्योग क्षेत्रों में राष्ट्र के नवनिर्माण में अपना योगदान देते हुए बुलन्दियो के झण्डे गाड़े हुए हैं। हमें हमारे समाज और हमारे पूर्वजो पर गर्व है।

अग्रवाल का अर्थ है आगे रहने वाला, सबका नेतृत्व करने वाला जो कि हमारे पूर्वजों ने किया, किन्तु वर्तमान में आधुनिकता और पाश्चात्य की चकाचौध, स्वार्थपरक नीति, व्यस्त जीवन प्रणाली में हम कुछ गुमराह से हो रहे हैं, सोच का दायरा अपने तक सिकुड़ कर सिमित रह गया है, सबको साथ लेकर चलने की सदासयता विलुप्त सी हो रही है। आवश्यकता से अधिक कमाए गए धन के घमण्डी धनाढ़य लोग अपने वैभव और समृद्धि का नगां नाच नाचते नजर आते है , शिक्षा के नाम पर सस्कारों का हनन हो रहा हैं, परम्पराएँ समाज से लुप्त होती जा रही हैं, समाज तो समाज परिवार सिकुड़ते जा रहे हैं, महाराजा अग्रसेन की मान्यताओं की धज्जीया उड़ाने में हम सभी में दौड़ लगी हुई है। अग्रवाल समाज का लक्ष्य क्या था और हम आज कहाँ जा रहे है? जरा चिन्तन करें।

आज महाराजा अग्रसेन कि जयंती हैं, अग्रवाल समाज पुरे देश में अपने-अपने स्थानीय स्तर पर अग्रसेन जयंती का आयोजन करता है, इन आयोजनो की भव्यता और विशालता से इन्कार नहीं किया जा सकता, पुरखों कि स्मृति को जीवन्त रखने हेतू जयंतीयों हमारे दायित्व के साथ-साथ एक माध्यम हैं। लेकिन प्रश्न है कि इन जयंतीयों से क्या हम महाराजा अग्रसेन के नियम और उद्देश्यों को पुरा करा पाते हैं, महाराजा अग्रसेन के जीवन उसके आदर्श उसके व्यक्तित्व एवं कृतित्व से समाज को कहाँ तक परिचित करा पाते है। मेरी सोच में आज हम महाराजा अग्रसेन के सिद्धान्तों से भटक रहे हैं। यदि हमें महाराजा अग्रसेन के अनुयायी कहलाना है तो, आइये ! हम महाराजा अग्रसेन जयंती पर एक बार पुनः सच्चे मन से उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लें, हम सब एक नयी सामाजिक क्रान्ति को जन्म देने कि तैयारी करें, समाज बन्धूवों में परस्पर घनिष्ठता एवं सहयोग कि भावना बढ़ाते हुए समाज में व्याप्त कुरीतियों व बुराइयों को दूर करने के लिए संगठित होकर कार्य करने और अपनी एकता का परिचय देकर हर समय प्रयत्नशिल रहें, हमारा अग्रवाल समाज नित नवल ज्योत्सना की सुधा से सर-ोवार हो। यदि हम अपने को अग्रसेन की सन्तान मानते हैं तो हमें भी अपने को प्रमाणित करना पड़ेगा, उनके जीवन चरित्र से प्रेरणा लेकर स्वयं के जीवन को अग्रमय बनाने का संकल्प लेना होगा, यही उस युग पुरुष को सच्ची श्रद्धाजंली होगी और जयंती कि सार्थकता होगी।

अनिरुद्ध गुप्ता
अध्यक्ष, अग्रवाल समाज तेलंगाना

महाराजा अग्रसेन जयंती

समाजवाद और त्याग का प्रतीक

हर साल, महाराजा अग्रसेन की जयंती पूरे भारत में बड़े उत्साह के साथ मनाई जाती है। यह पर्व सिर्फ एक ऐतिहासिक व्यक्ति को याद करने का दिन नहीं है, बल्कि उनके सिद्धांतों, विशेषकर समाजवाद और त्याग के मूल्यों को आत्मसात करने का भी एक अवसर है। महाराजा अग्रसेन एक महान राजा, एक दूरदर्शी नेता और समाज के सच्चे सेवक थे, जिन्होंने अपने राज्य में समृद्धि और समानता लाने के लिए अथक प्रयास किए।

एक-ईंट-एक-रुपया: समाजवाद का अनुपम सिद्धांत

महाराजा अग्रसेन ने अपने राज्य, जिसे उन्होंने अग्रोहा नाम दिया था, की स्थापना की। उन्होंने अपने राज्य में प्रत्येक नागरिक की समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए 'एक-ईंट-एक-रुपया' का अनूठा सिद्धांत लागू किया। जब कोई व्यक्ति अग्रोहा में बसने आता था, तो राज्य का प्रत्येक नागरिक उसे एक रुपया और एक ईंट भेंट करता था। इससे नए बसने वाले व्यक्ति के पास अपना घर बनाने और व्यवसाय शुरू करने के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हो जाते थे। यह सिद्धांत न केवल समाज में आर्थिक समानता को बढ़ावा देता था, बल्कि यह भी सुनिश्चित करता था कि कोई भी व्यक्ति गरीबी में न रहे।

लोकतंत्र और कर प्रणाली में सुधार

महाराजा अग्रसेन अपने समय से बहुत आगे थे। उन्होंने एक ऐसी कर प्रणाली की स्थापना की, जो प्रजा पर बोझ नहीं डालती थी। उन्होंने एक ऐसे शासन की नींव रखी, जिसमें प्रजा की भलाई को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। वे एक सच्चे लोकतंत्र में विश्वास रखते थे और उन्होंने अपने मंत्रियों के साथ मिलकर सभी निर्णय लिए, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि हर फैसला जनता के हित में हो।

आधुनिक भारत के लिए प्रेरणा

आज भी, महाराजा अग्रसेन के सिद्धांत हमें प्रेरित करते हैं। उनका 'एक-ईंट-एक-रुपया' का सिद्धांत आधुनिक समय में सामुदायिक सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी का सबसे बड़ा उदाहरण है। उनकी जयंती हमें याद दिलाती है कि एक मजबूत और समृद्ध समाज का निर्माण केवल तभी संभव है जब हम सभी एक-दूसरे का समर्थन करें और मिलजुलकर काम करें। यह हमें सिखाता है कि धन का सही उपयोग केवल व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज की भलाई के लिए होना चाहिए।

महाराजा अग्रसेन एक राजा से कहीं बढ़कर थे; वे एक दार्शनिक और समाज सुधारक थे, जिनकी शिक्षाएँ आज भी प्रासंगिक हैं। उनकी जयंती मनाकर हम उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हैं और एक ऐसे समाज के निर्माण की दिशा में काम करते हैं जो समानता, करुणा और साझा समृद्धि पर आधारित हो।

प्रमोद केडिया
अध्यक्ष अग्रसेन बैंक एवं अध्यक्ष अग्रवाल शिक्षा समिति

विश्व बंधुत्व के प्रतीक है महाराजा अग्रसेन

महाराजा अग्रसेन अग्रवाल जाति के पितामह थे। वे समाजवाद के प्रर्वतक, युग पुरुष, रामराज्य के समर्थक एवं महादानी थे। महाराजा अग्रसेन उन महान विभूतियों में से थे जो सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखायः कृत्यों द्वारा युगों-युगों तक अमर रहेगें। महाराजा अग्रसेन केवल अग्रवालो के कुल प्रर्वतक ही नही थे अपितु महान लोकनायक, अर्थनायक, सच्चे पथ प्रदर्शक एवं विश्व बंन्धूत्व के प्रतीक थे। उनमें अलौकिक साहस, अविचल दृढ़ता गम्भीरता, अद्भुत सहनशिलता दुरदर्शिता, विस्तृत दृष्टिकोण गुण विद्यमान थे। इनका जन्म मर्यादा पुरुषोतम भगवान श्रीराम की चौंतीसवी पीढ़ी में सूर्यवशीं क्षत्रिय कुल के महाराजा बल्लभसेन के घर में द्वापर के अन्तिमकाल और कलियुग के प्रारम्भ में आज से 5148 वर्ष पूर्व हुआ था।

युग पुरुष महाराजा अग्रसेन ने तत्कालीन एक तन्त्रीय शासन प्रणाली के प्रतिकार में एक नयी व्यवस्था को जन्म दिया, उन्होने पुनः वैदिक सनातन आर्य सस्कृंति की मूल मान्यताओं को लागु कर राज्य की पुनर्गठन में कृषी-व्यापार, उद्योग, गौपालन के विकाश के साथ-साथ नैतिक मूल्यों की पुनः प्रतिष्ठा का बीड़ा उठाया। उन्होने अमीर-गरीब तथा उंच-नीच के भेदभाव को समाप्त कर सभी नागरिकों को समान अधिकार दिये। महाराजा अग्रसेन ने एक रुपया और एक ईंट के आदर्श द्वारा जहाँ एक और अपने राज्य को बेकारी बेरोजगारी-निर्धनता जैसे अभिशापों से मुक्त कर वहाँ सदाचार एवं भाईचारे की गहरी नींव रखी। महाराजा अग्रसेन इसलिए पूजनीय नहीं है कि वह अग्रवाल जाति के जनक थे वरन इसलिए पूजनीय है कि उन्होंने समय की मांग को देखते हुए तात्कालीन डांवाडोल परिस्थितियों में अहिंसा एवं समाजवाद के आधार पर एक सुदृढ़ गणतन्त्र की ठोस शुरुआत की जिस पर अग्रवालों के साथ-साथ पुरा राष्ट्र एवं विश्व गर्व करता है, समाजवाद, लोकतन्त्र एवं विश्व बन्धूत्व का इससे बढ़िया उदाहरण पुरी दुनिया के इतिहास में कहीं देखने सुनने को नही मिलेगा।

सतीश कुमार गुप्ता
संयोजक, राधे राधे ग्रुप हैदराबाद

महाराजा अग्रसेन जयंती: एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व और सामाजिक समरसता का प्रतीक

महाराजा अग्रसेन, अग्रवाल समाज के प्रणेता और प्राचीन भारत के महान शासक, जिन्हें सामाजिक समानता, सहकारिता और परोपकार के लिए जाना जाता है, उनकी जयंती प्रत्येक वर्ष अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को बड़े उत्साह के साथ मनाई जाती है। इस वर्ष, 22 सितंबर 2025 को उनकी जयंती पर देशभर में अग्रवाल समाज और अन्य समुदाय उनके आदर्शों को याद करते हैं और सामाजिक एकता के संदेश को प्रचारित करते हैं। महाराजा अग्रसेन का जीवन न केवल एक शासक के रूप में, बल्कि एक समाज सुधारक और अर्थशास्त्री के रूप में भी प्रेरणादायक है।

महाराजा अग्रसेन का जन्म सूर्यवंशी राजवंश में हुआ था और वे हरियाणा के प्राचीन नगर अग्रोहा के शासक थे। ऐतिहासिक और पौराणिक कथाओं के अनुसार, वे भगवान श्रीकृष्ण के समकालीन थे और महाभारत काल में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। अग्रसेन ने अपने शासनकाल में सामाजिक समानता और आर्थिक समृद्धि पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने एक ईंट, एक रुपया की अनूठी परंपरा शुरू की, जिसके तहत समुदाय के प्रत्येक व्यक्ति को नवागंतुक परिवार की मदद के लिए एक ईंट और एक रुपया देना होता था। यह व्यवस्था सामुदायिक सहयोग और समानता का प्रतीक थी, जो आज भी अग्रवाल समाज के मूल्यों में देखी जाती है।

उनके शासन में व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा दिया गया, जिससे अग्रोहा एक समृद्ध व्यापारिक केंद्र बन गया। साथ ही, उन्होंने वैदिक संस्कृति और अहिंसा के सिद्धांतों को अपनाया और अपने राज्य में सभी वर्गों के बीच भाईचारे को बढ़ावा दिया। उनकी नीतियों ने समाज में समता और सहकारिता की भावना को मजबूत किया, जो आज भी प्रासंगिक है।

सामाजिक समरसता और सहकारिता के प्रणेता

महाराजा अग्रसेन का सबसे बड़ा योगदान उनकी सामाजिक समरसता की नीति थी। उन्होंने जातिगत भेदभाव को कम करने और समाज के सभी वर्गों को एकजुट करने की दिशा में काम किया। उनकी शिक्षाएं आज के समय में भी सामाजिक एकता और सहयोग के लिए प्रेरणा देती हैं। अग्रवाल समाज उनकी इस विरासत को आगे बढ़ाते हुए शिक्षा, व्यापार और सामाजिक सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

एक ईंट, एक रुपया की अवधारणा आधुनिक सहकारी आंदोलन का आधार मानी जा सकती है। यह न केवल आर्थिक सहायता का प्रतीक थी, बल्कि सामुदायिक एकजुटता को भी दर्शाती थी। आज भी कई अग्रवाल संगठन इस सिद्धांत को अपनाते हुए सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए कार्य कर रहे हैं।

जयंती उत्सव और आधुनिक प्रासंगिकता

महाराजा अग्रसेन जयंती के अवसर पर देशभर में विभिन्न आयोजन किए जाते हैं। अग्रवाल समाज के संगठन, मंदिरों और सामुदायिक केंद्रों में विशेष पूजा, सांस्कृतिक कार्यक्रम और दान-पुण्य के कार्य आयोजित किए जाते हैं। स्कूलों और कॉलेजों में उनके जीवन और आदर्शों पर आधारित व्याख्यान और प्रतियोगिताएं होती हैं। इसके अलावा, कई स्थानों पर रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य शिविर और गरीबों को भोजन वितरण जैसे कार्य किए जाते हैं।

आज के समय में, जब समाज में आर्थिक असमानता और सामाजिक विभाजन की चुनौतियां बढ़ रही हैं, महाराजा अग्रसेन के सिद्धांत और भी प्रासंगिक हो गए हैं। उनकी सहकारी और समावेशी नीतियां हमें यह सिखाती हैं कि समाज की प्रगति तभी संभव है, जब सभी लोग एक-दूसरे का सहयोग करें और समानता के सिद्धांत को अपनाएं।

महाराजा अग्रसेन की जयंती केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का अवसर है। उनकी शिक्षाएं हमें सामाजिक समरसता, सहकारिता और परोपकार की प्रेरणा देती हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि एकजुटता और सहयोग से ही समाज और राष्ट्र का सच्चा विकास संभव है। आइए, इस जयंती पर हम संकल्प लें कि हम उनके सिद्धांतों को अपनाकर एक बेहतर और समावेशी समाज की दिशा में योगदान देंगे।

सीए नवीन कुमार अग्रवाल
वरिष्ठ उपाध्यक्ष अग्रसेन बैंक एवं सचिव अग्रवाल शिक्षा समिति

अग्रवंशी समाज सेवा में अग्रणीय

महाराजा अग्रसेन को अहिंसा के प्रतीक और शांति के दूत के रूप में जाना जाता है। वे प्रतापनगर के राजा वल्लभ और रानी भगवती देवी के ज्येष्ठ पुत्र थे। महाराजा अग्रसेन ने लगभग 5200 वर्ष पूर्व महाभारत काल के दौरान अग्रोहा पर शासन किया था।

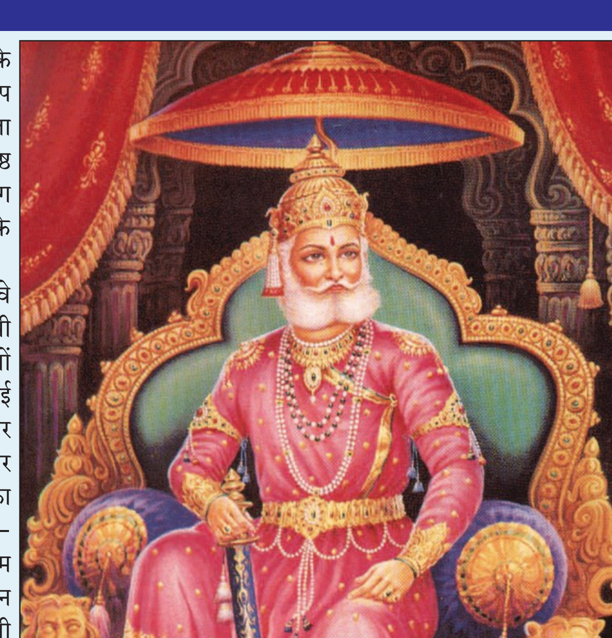

जब अग्रसेन युवा हुए, तो वे नागराज की पुत्री, राजकुमारी माधवी के स्वयंवर में शामिल हुए। देवताओं के राजा इंद्र सहित दुनिया भर के कई राजा स्वयंवर में शामिल हुए। स्वयंवर में, राजकुमारी माधवी ने राजकुमार अग्रसेन को वरमाला पहनाकर उनका वरण किया। इस विवाह ने दो अलग-अलग पारिवारिक संस्कृतियों का संगम किया क्योंकि राजकुमार अग्रसेन सूर्यवंशी थे और राजकुमारी माधवी नागवंशी। देवताओं के राजा इंद्र राजकुमारी माधवी की सुंदरता पर मोहित हो गए थे और उनसे विवाह करने की योजना बना रहे थे।

हालाँकि, अपनी योजना को विफल करने के कारण, वह अग्रसेन से बहुत ईर्ष्या और क्रोधित हुआ। अग्रसेन से बदला लेने के लिए, इंद्र, जिन्हें वर्षा के देवता भी कहा जाता है, ने यह सुनिश्चित किया कि प्रताप नगर में वर्षा न हो और प्रताप नगर राज्य में अकाल पड़ जाए। तब सम्राट अग्रसेन ने इंद्र के विरुद्ध युद्ध छेड़ दिया और धर्म के कारण उनकी सेना ने इंद्र की सेना को परास्त कर दिया और उन्हें भगा दिया। इस स्थिति का सामना करते हुए, इंद्र ने नारद (देवी ऋषि) से अपने और सम्राट अग्रसेन के बीच मध्यस्थता करने के लिए संपर्क किया। नारद उनके बीच शांति स्थापित करने में सफल रहे।

अग्रसेन को शत्रुता समाप्त करने के लिए दीर्घकालिक शांति बनाए रखने की चिंता हुई। इसलिए अग्रसेन काशी नगरी गए और भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए तपस्या करने लगे। अग्रसेन की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव उनके समक्ष प्रकट हुए और उन्हें श्री महालक्ष्मी की आराधना करने की सलाह दी। महाराज अग्रसेन श्री महालक्ष्मी का ध्यान करने लगे। देवी महालक्ष्मी महाराज अग्रसेन की लगन से प्रसन्न हुईं और उनके समक्ष प्रकट हुईं। देवी महालक्ष्मी ने अग्रसेन को आशीर्वाद दिया और सुझाव दिया कि वे अपनी प्रजा की समृद्धि के लिए क्षत्रिय परंपरा का त्याग करके वैश्य परंपरा का पालन करें। इसके अतिरिक्त, उन्होंने यह भी अनुरोध किया कि वे अपने वंशजों के साथ उनकी शाश्वत उपस्थिति के बदले में एक नया राज्य स्थापित करें।

महेश अग्रवाल
संयोजक राधे राधे ग्रुप हैदराबाद

श्री महालक्ष्मी की कृपा से, राजा अग्रसेन ने सम्पूर्ण भारत का भ्रमण किया। अपनी यात्रा के दौरान, उन्हें कुछ बाघ और भेड़िये के बच्चे एक साथ खेलते हुए मिले। राजा अग्रसेन और रानी माधवी के लिए, यह एक शुभ संकेत था कि यह क्षेत्र वीरभूमि है, और उन्होंने उस स्थान पर अपना नया राज्य स्थापित करने का निश्चय किया। नए राज्य का नाम अग्रोहा रखा गया। समय के साथ, अग्रोहा समृद्ध हो गया और राजा अग्रसेन का प्रभाव आसपास के सभी क्षेत्रों में भी महसूस किया जाने लगा। व्यापार, कृषि और उद्योग फल-फूल रहे थे और राजा अग्रसेन की ख्याति दूर-दूर तक फैल गई।

महाराज अग्रसेन ने अपनी प्रजा की समृद्धि के लिए अनेक यज्ञ किए। उन दिनों यज्ञ करना समृद्धि का प्रतीक माना जाता था। ऐसे ही एक यज्ञ के दौरान, महाराज अग्रसेन ने देखा कि बलि के लिए लाया गया एक घोड़ा यज्ञ वेदी से दूर जाने की बहुत कोशिश कर रहा था। महाराज अग्रसेन को दया आ गई और उन्होंने सोचा कि मूक पशुओं की बलि देकर क्या समृद्धि प्राप्त की जा सकती है। महाराज अग्रसेन के मन में अहिंसा का विचार आया और उन्होंने इस पर अपने मंत्रियों से चर्चा की। मंत्रियों ने महाराज अग्रसेन को सलाह दी कि अहिंसा को पड़ोसी राज्य कमजोरी का प्रतीक मान सकते हैं और उन्हें अग्रोहा पर आक्रमण करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। महाराज अग्रसेन का मानना था कि हिंसा और अन्याय का अंत करना कमजोरी नहीं है। इसलिए, उन्होंने घोषणा की कि उनके राज्य में हिंसा और पशु-हत्या नहीं होगी।

महाराज अग्रसेन ने 18 महायज्ञों का आयोजन किया। उन्होंने अपने राज्य को अपनी 18 संतानों में बाँट दिया और प्रत्येक संतान के गुरु के नाम पर 18 गोत्र स्थापित किए। ये 18 गोत्र भगवद्गीता के अठारह अध्यायों के समान हैं; हालाँकि ये भिन्न हैं, फिर भी ये एक-दूसरे से संबंधित होकर एक संपूर्ण गोत्र का निर्माण करते हैं। इस व्यवस्था के अंतर्गत, अग्रोहा बहुत समृद्ध और फला-फूला। अपने जीवन के उत्तरार्ध में, महाराज अग्रसेन ने अपने ज्येष्ठ पुत्र विभु को राजगद्दी पर बैठाया और वानप्रस्थ आश्रम में रहने लगे।

इंसानियत को कभी नहीं भूलना शाहरुख की सबसे बेहतरीन बात : बॉबी देओल

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की पहली सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड रिलीज हो चुकी है। इसमें बॉबी देओल एक सुपरस्टार अजय तलवार की भूमिका निभा रहे हैं।बॉबी देओल और शाहरुख खान की दोस्ती बहुत पुरानी है। सीरीज के प्रमोशन के दौरान बॉबी देओल ने आईएएनएस से अपनी 3 दशक पुरानी दोस्ती पर बात की। बॉबी देओल ने आईएएनएस से कहा, शाहरुख जिस तरह के इंसान हैं, यही वजह है कि आज वे इस मुकाम पर हैं। वह जमीन से जुड़े हुए हैं और परिवार को लेकर बहुत सजग रहते हैं। मुझे यकीन है कि बस एक ही बात उन्हें आगे बढ़ने में मदद करती है, वह यह कि वह अपने परिवार के लिए हमेशा मौजूद रहना चाहते हैं और मुझे लगता है कि हर माता-पिता में यही समानता होती है। हालांकि इन 30 सालों में हम कभी एक-दूसरे के ज्यादा संपर्क में नहीं रहे, लेकिन जब भी हम मिलते हैं तब ऐसा नहीं लगता कि हम लंबे समय बाद मिल रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, हर बार शाहरुख आपको बहुत खास महसूस कराते हैं। वह हमेशा आपको प्यार और स्नेह देते हैं और ये बहुत मायने रखता है। इसका बहुत मतलब है। वह हमेशा अपनी सीमा से हटकर काम करते हैं। वह सबसे अच्छे और दयालु इंसान हैं, भले ही वह इतने बड़े स्टार बन गए हों।

बॉबी देओल कहते हैं, उन्होंने वह गुण नहीं खोया। मुझे लगता है कि यह बात शो में मेरे सह-कलाकारों समेत सभी को जो उनसे प्रेरणा लेते हैं, ध्यान में रखनी चाहिए कि अपनी इंसानियत कभी न खोएं। मुझे लगता है कि शाहरुख के बारे में यही अविश्वसनीय और बेहतरीन बात है।

इससे पहले बॉबी देओल ने कहा था कि इस सीरीज के लिए उन्होंने बिना स्क्रिप्ट पढ़े ही हां कर दिया था। लेकिन इसके निर्देशक आर्यन खान ने स्क्रिप्ट सुनने पर जोर दिया तो वह उनसे मिलने गए थे। यह मीटिंग 7 घंटे तक चली थी। इस दौरान उन्हें समय का पता ही नहीं चला। 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। इसे गौरी खान ने प्रोड्यूस किया है। आर्यन खान ने बिलाल सिद्दीकी और मानव चौहान के साथ मिलकर इसकी कहानी लिखी है।

नगमा मिराजकर ने की बिग बॉस कंटेस्टेंट आवेज दरबार संग अपने रिश्ते पर खुलकर बात

हाल ही में 'बिग बॉस 19' के घर से बाहर हुईं अभिनेत्री नगमा मिराजकर ने साथी कंटेस्टेंट आवेज दरबार के साथ अपने रिश्ते को लेकर खूब सुर्खियां बटोरीं थीं। एक विशेष बातचीत में अपने रिश्ते और बिग बॉस हाउस में चल रहे लव एंगल्स पर बात की। अपने और आवेज के रिश्ते पर बात करते हुए नगमा ने कहा, मैं आवेज दरबार को लंबे समय से जानती हू और उनके बारे में कोई बात मुझसे छुपी नहीं है। मुझे किसी को भी हमारे रिश्ते के बारे में बताने की जरूरत नहीं है। हम एक-दूसरे को जानते हैं और यही मायने रखता है।

शादी की प्लानिंग के बारे में बात करते हुए नगमा ने ने कहा, वह और आवेज जल्द ही शादी करने की योजना बना रहे हैं। मैं चाहती हू कि वह बिग बॉस में अंत तक रहे और जीतकर वापस आए। उसके बाद इंशाअल्लाह, हम शादी के बंधन में बंध जाएंगे।

नगमा को कुछ प्रोजेक्ट में इसलिए लिया गया कि वो आवेज दरबार को जानती हैं, इस पर नगमा बोलीं, मुझे लगता है कि ऐसा कहना अनुचित है। हमने एक-दो गानों पर साथ काम किया है, लेकिन यह दावा करना कि हमें कनेक्शन के जरिए काम मिलता है, सही नहीं है। हर किसी को अपनी मेहनत और प्रतिभा से काम मिलता है। हमने यहां तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की है और ईश्वर की दया से हम अपनी मेहनत से आगे बढ़ते रहेंगे।

'बिग बॉस 19' के घर में प्रेम संबंधों पर अपने विचार साझा करते हुए अभिनेत्री ने कहा, अभिषेक और अशनूर बहुत अच्छे दोस्त हैं। तान्या और अमाल के मीम्स और वीडियो ट्रेंड कर रहे हैं, लेकिन तान्या बहुत बेबाक हैं। अगर उन्हें कुछ महसूस होता है तो वो कह देती हैं। बसीर और फरहाना की बात करें तो बसीर ने खुद माना है कि वो उन्हें गुस्से पर काबू पाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। अभी तक तो मुझे सिर्फ दोस्ती ही नजर आ रही है, प्रेम कहानियां नहीं।

नगमा ने कहा कि वह बाहर से ही आवेज दरबार को सपोर्ट कर रही हैं और चाहती हैं कि इस बार वह विनर बनें।

सिनेमा की रंगीन दुनिया में आपका स्वागत है

अहान पांडे को अनुपम खेर ने दी शुभकामनाएं

बॉलीवुड की दुनिया में हर साल नए चेहरे कदम रखते हैं, लेकिन कुछ ऐसे होते हैं जो पहली ही फिल्म से दर्शकों के दिलों में खास जगह बना लेते हैं। ऐसा ही नाम है अहान पांडे का, जिन्होंने फिल्म 'सैयारा' से धमाकेदार एंट्री की। इस फिल्म को देखने के बाद दर्शकों से लेकर फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज तक, सभी ने उनके अभिनय की सराहना की।अब खुद दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने भी सोशल मीडिया के जरिए अहान पांडे को शुभकामनाएं दी हैं।

अनुपम खेर ने अहान के साथ एक प्यारी सी सेल्फी इंस्टाग्राम पर पोस्ट की, जिसमें दोनों बेहद खुश नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ अनुपम खेर ने कैप्शन में लिखा, ''यहां कोई उम्र का अंतर नहीं! सिनेमा की इस रंगीन दुनिया में अहान का स्वागत है। इस रचनात्मक सफर के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं! जय हो!''

अनुपम खेर के इस पोस्ट ने सोशल मीडिया पर खूब ध्यान खींचा। फैंस ने भी इस पर जमकर रिएक्शन दिए। किसी ने अहान को आने वाले समय का सुपरस्टार बताया, तो किसी ने अनुपम खेर की तारीफ करते हुए लिखा कि उनमें नई पीढ़ी को अपनाने की अद्भुत क्षमता है।बता दें कि फिल्म 'सैयारा' का निर्देशन मोहित सूरी ने किया है। फिल्म की कहानी कृष कपूर और वाणी बत्रा के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने टूटे हुए रिश्तों से उबरने की कोशिश कर रहे हैं।

कृष, यानी अहान पांडे, एक ऐसा म्यूजिक कंपोजर है जो अपने जज्बातों को गानों में ढालता है। वहीं वाणी, यानी अनीत पड्डा, एक लेखिका है जो अपनी भावनाओं को कविताओं में पिरोती है। जब दोनों मिलते हैं, तो उनकी जिंदगी में नई उम्मीदें और एक अनकहा रिश्ता जन्म लेता है। फिल्म की कहानी में जहां रोमांस है, वहीं दर्द और संघर्ष भी है। अहान और अनीत के अलावा, वरुण बडोला, राजेश कुमार और अलाम खान जैसे अनुभवी कलाकार भी शामिल हैं। संगीत की बात करें तो 'सैयारा' का टाइटल ट्रैक पहले ही लोगों की जुबां पर चढ़ चुका है। मिथुन, तनिष्क बागची और सचेत-परंपरा जैसे म्यूजिक डायरेक्टर्स ने मिलकर फिल्म के गानों को एक यादगार अनुभव बना दिया है।

टॉलीवुड से बॉलीवुड तक: बर्थ डे गर्ल कृति शेट्टी के असली पारंपरिक साउथ इंडियन लुक्स से पाएं ट्रेडिशनल स्टाइल इंस्पिरेशन

जहाँ कई अभिनेत्रियाँ शोहरत की सीढ़ियाँ चढ़ते हुए अपनी क्षेत्रीय पहचान पीछे छोड़ देती हैं, वहीं कृति शेट्टी बिल्कुल इसके विपरीत कर रही हैं। बॉलीवुड की उभरती साउथ सेंसेशन, जो साउथ इंडियन सिनेमा और बॉलीवुड दोनों में धूम मचा रही हैं, उन्होंने अपनी जड़ों को ही अपनी सबसे बड़ी स्टाइल स्टेटमेंट बना चुकी हैं। पारंपरिक कांजीवरम साड़ियों से लेकर क्लासिक टेम्पल ज्वेलरी तक – उनका हर फैशन चुनाव उनकी सांस्कृतिक विरासत को एक खूबसूरत ट्रिब्यूट है। उनका पहनावा दक्षिण भारतीय शिल्प कौशल के लिए एक प्रेम पत्र की तरह है, जो साबित करता है कि प्रामाणिकता ग्लैमर का सबसे शक्तिशाली रूप है।

गोल्डन ऑवर गॉडेसः कृति की कोरल पिंक कांजीवरम साड़ी, जिस पर बारीक सोने की ज़री का काम जो परंपरागत सौंदर्य दिखाया है। इस लूक वह बेहद शानदार लग रही है। भव्य एंब्रॉयडरी वाला ब्लाउज़, पारंपरिक टेम्पल ज्वेलरी और माथे पर सजी सुंदर बिंदी – यह लुक किसी फैशन एंसाइक्लोपीडिया से निकला हुआ लगता है। उनका सॉफ्ट मेकअप और खुले बाल साड़ी की भव्यता को संतुलित करते हैं। सुनहरी धूप में यह लुक उन्हें एक मॉडर्न साउथ इंडियन राजकुमारी जैसा रूप देता है।

सब कुछ नीले रंग मेंः चांदी के किनारों वाली कृति की टील ब्लू साड़ी निश्चित रूप से हमारी पसंद की एक साड़ी है। यह पारंपरिक दक्षिण भारतीय बुनाई के टाइमलेस आकर्षण को दर्शाती है। मॉडर्न पैटर्न वाला उनका ब्लाउज़ डिज़ाइन क्षेत्रीय सौंदर्यशास्त्र के प्रति सच्चे रहते हुए एक पारंपरिकता और आधुनिकता का खूबसूरत संतुलन है। सफेद फूलों का हेयर एक्सेसरी और डार्क आई मेकअप इस लुक को और भी प्रभावशाली बनाते हैं। यह दिखाता है कि साउथ इंडियन फैशन पारंपरिक होते हुए भी आज के दौर से कदम से कदम मिला सकता है।

अर्थी एलीगेंसः कृति की चुनी हुई रस्ट कलर की यह साड़ी, गोल्ड वर्क के साथ, दक्षिण भारतीय वस्त्र परंपराओं की गर्मजोशी और समृद्धि को दर्शाती है, साथ ही इसे मॉडर्न और स्टाइलिश भी बनाती है। स्लीवलेस ब्लाउज़ लुक को मॉडर्न बनाए रखता है, वहीं पारंपरिक आभूषण सांस्कृतिक मूल्यों को बरकरार रखते हैं। खुले बाल और कृति की मुस्कान इस पूरे लुक में चार चाँद लगा देती है, यह साबित करते हुए कि आत्मविश्वास सबसे बेहतरीन एक्सेसरी है।

रॉयल एंड रेडिएंटः कृति की सुनहरी पीली कांजीवरम साड़ी दक्षिण भारतीय लक्ज़री फ़ैशन का शिखर प्रतीत होता है। पारंपरिक वास्तुकला की पृष्ठभूमि के साथ, उनका यह लुक एक फैशन व्याख्यान है कि कैसे विरासत के परिधानों को अधिकतम प्रभाव के लिए स्टाइल किया जाए। उनके भारी पारंपरिक आभूषण और क्लासिक मेकअप एक शाही रूप प्रदान करते हैं जो दक्षिण भारतीय राजघरानों को ट्रिब्यूट देता है। यह समृद्ध कपड़ा प्रकाश को खूबसूरती से पकड़ता है, और जब इसे जटिल मोतियों और ज़री के काम से सजे पूरी बाजू के ब्लाउज़ के साथ जोड़ा जाता है, तो यह एक दिव्य चमक पैदा करता है जो दक्षिण भारतीय दुल्हन के फैशन का पर्याय है।

मॉडर्न म्यूज़ः सच कहूँ तो... कृति का हाफ-अपडू हेयरस्टाइल ही था जिसने हमारा सबसे पहले ध्यान जाता है उनके स्टाइलिश हेयरडू पर। लेकिन बारीक सुनहरे काम वाली चटक गुलाबी साड़ी का उनका चुनाव दक्षिण भारतीय फैशन के उस बोल्ड रंगों को दर्शाता है जिसके लिए वे मशहूर हैं। समकालीन ड्रेपिंग स्टाइल और कम से कम गहनों का अंदाज़ यह साबित करता है कि पारंपरिक पहनावे को भी नए और आधुनिक तरीकों से स्टाइल किया जा सकता है। उनके चिकने बाल और सादगी भरा मेकअप साड़ी की कारीगरी को चार चाँद लगा देता है। यह लुक दर्शाता है कि कैसे दक्षिण भारतीय फैशन की संवेदनशीलता रोज़मर्रा के ग्लैमर में खूबसूरती से ढल सकती है। कृति शेट्टी के फैशन विकल्प सिर्फ़ स्टाइल स्टेटमेंट से कहीं ज़्यादा हैं। ये सांस्कृतिक पहचान की अभिव्यक्ति हैं। जब फिल्म इंडस्ट्री जहाँ एक कलाकारों के कपड़ों के चुनाव – चाहे पर्दे पर हों या पर्दे के पीछे, हमेशा सवालों के घेरे में रहते हैं, कृति की पसंद दर्शाती है कि उन्हें क्या पहनना पसंद है और वे किसमें सहज महसूस करती हैं, साथ ही उनके प्रयोगधर्मी अंदाज़ का भी बेहतरीन मिश्रण है। लेकिन एक बात तो पक्की है: कांजीवरम सिल्क की समृद्धता से लेकर टेम्पल ज्वेलरी की बारीकियों तक, उनकी पसंद ने रीजनल फैशन को मेनस्ट्रीम में ला दिया है। जैसे-जैसे वह बॉलीवुड में उनकी चमक बढ़ती जा रही है, कृति यह साबित कर रही हैं कि अपनी जड़ों से जुड़ा रहना न सिर्फ़ फैशनेबल है, बल्कि एक क्रांतिकारी स्टाइल स्टेटमेंट भी।

शारदीय नवरात्रि में हाथी होगा मां दुर्गा का वाहन

माता दुर्गा को समर्पित 9 दिन बेहद कल्याणकारी

हिंदू पंचांग के अनुसार वर्ष में चार बार नवरात्रि का पर्व मनाया जाता है जो शरद, चैत्र, माघ और आषाढ़ के महीने में पड़ती हैं। शरद और चैत्र के महीने में पड़ने वाली नवरात्रि मां दुर्गा के भक्तों के लिए विशेष होती है वहीं माघ और आषाढ़ के महीने में पड़ने वाली नवरात्रि तांत्रिकों व अघोरियों के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है जिसे गुप्त नवरात्रि कहते हैं। इन 9 दिनों में भक्त मां दुर्गा की भक्ति में लीन रहते हैं तथा दिन-रात उनकी उपासना करते हैं। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि शारदीय नवरात्रि पर्व अश्विनी शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा 22 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मनाया जाएगा। इस बार तृतीया तिथि 24 और 25 सितंबर दो दिन होने के कारण नवरात्रि पर्व 10 दिनों तक मनाया जाएगा। नवरात्रि पर्व की तिथि बढ़ना शुभ माना जाता है। आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा 21 सितंबर की अर्ध रात्रि 1.24 बजे से लगेगी, जो कि दूसरे दिन 22 सितंबर की ब्रह्मवेला में प्रतिपदा तिथि तक रहेगी। अत: इस दिन ही शारदीय नवरात्रि पर्व की शुरूआत होगी। वर्ष में दो बार चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गा की विधि विधान से पूजा की जाती है। हालांकि कि गुप्त नवरात्रि भी आती है, लेकिन चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि की लोक मान्यता ज्यादा है। इस नवरात्रि माता भक्तों को दर्शन देने के लिए घोड़े में सवार होकर आ रही हैं। शक्ति का स्वरुप माने जाने वाली माता दुर्गा को समर्पित यह 9 दिन बेहद कल्याणकारी होते हैं। इन 9 दिनों में माता दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है और पूरे भारत में भक्ति और उल्लास का माहौल रहता है।

घटस्थापना तिथि: – 22 सितंबर – नवरात्रि के पहले दिन मां दुर्गा के पहले स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा होती है जो चंद्रमा का प्रतीक हैं। मां शैलपुत्री की पूजा करने से सभी बुरे प्रभाव और शगुन दूर होते हैं। इस दिन भक्तों को पीले रंग के कपड़े पहनने चाहिए।

द्वितीया तिथि: – 23 सितंबर – मां दुर्गा का दूसरा स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी है और नवरात्रि के दूसरे दिन इनकी पूजा का विधान है। मां ब्रह्मचारिणी मंगल ग्रह को प्रदर्शित करती हैं और जो भक्त मां ब्रह्मचारिणी की पूजा सच्चे दिल से करता है उसके सभी दुख, दर्द और तकलीफें दूर हो जाती हैं। मां ब्रह्मचारिणी की पूजा करते समय हरे रंग के कपड़े पहनें।

तृतीया तिथि: – 24 – 25 सितंबर– नवरात्रि के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की पूजा होती है जो शुक्र ग्रह को नियंत्रित करती हैं। इनकी पूजा करने से शक्ति का संचार होता है तथा हर तरह के भय दूर हो जाते हैं। मां चंद्रघंटा की पूजा में ग्रे रंग का कपड़ा पहनें।

चतुर्थी तिथि: – 26 सितंबर– शरद नवरात्रि के चौथे दिन मां कुष्मांडा की पूजा का विधान है जो सूर्य देव को प्रदर्शित करती हैं। चतुर्थी तिथि पर संतरे रंग का कपड़ा पहनना शुभ माना जाता है। मां कुष्मांडा की पूजा करने से भविष्य में आने वाली सभी विपत्तियां दूर होती हैं।

पंचमी तिथि: – 27 सितंबर– बुध ग्रह को नियंत्रित करने वाली माता मां स्कंदमाता की पूजा शरद नवरात्रि के पांचवें दिन होती है। जो भक्त मां स्कंदमाता की पूजा करता है उसके ऊपर मां की विशेष कृपा बरसती है। पंचमी तिथि पर सफेद रंग का कपड़ा पहना अनुकूल माना जाता है।

षष्ठी तिथि: – 28 सितंबर–नवरात्रि की षष्ठी तिथि मां कात्यायनी को समर्पित है। इस दिन लाल कपड़े पहनकर मां कात्यायनी की पूजा करें जो बृहस्पति ग्रह को नियंत्रित करती हैं। मां कात्यायनी की पूजा करने से हिम्मत और शक्ति में वृद्धि होती है।

सप्तमी तिथि: – 29 सितंबर–इस दिन मां कालरात्रि की पूजा की जाती है जो शनि ग्रह का प्रतीक हैं। मां कालरात्रि की पूजा करने से भक्तों में वीरता का संचार होता है। सप्तमी तिथि पर आपको रॉयल ब्लू रंग के कपड़े पहनने चाहिए।

अष्टमी तिथि: – 30 सितंबर–अष्टमी तिथि पर महागौरी की पूजा करने का विधान है। इस दिन गुलाबी रंग का कपड़ा पहनना मंगलमय माना जाता है। माता महागौरी राहु ग्रह को नियंत्रित करती हैं और अपने भक्तों के जीवन से सभी नकारात्मक शक्तियों को दूर करती हैं।

नवमी तिथि: – 1 अक्टूबर – मां सिद्धिदात्री राहु ग्रह को प्रदर्शित करते हैं जिनकी पूजा करने से बुद्धिमता और ज्ञान का संचार होता है। नवमी तिथि पर आपको पर्पल रंग का कपड़ा पहनना चाहिए।

तृतीया तिथि तिथि दो दिन होने से 9 नहीं 10 दिनों की रहेगी शारदीय नवरात्रि

मां दुर्गा की पूजा का महा उत्सव शारदीय नवरात्रि 22 सितंबर से शुरू हो रहा है। 1 अक्टूबर को दुर्गा नवमी के साथ नवरात्रि का समापन होगा। इस बार ये पर्व 9 नहीं, 10 दिनों का होगा। ये अद्भुत संयोग लगभग 9 साल बाद बन रहा है। इससे पहले 2016 में भी नवरात्रि 10 दिनों की थी। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि इस बार 9 की बजाय 10 दिन की शारदीय नवरात्रि होगी क्योंकि नवरात्रि की एक तिथि में वृद्धि होने के कारण शारदीय नवरात्रि 22 सितंबर से 2 अक्टूबर तक होगी। सबसे खास बात यह है कि इस बार तृतीया तिथि की वृद्धि हुई है इस बार 24 और 25 सितंबर को तृतीया तिथि रहेगी। इस कारण शारदीय नवरात्रि का समापन 2 अक्टूबर को होगा और इसी दिन दशहरा भी मनाया जायेगा।

नवरात्रि में तृतीया तिथि रहेगी दो दिन

इस साल नवरात्रि की चतुर्थी तिथि दो दिन रहेगी, इस कारण देवी पूजा के लिए भक्तों को एक अतिरिक्त दिन मिलेगा और भक्त 10 दिनों तक नवरात्रि मना पाएंगे। पंचांग के अनुसार, 24 और 25 सितंबर को दोनों दिन तृतीया तिथि रहेगी। नवरात्रि की समाप्ति के बाद इस बार दशहरा 2 अक्टूबर को मनाया जाएगा।

देवी चंद्रघंटा की दो दिन होगी पूजा

तृतीया तिथि दो दिन होने से 24 और 25 सितंबर को मां दुर्गा के तृतीया स्वरूप चंद्रघंटा की पूजा दो दिन होगी। नवरात्रि के नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ अलग-अलग स्वरूपों की पूजा करते हैं, इनमें शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्माण्डा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री देवी शामिल हैं।

हाथी पर सवार होकर आएंगी मां दुर्गा

नवरात्रि की शुरुआत में मां दुर्गा के वाहन का विशेष महत्व रहता है। ये वाहन नवरात्रि के प्रारंभ होने वाले दिन (वार) पर निर्भर करता है। इस बार नवरात्रि की शुरुआत रविवार से हो रही है। जब नवरात्रि की शुरुआत रविवार या सोमवार को होती है, तो मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आती हैं। हाथी को सुख-समृद्धि, धन-धान्य और खुशहाली का प्रतीक है। ऐसे में हाथी पर सवार होकर मां दुर्गा के आने से देश और समाज के सुख-समृद्धि और उन्नति के योग बनेंगे। शनिवार या मंगलवार को नवरात्रि शुरू हो तो मां का वाहन अश्व (घोड़ा) पर, गुरुवार या शुक्रवार को डोली में और बुधवार को नौका से देवी का आगमन होता है। देवी के वाहनों के अलग-अलग फल बताए गए हैं।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

नवरात्रि घटस्थापना मुहूर्त

अमृत मुहूर्त : सुबह 6.19 से 7.49 बजे तक

शुभ मुहूर्त : सुबह 9.14 से 10.49 बजे तक,

अभिजीत मुहूर्त : सुबह 11.55 से 12.43 बजे तक रहेगा

कलश स्थापना

नवरात्रि में कलश स्थापना का विशेष महत्व है। कलश स्थापना को घट स्थापना भी कहा जाता है। नवरात्रि की शुरुआत घट स्थापना के साथ ही होती है। घट स्थापना शक्ति की देवी का आह्वान है। मान्यता है कि गलत समय में घट स्थापना करने से देवी मां क्रोधित हो सकती हैं। रात के समय और अमावस्या के दिन घट स्थापित करने की मनाही है। घट स्थापना का सबसे शुभ समय प्रतिपदा का एक तिहाई भाग बीत जाने के बाद होता है। अगर किसी कारण वश आप उस समय कलश स्थापित न कर पाएं तो अभिजीत मुहूर्त में भी स्थापित कर सकते हैं। प्रत्येक दिन का आठवां मुहूर्त अभिजीत मुहूर्त कहलाता है। सामान्यत: यह 40 मिनट का होता है। हालांकि इस बार घट स्थापना के लिए अभिजीत मुहूर्त उपलब्ध नहीं है।

कलश स्थापना की सामग्री

मां दुर्गा को लाल रंग खास पसंद है इसलिए लाल रंग का ही आसन खरीदें। इसके अलावा कलश स्थापना के लिए मिट्टी का पात्र, जौ, मिट्टी, जल से भरा हुआ कलश, मौली, इलायची, लौंग, कपूर, रोली, साबुत सुपारी, साबुत चावल, सिक्के, अशोक या आम के पांच पत्ते, नारियल, चुनरी, सिंदूर, फल-फूल, फूलों की माला और श्रृंगार पिटारी भी चाहिए।

कलश स्थापना कैसे करें?

नवरात्रि के पहले दिन यानी कि प्रतिपदा को सुबह स्नान कर लें। मंदिर की साफ-सफाई करने के बाद सबसे पहले गणेश जी का नाम लें और फिर मां दुर्गा के नाम से अखंड ज्योत जलाएं। कलश स्थापना के लिए मिट्टी के पात्र में मिट्टी डालकर उसमें जौ के बीज बोएं। अब एक तांबे के लोटे पर रोली से स्वास्तिक बनाएं। लोटे के ऊपरी हिस्से में मौली बांधें। अब इस लोटे में पानी भरकर उसमें कुछ बूंदें गंगाजल की मिलाएं। फिर उसमें सवा रुपया, दूब, सुपारी, इत्र और अक्षत डालें। इसके बाद कलश में अशोक या आम के पांच पत्ते लगाएं। अब एक नारियल को लाल कपड़े से लपेटकर उसे मौली से बांध दें। फिर नारियल को कलश के ऊपर रख दें। अब इस कलश को मिट्टी के उस पात्र के ठीक बीचों बीच रख दें जिसमें आपने जौ बोएं हैं। कलश स्थापना के साथ ही नवरात्रि के नौ व्रतों को रखने का संकल्प लिया जाता है। आप चाहें तो कलश स्थापना के साथ ही माता के नाम की अखंड ज्योति भी जला सकते हैं।

शारदीय नवरात्रि तिथि

- 22 सितंबर, सोमवार : प्रतिपदा तिथि
- 23 सितंबर, मंगलवार : द्वितीय तिथि
- 24 सितंबर, बुधवार : तृतीया तिथि
- 25 सितंबर, गुरुवार : तृतीया तिथि
- 26 सितंबर, शुक्रवार : चतुर्थी तिथि
- 27 सितंबर, शनिवार : पंचमी तिथि
- 28 सितंबर, रविवार : षष्ठी तिथि
- 29 सितंबर, सोमवार : सप्तमी तिथि
- 30 सितंबर, मंगलवार : अष्टमी तिथि
- 01 अक्टूबर, बुधवार : नवमी तिथि
- 02 अक्टूबर, गुरुवार : दशहरा

नवरात्रि में अलग-अलग प्रसाद से माता होगी प्रसन्न

नवरात्रि का पर्व देवी शक्ति मां दुर्गा की उपासना का उत्सव है। नवरात्रि के नौ दिनों में देवी शक्ति के नौ अलग-अलग रूप की पूजा-आराधना की जाती है। एक वर्ष में चार बार नवरात्र आते हैं चैत्र, आषाढ़, माघ और शारदीय नवरात्र। इनमें चैत्र और अश्विन यानि शारदीय नवरात्रि को ही मुख्य माना गया है। इसके अलावा आषाढ़ और माघ गुप्त नवरात्रि होती है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि शारदीय नवरात्रि पर्व अश्विनी शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा 22 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मनाया जाएगा। इस बार तृतीया तिथि 24 और 25 सितंबर दो दिन होने के कारण नवरात्रि पर्व 10 दिनों तक मनाया जाएगा। नवरात्रि पर्व की तिथि बढ़ना शुभ माना जाता है। आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा 21 सितंबर की अर्ध रात्रि 1.24 बजे से लगेगी, जो कि दूसरे दिन 22 सितंबर की ब्रह्मवेला में प्रतिपदा तिथि तक रहेगी। अत: इस दिन ही शारदीय नवरात्रि पर्व की शुरूआत होगी।

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा की आर-ाधना के लिए नवरात्रा सर्वोत्तम समय माना जाता है। भगवान राम ने नवरात्र में मां भगवती की आराधना से देवी को प्रसन्न कर विजयादशमी के दिन रावण का संहार किया था। ऐसे में माता के भक्त पूरे 9 दिनों तक माता की पूजा-अर्चना करके मां को प्रसन्न करना चाहते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं इन नौ दिनों में हर दिन माता को अलग-अलग चीजों का भोग लगाने का विधान बताया गया है।

नवरात्र की 9 देवियां अलग-अलग 9 शक्तियों का प्रतीक मानी जाती हैं। अगर आप भी इन नौ दिनों में माता को प्रसन्न करके अपनी हर मुराद झट से पूरी कर लेना चाहते हैं तो नवरात्रि में हर दिन के हिसाब से माता को लगाएं उनकी पसंद का भोग।

किस दिन किस माता को लगाया जाता है किस चीज का भोग।

पहला दिन– मां शैलपुत्री

नवरात्र के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा होती है। मां शैलपुत्री को आरोग्य की देवी माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यदि कोई व्यक्ति नवरात्रि के पहले दिन गाय के शुद्ध देसी घी का भोग माता को लगाता है तो मां शैलपुत्री की कृपा से व्यक्ति को निरोग और खुश रहने का वरदान मिलता है।

दूसरा दिन– मां ब्रह्मचारिणी

जो लोग मां ब्रह्मचारिणी से अपने लिए दीर्घायु का वरदान चाहते हैं उन्हें नवरात्र के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी को शक्कर का भोग लगाना चाहिए। मां ब्रह्मचारिणी को शक्कर का भोग लगाने से माना जाता है कि व्यक्ति को अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता।

तीसरा दिन– मां चंद्रघंटा

नवरात्र के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा को दूध और दूध से बनी चीज़ों का भोग लगाया जाता है। ऐसा करने से व्यक्ति के जीवन के हर दुख समाप्त जाते हैं।

चौथा दिन– मां कूष्मांडा

नवरात्रि के चौथे दिन मां कूष्मांडा की पूजा की जाती है। मां कूष्मांडा को मालपुए का भोग लगाने की परंपरा है। ऐसा भी कहा जाता है कि इस दिन ब्राह्मणों को मालपुए खिलाने चाहिए। ऐसा करने से बुद्धि का विकास होता है और निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

पांचवां दिन– मां स्कंदमाता

नवरात्र के पांचवे दिन स्कंदमाता की पूजा होती है। नवरात्र के पांचवें दिन मां स्कंदमाता को केले का भोग लगाया जाता है। स्कंदमाता की पूजा करने से आजीवन आरोग्य रहने का वरदान मिलता है।

छठां दिन– मां कात्यायनी

नवरात्र के छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा होती है। मां कात्यायनी को शहद का भोग लगाने से आकर्षण का आशीर्वाद मिलता है।

सातवां दिन– मां कालरात्रि

नवरात्रि के सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजी की जाती है। इस दिन माता को गुड़ का भोग लगाया जाता है। माना जाता है कि गुड़ का भोग लगाने से आकस्मिक संकट से रक्षा होती है।

आठवां दिन– मां महागौरी

नवरात्रि के आठवें दिन महागौरी की पूजा की जाती है। इस दिन लोग कन्या पूजन भी करते हैं। इस दिन महागौरी की पूजा करते समय माता को नारियल का भोग लगाया जाता है। माना जाता है कि ऐसा करने से संतान से जुड़ी समस्याएं दूर होती हैं।

नौवां दिन– मां सिद्धिदात्री

नवरात्र के नौवें दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा होती है। इस दिन माता को तिल का भोग लगाते हैं। जिन लोगों को आकस्मिक मृत्यु का भय होता है वो मां सिद्धिदात्री की पूजा करते हैं।

संपादकीय

वूटनीति का दोहरा चरित्र

इन दिनों विश्व राजनीति में कौन किसके साथ खड़ा है, यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1267 के प्रतिबंध समिति के सामने पाकिस्तान ने अपने सदाबहार मित्र चीन के साथ मिलकर बलूचिस्तान के विद्रोही गुटों बीएलए यानि बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और मजीद ब्रिगेड के खिलाफ आतंकी सूची में डलवाकर देश और विदेशों में उनकी यात्रा पर रोक लगवाने तथा उनकी संपत्तियों को जप्त करने के उद्देश्य से प्रस्ताव लाया किंतु अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस ने उसके प्रस्ताव का विरोध करके दोनों के प्रयासों को असफल कर दिया। मजे की बात है कि पाकिस्तान ने बड़ी दौड़ धूप करके अमेरिका द्वारा इन दोनों संगठनों को विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकी संगठन (एसडीजीटी) की सूची में शामिल करके विदेशी आतंकी संगठन घोषित कराया था। दरअसल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1267 के मुताबिक मात्र उन संगठनों को ही यूएन प्रतिबंध समिति आतंकी सूची में डालता है जिनका अलकायदा और आईएसआईएस से संबंध हो। 1999 में जिस 1267 प्रस्ताव का प्रावधान किया गया था, उसका ईमानदारी से पालन किया होता तो तमाम आतंकी संगठनों या आतंकियों पर प्रतिबंध लग जाते और वे अपने सही ठिकाने यानि जेल में होते। लेकिन पाकिस्तान उन्हें अपना नागरिक बताकर अपने मित्र चीन से वीटो लगवा कर यूएन में बचा लेता है। यही है यूएन के स्थाई सदस्यों का दोहरा चरित्र। असल में संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि असीम इफ्तिखार अहमद ने एक प्रस्ताव पेश किया जिसमें स्पष्ट रूप से दावा किया गया कि आईएसआईएस के अलकायदा तहरीके तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), बीएलए और उसकी मजीद ब्रिगेड जैसे आतंकी संगठन अफगानिस्तान से संचालित हो रहे हैं और वहीं से पाकिस्तान में सीमापार से हमले कर रहे हैं। यही नहीं पाकिस्तान के प्रतिनिधि ने यह भी दावा किया कि आतंकवाद-पाकिस्तान की प्रमुख राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती है और इसके लिए अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को अपने अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दायित्व को पूरा करना चाहिए। पाकिस्तान और चीन के इस तर्क को अमेरिका समेत उसके सहयोगी देशों ने खारिज करते हुए स्पष्ट कर दिया कि बीएलए और मजीद ब्रिगेड को अलकायदा और आईएसआईएस से संबंध का कोई प्रमाण नहीं है। यदि पाकिस्तान और चीन का यह प्रस्ताव स्वीकार हो जाता तो यह चीन और पाकिस्तान दोनों की बहुत बड़ी जीत होती। अमेरिका ने तो इससे पहले 2019 में भी बीएलए और मजीद ब्रिगेड को एसडीजीटी की सूची में नामित किया था। सच तो यह है कि बीएलए और मजीद ब्रिगेड ने न सिर्प पाकिस्तान की नाक में दम कर रखा है बल्कि चीन भी उनसे बहुत परेशान है। चीन इन्हीं दोनों संगठनों के विरोध के कारण ग्वादर बंदरगाह को विकसित नहीं कर पा रहा है और इन्हीं दोनों संगठनों की वजह से बलूचिस्तान से खनिज पदार्थों की खुदाई कर पाने में सफल भी नहीं हो पा रहा है। पाकिस्तान की आर्मी ने चीन के इंजीनियरों की सुरक्षा के लिए इस राज्य को भयाव्रांत करने के उद्देश्य से ही व्रूरता की हदें पार कर दी हैं। बलूचिस्तान के लोग जितना पाकिस्तान की सेना और सरकार से घृणा करते हैं, उतना ही उन चीनी इंजीनियरों एवं चीन की वंपनी के कार्मियों से भी नफरत करते हैं। बहरहाल पाकिस्तान को गलतफहमी हुई कि यदि बीएलए और मजीद ब्रिगेड को यूएन प्रस्ताव के तहत आतंकी घोषित करने में अमेरिका मदद कर देगा तो उसके सहयोगी ब्रिटेन और प्रांस भी साथ दे सकते हैं। कितु उसकी यह चालबाजी काम नहीं आई। पाकिस्तान की सव्रियता का सबसे बड़ा कारण है कि उसे यह गलतफहमी हो गई है कि भारत और अमेरिका के बीच वूटनीतिक, सुरक्षा और खुफिया तंत्र सहयोग के व्रम खत्म हो चुके हैं। वह इतनी सरल बात भी स्वीकार नहीं कर पा रहा है कि इन दिनों नई दिल्ली और वाशिंगटन डीसी के जो संबंध खराब दिख रहे हैं वे असल में दोनों देशों के स्थाई संबंध नहीं हैं, बल्कि अस्थाई दौर है। दोनों यानि भारत और अमेरिका को एक-दूसरे की जरूरत है इसलिए ज्यादा दिनों तक यह तनातनी चल ही नहीं सकती। अमेरिका को न तो पाकिस्तान पर भरोसा है और न ही पाकिस्तान को अमेरिका पर। कारण कि पाकिस्तान चीन से कर्ज का पिण्ड छुड़ा ही नहीं सकता इसीलिए पाकिस्तान को इस्तेमाल करने के लिए जहां उसके सेना प्रमुख को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने लंच करा दिया, वहीं ट्रंप मंडली सहित पूरा अमेरिका भारत को चीन के नजदीक देखकर हतप्रभ रह गया। अमेरिका अच्छी तरह जानता है कि भारत और चीन की स्थाई मित्रता संभव ही नहीं है, इसीलिए भारत और अमेरिका के संबंधों को मात्र टैरिफ और ट्रंप मंडली के बयानों से मूल्यांकन करने पर निष्कर्ष दोषपूर्ण आना स्वाभाविक है। पाकिस्तान चीन से ही मिलकर भारत के खिलाफ सव्रिय लश्कर-ए-तोयबा, जैश-ए-मोहम्मद जैसे दुर्दांत आतंकियों को यूएन प्रस्ताव 1267 के तहत आतंकी घोषित किए जाने से अपने वीटो पावर का दुरुपयोग करके यूएन में बार-बार रोकता है क्योंकि ये सभी तो उसके हीरो ही हैं लेकिन जो बलूची अपने अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं उन्हें पाकिस्तान चीन की मदद से हमेशा के लिए अलग-थलग करने हेतु वुटिलता कर रहा है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1267 के प्रतिबंध समिति के सामने पाकिस्तान ने अपने सदाबहार मित्र चीन के साथ मिलकर बलूचिस्तान के विद्रोही गुटों बीएलए यानि बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और मजीद ब्रिगेड के खिलाफ आतंकी सूची में डलवाकर देश और विदेशों में उनकी यात्रा पर रोक लगवाने तथा उनकी संपत्तियों को जप्त करने के उद्देश्य से प्रस्ताव लाया किंतु अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस ने उसके प्रस्ताव का विरोध करके दोनों के प्रयासों को असफल कर दिया। मजे की बात है कि पाकिस्तान ने बड़ी दौड़ धूप करके अमेरिका द्वारा इन दोनों संगठनों को विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकी संगठन (एसडीजीटी) की सूची में शामिल करके विदेशी आतंकी संगठन घोषित कराया था। दरअसल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1267 के मुताबिक मात्र उन संगठनों को ही यूएन प्रतिबंध समिति आतंकी सूची में डालता है जिनका अलकायदा और आईएसआईएस से संबंध हो। 1999 में जिस 1267 प्रस्ताव का प्रावधान किया गया था, उसका ईमानदारी से पालन किया होता तो तमाम आतंकी संगठनों या आतंकियों पर प्रतिबंध लग जाते और वे अपने सही ठिकाने यानि जेल में होते। लेकिन पाकिस्तान उन्हें अपना नागरिक बताकर अपने मित्र चीन से वीटो लगवा कर यूएन में बचा लेता है।

बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' के बाद उनका 'वोट चोर, गद्दी छोड़' वाला नारा वायरल हो गया

राहुल गांधी का जेन-जेड दांव लोकतंत्र की रक्षा या पड़ोसी देशों जैसी आग का न्योता ?

अजय कुमार

कांग्रेस नेता राहुल गांधी का एक ट्वीट ऐसा है, जिसने सबको चौंका दिया। 18 सितंबर 2025 को एक्स पर उन्होंने लिखा, 'देश के युवा, देश के छात्र, देश की जेनरेशन-जी संविधान को बचाएंगे, लोकतंत्र की रक्षा करेंगे और वोट की चोरी रोकेगी। मैं उनके साथ हमेशा खड़ा हूं। जय हिद!' यह कोई मामूली बात नहीं थी। इस ट्वीट में पड़ोसी मुल्क नेपाल के हाल के जेन-जी आंदोलन की छाया साफ दिख रही है, जहां नौजवानों ने सड़कों पर उतरकर सरकार को उखाड़ पेंका। सवाल उठ रहे हैं, क्या राहुल गांधी युवाओं को सड़कों पर बुलाने का इशारा दे रहे हैं? क्या वे चुनाव आयोग पर 'वोट चोरी' का इल्जाम लगाकर आग भड़का रहे हैं? कांग्रेस का कहना है कि युवा उनकी ताकत हैं, वहीं भाजपा इसे 'नेपाल जैसी साजिश' बता रही है। ऊपर से सैम पित्रोदा का पाकिस्तान को 'घर जैसा' बताने वाला बयान ने नया बवाल खड़ा कर दिया।

राहुल जी, नौजवानों को वोट की ताकत सिखाइए। आपके परिवार ने इसी सिस्टम से सत्ता पाई। बिहार चुनाव बताएंगे, जेन-जी राहुल के साथ है या तरक्की के रास्ते पर। लोकतंत्र बचेगा, अगर युवा वोट से बदलाव लाएं। आग से नहीं। देश की सियासत में इन दिनों हंगामा बरपा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का एक ट्वीट ऐसा है, जिसने सबको चौंका दिया। 18 सितंबर 2025 को एक्स पर उन्होंने लिखा, 'देश के युवा, देश के छात्र, देश की जेनरेशन-जी संविधान को बचाएंगे, लोकतंत्र की रक्षा करेंगे और वोट की चोरी रोकेगी। मैं उनके साथ हमेशा खड़ा हूं। जय हिद!' यह कोई मामूली बात नहीं थी। इस ट्वीट में पड़ोसी मुल्क नेपाल के हाल के जेन-जी आंदोलन की छाया साफ दिख रही है, जहां नौजवानों ने सड़कों पर उतरकर सरकार को उखाड़ पेंका। सवाल उठ रहे हैं, क्या राहुल गांधी युवाओं को सड़कों पर बुलाने का इशारा दे रहे हैं? क्या वे चुनाव आयोग पर 'वोट चोरी' का इल्जाम लगाकर आग भड़का रहे हैं? कांग्रेस का कहना है कि युवा उनकी ताकत हैं, वहीं भाजपा इसे 'नेपाल जैसी साजिश' बता रही है। ऊपर से सैम पित्रोदा का पाकिस्तान को 'घर जैसा' बताने वाला बयान ने नया बवाल खड़ा कर दिया। आखिर क्या है यह माजरा? क्या राहुल का जेन-जी दांव भारत में नेपाल जैसी आग लगाएगा या लोकतंत्र को और मजबूत करेगा? नेपाल में सितंबर 2025 में जेनजी आंदोलन ने तहलका मचा दिया। वहां की सरकार को जाना पड़ा। बात शुरू हुई 4 सितंबर से, जब नेपाल सरकार ने पेसबुक, एक्स, यूट्यूब, इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया पर पाबंदी लगा दी। वजह बताई गईं कि ये वंपनियां नए नियमों में रजिस्टर नहीं हुई थीं। लेकिन यह पैसला 1995 से 2010 के बीच पैदा हुए जेन-जी युवाओं को बिल्वुल रास नहीं आया। उनके लिए सोशल मीडिया सिर्प टाइमपास नहीं, बल्कि रोजगार, पढ़ाई और दुनिया से जुड़ने का जरिया है। रील्स बनाकर पैसे कमाने वाले, विदेश में बसे रिश्तेदारों से वीडियो कॉल करने वाले, ऑनलाइन बिजनेस चलाने वाले सब गुस्से में आ गए। शुरू में आंदोलन बैन के खिलाफ था, लेकिन जल्दी ही यह भ्रष्टाचार, परिवारवाद और अमीर-गरीब की खाई के खिलाफ उग्र हो गया। काठमांडू से लेकर छोटे शहर तक सड़कों पर हजारों युवा उतर आए। सरकारी दफ्तरों, राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री आवास पर हमले हुए। कम से कम 51 लोग मारे गए, सैकड़ों जख्मी। सेना को सड़कों पर उतारना पड़ा। एक बड़े नेता ने कहा, 'सियासी दलों ने युवाओं की बात नहीं सुनी, इसलिए हिसा भड़की।' नतीजा? प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को वुसा छोड़नी पड़ी। अब नई सरकार की बात हो रही है, जिसमें वुछ नए चेहरों के नाम सामने आ रहे हैं। यह आंदोलन वुछ नौजवानों ने शुरू किया, जो सियासत से दूर थे। बाद में विपक्षी दलों ने इसे हवा दी। भारत पर भी इसका असर पड़ा। उत्तराखंड के सीमाई बाजारों में धंधा ठप है, क्योंकि नेपाली ग्राहक सड़कों पर हैं। नेपाल का यह बवाल भारत के लिए चेतावनी बन रहा है। राहुल गांधी का ट्वीट इस माहौल में आया। उन्होंने नेपाल का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी बातों में वही जोश दिखा। बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' के बाद उनका 'वोट चोर, गद्दी छोड़' वाला नारा वायरल हो गया। प्रेस कॉन्प्रेंस में उन्होंने चुनाव आयोग पर सीधा निशाना साधा। कर्नाटक में 6018 वोटरों के नाम कटने और महाराष्ट्र में 6180 वोटर जोड़े जाने का हवाला देकर 'वोट चोरी पैक्ट्री' का इल्जाम लगाया। मुख्य चुनाव आयुत्त को 'वोट चोरों का सरगना' तक कह डाला। आयोग ने सफाई दी कि यह रूटीन काम है, लेकिन राहुल नहीं रुके। उन्होंने कहा, 'मैं 100 फीसदी सबूतों के साथ बोल रहा हूं। मुझे अपने देश और संविधान से प्यार है।' कांग्रेस का कहना है कि युवा उनकी ताकत हैं। भारत जोड़ो न्याय यात्रा में राहुल ने 'युवा न्याय' की बात की थी। गुजरात दौरे पर फिटनेस पर जोर दिया, जो युवा नजरिए को दिखाता है। लेकिन भाजपा इसे खतरनाक खेल बता रही। सांसद निशिकांत दुबे ने एक्स पर तंज कसा, 'जेन-जी परिवारवाद के खिलाफ है। नेहरू, इंदिरा, राजीव, सोनिया के बाद राहुल को क्यों बर्दाश्त करेगा? भ्रष्टाचार से नफरत करता है, तो यूपीए के घोटाले वैसे भूलेगा?' उनका पोस्ट वायरल हो गया। दुबे ने गृह मंत्रालय और ईडी से सैम पित्रोदा की पंडिग और राहुल के विदेश दौरों की जांच की मांग की। बोले, 'कांग्रेस विदेशी ताकतों के साथ अराजकता पैलाना चाहती है। देश छोड़ने की तैयारी करो।' वंगना रनौत ने कहा, 'नेपाल में जेन-जी ने परिवारवादी सरकार उखाड़ी। राहुल देश को शर्मिंदा करते हैं।' भाजपा प्रवत्ता प्रदीप भंडारी बोले, 'कांग्रेस की पहचान परिवारवाद और घोटाले हैं।' पूर्व सांसद सुब्रत पाठक ने तो हद कर दी, बोले, 'नेपाल जैसी व्रांति भारत में हुई तो राहुल-अखिलेश के घरों में आग लग जाएगी!' विपक्ष में शिवसेना के संजय राउत ने राहुल का साथ दिया, लेकिन चेताया, 'भारत में भी ऐसा हो सकता है, भाजपा तैयार रहे।' जेडीयू के नीरज वुमार ने जवाब दिया, 'भारत न बांग्लादेश है, न नेपाल। यहां लोकतंत्र मजबूत है।' गृह मंत्री अमित शाह बोले, 'चुनाव आयोग को बदनाम करना कांग्रेस की पुरानी चाल।' अनुराग ठावुर ने कहा, 'कांग्रेस लोकतंत्र कमजोर कर रही।' प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल के नेताओं से बात की और युवाओं को शांतिपूर्ण रास्ता अपनाने की सलाह दी। इस बवाल में सैम पित्रोदा ने और आग में घी डाला। 19 सितंबर को उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान गया, वहां घर जैसा लगा। बांग्लादेश, नेपाल में भी ऐसा ही।' भाजपा ने इसे 'देशद्रोही' बताया। शहजाद पूनावाला ने एक्स पर लिखा, 'पित्रोदा को पाकिस्तान घर जैसा लगता है? 26/11 पर नरमी, पुलवामा में पाक का साथ कांग्रेस की सोच साफ!' पित्रोदा ने राहुल के जेनजी बयान का समर्थन किया, लेकिन उनके पुराने बयान याद आ गए 1984 दंगों पर 'हुआ तो हुआ', उत्तर-पूर्व को 'चीनी-अप्रीकी' कहना, विरासत टैक्स की बात। कांग्रेस ने खुद को अलग किया, लेकिन नुकसान हो चुका। 19 सितंबर को दिल्ली यूनिवर्सिटी स्टूडेंट यूनियन (ळएळ) चुनाव में नौजवानों ने जवाब दे दिया। अभाविप ने जीत हासिल की, आर्यन मान अध्यक्ष बने। पंजाब यूनिवर्सिटी में भी अभाविप जीती। लोग बोले, 'राहुल के बयान के अगले दिन जेन-जी ने भाजपा चुनी।' बिहार चुनाव से पहले यह बवाल बड़ा है। कांग्रेस कहती है, जेन-जी पढ़ाई, नौकरी, बराबरी चाहती है। राहुल बार-बार कहते हैं, लोकतंत्र और संविधान खतरे में हैं। उनकी बात अच्छी लगती है, लेकिन सवाल है क्या वे वोटिग की बात कर रहे या सड़कों पर बवाल का इशारा दे रहे हैं? एक्स पर क्ष्0दूण्ण्दग्इमूदब ट्रेंड कर रहा, लेकिन मुंबई में क्ष्इप्दहा17 की लाइन में जेन-जी रात 2 बजे से खड़ी है। एक यूजर ने तंज मारा, 'राहुल की बात सुनी, जागे, मगर ग्इप्दहा लेने चले गए।' कांग्रेस के जमाने में सिलेंडर की लाइन थी, आज ऐपल फोन की। वेंद्र की स्किल इंडिया, विकसित भारत रोजगार योजना युवा-वेंद्रित हैं। मोदी ने 2014 में गूगल हैंगआउट पर युवाओं से बात की थी। राहुल का बयान कांग्रेस के लिए दोधारी तलवार है। वे संविधान बचाने की बात करते हैं, लेकिन नेपाल का जि सड़क आंदोलन का संकेत देता है। भारत का लोकतंत्र वोट से चलता है, आग से नहीं। श्रीलंका की तबाही, बांग्लादेश का बवाल, नेपाल का दर्द क्या राहुल भारत को उसी रास्ते ले जाना चाहते हैं? या जागरूकता पैला रहे? पित्रोदा का बयान दिखाता है, कांग्रेस पड़ोसियों से नरम, भारत से सख्त। लेकिन ळएळ ने साफ कर दिया जेन-जी तरक्की चाहती है, बवाल नहीं। राहुल जी, नौजवानों को वोट की ताकत सिखाइए। आपके परिवार ने इसी सिस्टम से सत्ता पाई। बिहार चुनाव बताएंगे, जेन-जी राहुल के साथ है या तरक्की के रास्ते पर।

देश दुनिया से

विदेशी पंडिग से बड़े पैमाने पर धर्मातरण का खेल

हाल ही में राजस्थान के अनूपगढ़ इलाके में बड़े स्तर पर धर्मपरिवर्तन का गिरोह का खुलासा हुआ है, जो हिदुओं को ईसाईं धर्म में शामिल करने का काम कर रहा है। जानकारी के मुताबिक, चेन्नई से संचालित प्रेंड्स मशीनरी प्रेयर बैंड धर्म परिवर्तन का खेल कर रहा है। इस संगठन का खुलासा उस समय हुआ, जब अनूपगढ़ के गांव 24 एपीडी के 23 वषाय युवक संदीप पुत्र राय साहब वुमार ने संगठन के इंचार्ज पौलुस बारजो और उसके दो सहयोगी पिता-पुत्र विनोद और आर्यंन के खिलाफ शादी का झांसा देकर धर्म परिवर्तन करवाने का मामला दर्ज करवाया। इससे दो सप्ताह पहले मध्यप्रदेश के सिगरौली जिले में धर्मातरण की एक बड़ी साजिश का पर्दाफाश हुआ है। यहां नवानगर थाना क्षेत्र के निगाही बस्ती में वुछ लोग 50 से ज़्यादा लोगों को पैसों का लालच देकर और हिदू देवी-देवताओं के ख़िलाफ़ आपत्तिजनक बातें कहकर धर्म परिवर्तन के लिए उकसा रहे थे। पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ़्तार किया है और 50 लोगों को चंगुल से मुत्त कराया है। इसी तरह राजस्थान के अलवर जिले में एमआईए थाना क्षेत्र के गोलेटा स्थित सैय्यद कॉलोनी में अवैध धर्मातरण का मामला सामने आया है। विश्व हिदू परिषद कार्यकर्ताओं के साथ पुलिस ने यहां दबिश देकर दो आरोपियों को हिरासत में लिया है, जिनसे पूछताछ जारी है। बता दें कि गोलेटा में एक निजी स्वूल के पीछे एक मिशनरी में 12 से 15 वर्ष की उम्र के करीब 60 बच्चे मिले। ये बच्चे गुरुग्राम और देश के अन्य कई हिस्सों से पूछताछ में सामने आया कि वहां साल से धर्मातरण का खेल चल रहा था। पुलिस को यहां बाइबिल और ईसाईं धर्म की पुस्तवें मिली। पुलिस ने अमृत और सोनू को हिरासत में लिया है। राजस्थान में धर्मातरण गिरोह के संगठन के इंचार्ज पौलुस बारजो ने हैरान करने वाले कई खुलासे किए। पौलुस बारजो ने बताया कि वह अकेला अब तक 454 हिन्दुओं का धर्म परिवर्तन करवा चुका है। पुलिस ने संगठन इंचार्ज पौलुस बारजो और आर्यंन को राउंडअप कर लिया है। पुलिस में शिकायत दर्ज करवाने वाले संदीप ने बताया कि अनूपगढ़ के रेलवे स्टेशन के पास बाइक स्पेयर पाट्र्स की दुकान के मालिक आर्यंन और उसके पिता विनोद वुमार उसके पुराने परिचित हैं। करीब एक महीने पहले वह दुकान पर बाइक का सामान लेने गया था तो बातों बातों में उन्होंने संदीप से उसकी शादी के बारे में पूछा तो उसने बताया कि उसकी शादी अभी तक नहीं हुई है। संगठन इंचार्ज पौलुस बारजो ने केवल हिदू धर्म के लोगों का ही धर्म परिवर्तन करवाया है। सीकर में भी इसी के खिलाफ वुछ दिन पूर्व धर्म परिवर्तन करवाने के आरोप में मामला दर्ज हुआ है। संदीप का कहना है कि तब आर्यंन और उसके पिता विनोद ने उसे शादी का झांसा देकर संगठन के इंचार्ज पौलुस बारजो से मिलवाया। पौलुस बारजो ने उससे कहा कि अगर तुम ईसाईं धर्म अपना लेते हो तो उनके प्रभु उस पर खुश हो जाएंगे और उसकी शादी हो जाएगी। पौलुस बारजो अपने सहयोगी आर्यंन और विनोद के साथ बहलाकर उसे प्रेम नगर की नहर पर ले गया, जहां ईसाईं धर्म की विधि के अनुसार उसे ईसाईं धर्म ग्रहण करवा दिया। ईसाईं धर्म अपनवाने के बाद इन तीनों ने अन्य हिदुओं को भी ईसाईं धर्म में लाने के लिए उसे प्रताड़ित कर रहे हैं। विश्व हिन्दू परिषद के जिलामंत्री वृष्ण राव का कहना है कि पौलुस बारजो अपने सहयोगियों के साथ मिलकर हिदुओं का धर्म परिवर्तन करवा रहा है और उनके द्वारा हिदू धर्म के देवी देवताओं के लिए निदनीय शब्दों का प्रयोग किया जा रहा है। संदीप के द्वारा हिम्मत दिखाते हुए मामला दर्ज करवाया गया है और विश्व हिदू परिषद पुलिस प्रशासन से कठोर कार्रवाई की मांग करता है। 47 वषाय पौलुस बारजो मुख्यत झारखंड के गांव कटिगगेल का निवासी है, उसने 1995 में ईसाईं धर्म अपनाया था। इसका मूल धर्म हिदू ही है। इससे पहले इसके भाई ने हिन्दू धर्म को छोड़ कर ईसाईं धर्म अपनाया है। ईसाईं धर्म अपनाने के बाद चेन्नई के एफएमपीबी में संगठन में संगठन से जुड़ने के लिए अप्लाई किया था। पौलुस बारजो से जब मीडिया ने बात की तो उसने बताया कि वहां इंटरव्यू में चयन होने के बाद संगठन ने उसे ट्रेनिग के लिए झांसी भेज दिया। एक साल की ट्रेनिग के बाद उसे सबसे पहले राजस्थान के सीकर जिले में भेजा गया। ताकि वहां जाकर वह हिदुओं का धर्म परिवर्तन करवा सके। इस तरह से पौलुस बारजो को संगठन के द्वारा 2004 से 2008 तक राजस्थान, पंजाब, हरियाणा के कईं जिलों में भेजा गया और हिदुओं के धर्म परिवर्तन करवाए गए। वह संगठन के निर्देशों पर 2008 से 2016 तक अनूपगढ़ में रहा। उसने बताया कि उसकी टीम के लोग उन लोगों को चिन्हित करते थे जो लोग गरीब असहाय या किसी बीमारी से ग्रसित हो। पौलुस बारजो टीम के साथ पीड़ित व्यक्ति के घर जाकर उन्हें बहला-पुसलाकर ईसाईं बनाने का काम करता था। पौलुस बारजो ने बताया कि संगठन के द्वारा उसे व उसकी टीम को पंडिग भी दी जाती है। उसने बताया कि संगठन के द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार, गांव दो पीजीएम और 36 जीबी में चर्च बनाया जाना है। विनोद वुमार ने साढ़े 3 लाख रुपए दिए है। इसके के लिए भूखंड खरीद चुके हैं। 2016 के बाद संगठन के निर्देशों पर वह दूसरे राज्यों में चला गया और 2021 में वापिस अनूपगढ़ आ गया। अब वर्तमान में वह अनूपगढ़ के वार्ड नंबर 14 में अपने सहयोगी आर्यंन पुत्र विनोद वुमार के घर रह रहा है। पौलुस बारजो 15 जुलाईं 2025 तक वुल 454 हिदुओ का धर्म परिवर्तन करवा चुका है। उनके संगठन की तरफ से प्रतिवर्ष एक व्यक्ति को 20 हिन्दुओं का धर्म परिवर्तन करने का टारगेट मिलता है। टारगेट पूरा करने के लिए उसने पूरे क्षेत्र यहां तक कि गांवों में भी अपने सहयोगी छोड़ रखे हैं, जिनका पूर्व में वह धर्म परिवर्तन करवा चुका है। इनमें महिलाएं भी शामिल हैं। महिलाएं आपसे में चर्चा कर ऐसे घर ढूंढती हैं, जिनमें धर्म परिवर्तन होने की संभावना रहती हैं। बातचीत में अनेक अन्य खुलासे भी हुए संगठन की तरफ से बरजो को निर्देश मिले थे, संगठन के निर्देशानुसार प्रतिदिन का हिसाब रखा जाता है। प्रार्थना सभा में कितने सदस्य आए किस प्रार्थना सभा से कितनी राशि मिली। मुख्यालय से कितनी राशि इन्हें आईं इस राशि को किस मद पर खर्च किया गया। सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि इन सभी डॉक्यूमेंट्स को उसने अपने घर नहीं रख कर किसी और के घर रखा हुआ था। संगठन की तरफ से उसे 9000 रुपए माह सैलरी, भत्ता, बच्चों के पढ़ाईं का खर्च, और भी कईं खर्च मिलते थे। आपको बता दें कि उपरोत्त मामले तो सिर्प नमूना भर है देश के कईं राज्यों में ईसाईं मिशनरियों के एजेंट साियि हैं और दबे पांव भारत के ईसाईकरण मे लगे है एक ओर गजवा ए हिन्द के जरिए इस्लामी देश पानी की तरह पैसे बहा कर देश में हिन्दू समुदाय के लोगों का धर्म परिवर्तन करने के लिए साियि हैं दूसरी ओर ईसाईं भी इस काम को अंजाम देने के लिए साियि हैं इस सब से जागरूक करने के लिए व्यापक जन जागरण की जरूरत है।

कुछ अलग

'जीवन क्या है?'

एक बार एक यात्री जंगल के मार्ग से अपने गंतव्य की ओर जा रहा था। तभी अचानक एक जंगली हाथी ने उस पर हमला किया और पैर उठाकर लगभग झपट्टा मारा। बचाव का अन्य मार्ग न देख वह अपने पहुंच में दिख रही एक बरगद के पेड़ की डाल पर लटक गया, जिसका सिरा तालाब पर झूल रहा था। अपने प्राण बचाने के लिए जब वह इधर-उधर देख रहा था, तो डाल के नीचे उसकी दृष्टि गई, वहां साक्षात मृत्यु खड़ी दिखाई दी। विकराल मगरमच्छ उस यात्री के पेड़ से नीचे गिरने की बाट जोह रहा था। भय-कम्पित निरुपाय आंखें ऊपर पेड़ पर गईं, तो देखा, शहद का एक छत्ता लटक रहा है और उससे बूंद-बूंद मधु टपक रहा है। उसके मुख में पानी आ गया।

आप का नजरिया

भारत का ही लाभ

भारत का ही लाभ इन दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी सलाहकार मंडली जुबान से तो भारत और प्राधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए मीठी-मीठी बातें तो करती हैं किन्तु कार्रवाई इस तरह की करने में व्यस्त हैं जिससे देश के हर वर्ग को प्राभावित होना पड़ता है। शुक्रवार को भी ट्रंप ने इसी दुराशय के वशीभूत होकर एक घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किया जिसके तहत एच1बी वीजा शुल्क पर एक लाख अमेरिकी डालर बढ़ा दिया है। निति रूप से ट्रंप के इस कदम से अमेरिका में काम करने वाले भारतीय पेशेवरों पर प्रतिवूल प्राभाव पड़ना तय है। व्हाइट हाउस के स्टाफ सचिव विल शार्प ने कहा कि एच1बी गैर प्रावासी वीजा कार्यव्रम देश की वर्तमान वीजा प्रणाली में सबसे अधिक दुरुपयोग की जाने वाली वीजा प्राणालियों में से एक है। दरअसल जब कोई व्यक्ति इतना ज्यादा किसी के प्रति द्वेष रखता है तो कभी-कभी उसकी नकारात्मक कार्रवाई भी लक्षित व्यक्ति, समुदाय या राष्ट्र के हित में ही साबित हो जाती है। भारत तो बहुत ही प्रातिभा पलायन के कारण कईं क्षेत्रों में पेशेवरों के टोटा होने से परेशान है। भारत में तमाम आईआईटी और एनआईटी होने के बावजूद विकासोन्मुख भारत को मेक इन इंडिया के लिए प्रौद्योगिकी के विशेषज्ञ पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल पा रहे हैं। पहले तो भारत में सुविधा न मिल पाने के कारण भारत से टेक्नालाजी संस्थानों से स्नातक की डिग्री लेकर डालर की लालच में युवक अमेरिका और दूसरे विकसित देशों में चले जाते थे किन्तु आज देश में ऐसे महत्वाकांक्षी युवाओं के लिए भारत में सुविधाओं की कमी नहीं है। निति रूप से भारतीय पेशेवरों को लक्ष्य बनाकर लागू की जाने वाली अमेरिकी वीजा नीति से अप्रात्यक्ष लाभ भारत को ही होगा क्योंकि हमारी प्रतिभा हमारे घर में ही रहेगी। भारत में आज वुशल कामगार पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हैं। यदि अमेरिका से प्रौद्योगिकी और आईटी के पेशेवर भारत वापस आ जाएं तो न सिर्प भारत में स्टार्टअप्स की बाढ़ आ जाएगी और जरूरतमंद वंपनियों को मानव संसाधन उपलब्ध हो जाएंगे बल्कि अमेरिका में जो भारतीय पेशेवर वहीं के लिए समर्पण भाव से काम कर रहे हैं, उनकी हालत दिन प्रतिदिन प्रातिभा के अभाव में संकटग्रास्त हो जाएगा। भारतीय पेशेवरों और चीन के अमेरिका में अध्ययन करने वाले छात्रों की तुलना करें तो एक हैरान करने वाला तथ्य सामने आता है कि चीनी छात्र पढ़ाई पूरी करके अपनी प्रातिभा और अनुमान का लाभ अपने देश को देने चीन चले जाते हैं किन्तु भारतीय संस्थानों में पढ़े लिखे छात्र अमेरिका को अपना ही देश मानकर जीजान से उसके विकास के लिए जुटे रहते हैं। फिर अमेरिका को वुछ दिनों या वर्षो बाद इस बात का एहसास होगा कि उनके एक राष्ट्रपति कितने नासमझ थे जिनकी वजह से भारतीय प्रातिभा से उनके देश की वंपनियां वंचित हो गईं। भारतीय इंजीनियरों, डाक्टरों और शिक्षकों ने अमेरिका को अपना देश मानकर वर्षो से जो तपस्या की है उन्हीं का परिणाम है कि आज अमेरिका हर क्षेत्र में शिखर पर है। अमेरिका को यह बात महसूस करनी चाहिए कि वह शीर्षस्थ शिखर पर पहुंच चुका है और प्रावृति का नियम यही है कि जो एक बार शीर्षस्थ हो जाता है उसका नीचे खिसकना अनिवार्य है। शीषरेन्मुखी है, उसे शीर्ष के शिखर पर पहुंचना ही है, इसलिए लगता यही है कि ट्रंप और उनके सलाहकारों ने पेशेवर प्रावासी भारतीयों के खिलाफ नीति निर्धारण करके अप्रात्यक्ष रूप से भारत को ही लाभ पहुंचाने का कार्य किया है।

निति रूप से ट्रंप के इस कदम से अमेरिका में काम करने वाले भारतीय पेशेवरों पर प्रतिवूल प्राभाव पड़ना तय है। व्हाइट हाउस के स्टाफ सचिव विल शार्प ने कहा कि एच1बी गैर प्रावासी वीजा कार्यव्रम देश की वर्तमान वीजा प्राणाली में सबसे अधिक दुरुपयोग की जाने वाली वीजा प्राणालियों में से एक है। दरअसल जब कोई व्यक्ति इतना ज्यादा किसी के प्रति द्वेष रखता है तो कभी-कभी उसकी नकारात्मक कार्रवाई भी लक्षित व्यक्ति, समुदाय या राष्ट्र के हित में ही साबित हो जाती है। भारत तो बहुत ही प्रातिभा पलायन के कारण कईं क्षेत्रों में पेशेवरों के टोटा होने से परेशान है। भारत में तमाम आईआईटी और एनआईटी होने के बावजूद विकासोन्मुख भारत को मेक इन इंडिया के लिए प्रौद्योगिकी के विशेषज्ञ पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल पा रहे हैं। पहले तो भारत में सुविधा न मिल पाने के कारण भारत से टेक्नालाजी संस्थानों से स्नातक की डिग्री लेकर डालर की लालच में युवक अमेरिका और दूसरे विकसित देशों में चले जाते थे किन्तु आज देश में ऐसे महत्वाकांक्षी युवाओं के लिए भारत में सुविधाओं की कमी नहीं है। निति रूप से भारतीय पेशेवरों को लक्ष्य बनाकर लागू की जाने वाली अमेरिकी वीजा नीति से अप्रात्यक्ष लाभ भारत को ही होगा क्योंकि हमारी प्रातिभा हमारे घर में ही रहेगी। भारत में आज वुशल कामगार पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हैं।

दृष्टि कोण

गाँव और शहर का रिश्ता कैसा हो

मनुष्य का जीवन केवल उसके व्यक्तिगत अस्तित्व तक सीमित नहीं है. वह अपने आसपास के समाज, संस्कृति और वातावरण से गहराई से जुड़ा हुआ है। मानव सभ्यता की यात्रा आरम्भ से लेकर आज तक एक लम्बा और संघर्षपूर्ण इतिहास समेटे हुए है। इस यात्रा में गाँव और शहर दोनों की अपनी-अपनी भूमिका रही है। जहाँ गाँव ने मनुष्य को जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं—अन्न, जल, आश्रय और आत्मीय संबंध—से जोड़ा, वहीं शहर ने उसे ज्ञान, तकनीक, व्यापार और आधुनिकता की राह दिखाई। इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि गाँव और शहर मानव जीवन के दो पंख हैं; यदि इनमें से एक भी कमजोर हो जाए तो समाज का संतुलन बिगड़ जाता है। भारतीय संस्कृति और इतिहास पर दृष्टि डालें तो हमें स्पष्ट दिखाई देता है कि हमारी सभ्यता की जड़ें गाँवों में ही बसी हुई हैं। प्राचीन काल में कृषि, पशुपालन और हस्तशिल्प के सहारे गाँव आत्मनिर्भर और सम्पन्न थे। यही आत्मनिर्भर गाँव भारत की असली पहचान थे। यहीं से हमारी संस्कृति, परंपराएँ और मूल्य जन्मे। यही कारण है कि महात्मा गांधी ने कहा था—"भारत की आत्मा उसके गाँवों में बसती है।" गांधीजी का यह कथन केवल भावनात्मक नहीं था, बल्कि ऐतिहासिक सच्चाई पर आधारित था। यदि हम इतिहास की गहराई में उतरें तो पाएँगे कि प्राचीन भारत में गाँव और शहर दोनों का विकास साथ-साथ हुआ। सिन्धु घाटी सभ्यता के मोहनजोदड़ो और हड़प्पा जैसे नगर व्यापार और योजना का उदाहरण हैं, जबकि उनके चारों ओर बसे गाँव कृषि और पशुपालन के केंद्र थे। यही संतुलन भारत को समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाता था। वैदिक काल में भी अधिकांश लोग गाँवों में रहते थे और कृषि ही मुख्य आजीविका थी। गाँवों की संरचना उस समय इतनी सुदृढ़ थी कि वे अपने भीतर छोटे-छोटे गणराज्यों के रूप में कार्य करते थे। परंतु समय के साथ जब साम्राज्यों का विस्तार हुआ और व्यापार का महत्व

बढ़ा तो नगर और महानगर भी फलने-फूलने लगे। मगध, पाटलिपुत्र, तक्षशिला, वाराणसी, उज्जैन जैसे नगर अपने समय में शिक्षा और व्यापार के प्रसिद्ध केंद्र बने। फिर भी गाँवों की भूमिका कभी कम नहीं हुई। नगरों को आवश्यक अनाज, दूध, कपड़ा, लकड़ी, धातु आदि सब कुछ गाँवों से ही मिलता था। इस प्रकार गाँव और शहर का संबंध एक-दूसरे के पूरक का था, न कि प्रतिस्पर्धी का। मध्यकालीन भारत में जब दिल्ली सल्तनत और मुग़ल साम्राज्य का उदय हुआ, तब भी गाँवों की संरचना बनी रही। किसान अपने खेतों में अनाज उपजाते और शहरी बाज़ारों को आपूर्ति करते। गाँवों का समाज जातियों और पेशों में बँटा हुआ था, लेकिन वह सामूहिकता और आत्मनिर्भरता से सम्पन्न था। गाँवों की यह सामूहिकता ही उनकी सबसे बड़ी ताक़त थी। औपनिवेशिक काल में अंग्रेज़ों ने भारत के गाँवों और शहरों की इस संरचना को गहरा आघात पहुँचाया। उन्होंने गाँवों से अनाज और कच्चा माल निकाला और शहरों में अपने कारख़ानों के लिए मजदूर तैयार किए। परिणामस्वरूप गाँव धीरे-धीरे निर्धन होते गए और शहर उपनिवेशवादी शोषण के केंद्र बन गए। यही वह दौर था जब गाँव और शहर के बीच का संतुलन टूटने लगा। किसान कर्ज़ में डूबने लगे, गाँवों की आत्मनिर्भरता ख़त्म होने लगी और शहरों में अमीरी-गरीबी का अंतर गहराने लगा। यही कारण था कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान गांधीजी ने बार-बार गाँवों की ओर लौटने की बात की। गांधीजी के अनुसार भारत का पुनर्निर्माण तभी संभव है जब उसके गाँव आत्मनिर्भर और मजबूत हों।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

सफलता क़रीब होने के बावजूद आपकी ऊर्जा के स्तर में गिरावट आएगी। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। आपको पहली नज़र में किसी से प्यार हो सकता है। सही दिशा में ईमानदारी से उठाए गए क़दम निश्चित तौर पर लाभ देंगे। अपने व्यक्तित्व और रंग-रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी। अपने जीवनसाथी के साथ आप प्यार और रुमानियत से भरे पुराने दिन एक बार फिर जी पाएंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका आत्मविश्वास और ऊर्जा का स्तर ऊँचा रहेगा। बिना विचार किये आपको किसी को भी अपना पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो आपको आने वाले वक्त में बड़ी परेशानी है सकती है। दोस्त और क़रीबी लोग मदद के लिए आपकी ओर हाथ बढ़ाएंगे। आज अपने प्रिय से दूर होने का दु:ख आपको टीस देता रहेगा। थोड़ा-सा मोलभाव और चतुरता काफ़ी फ़ायदा पहुँचा सकती है। ऐसे लोगों से जुड़ने से बचें जो आपकी प्रतिष्ठा को आघात पहुँचा सकते हैं। आपकी व्यस्त दिनचर्या के चलते आपका जीवनसाथी आपके ऊपर शक़ कर सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

अपने स्वास्थ्य को नज़रअन्दाज़ न करें आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। घर के किसी सदस्य के व्यवहार की वजह से आप परेशान रह सकते हैं। आपको उनसे बात करने की जरुरत है। नए प्रेम-संबंधों के बनने की संभावना ठोस है, लेकिन व्यक्तिगत और गोपनीय जानकारियों को उजागर करने से बचें। दफ़्तर में स्नेह का माहौल बना रहेगा। आज इस राशि के कुछ छात्र लेपटॉप या टीवी पर कोई मूवी देखकर अपना कीमती समय जाया कर सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

सफलता क़रीब होने के बावजूद आपकी ऊर्जा के स्तर में गिरावट आएगी। अपने गुस्से पर काबू रखें और ऑफिस में सबके साथ ढ़ग से व्यवहार करें अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपकी जॉब जा सकती है और आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। आपके बॉस किसी भी बहाने में दिलचस्पी नहीं ज़ाहिर करेंगे- इसलिए निगाहों में बने रहने के लिए अपना काम अच्छी तरह से करें। जो लोग बीते कुछ दिनों से काफी व्यस्त थे उन्हें आज अपने लिए फुर्सत के पल मिल सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। नाती-पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। लेकिन आज वह दिन है जब आप अगर चाहें तो यह ख़ुद महसूस कर सकते हैं। आज आपकी दृढ़ता और लगन सफलता हासिल करेंगे, क्योंकि आप लक्ष्य भेदने में क़ामयाब रहेंगे। हालाँकि सफलता के नशे को सिर पर न चढ़ने दें और ईमानदारी से कड़ी मेहनत जारी रखें। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। वैवाहिक जीवन में स्नेह को दिखलाने का अपना महत्व है और इस चीज़ का अनुभव आज आप करेंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। बच्चों की उनसे जुड़े मामलों में मदद करना आवश्यक है। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल-जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। किसी वजह से आज आपके ऑफिस में जल्दी छुट्टी हो सकती है इसका आप फायदा उठाएंगे और अपने परिवार के लोगों के साथ कहीं घूमने जाएंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

माता-पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में क़ामयाब रहेंगे। यह वक़्त इस बात को समझने का है कि गुस्सा छोटा-पागलपन है और यह आपको बारी नुक़सान की तरफ़ धकेल सकता है। अपने प्रिय की ईमानदारी पर शक न करें। कार्यक्षेत्र में आपको कुछ सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। ऐसे लोगों से जुड़ने से बचें जो आपकी प्रतिष्ठा को आघात पहुँचा सकते हैं। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन ऐसी चीज़ों पर काम करने की ज़रूरत है, जो आपकी सेहत में सुधार ला सकती हैं। दिन भर भले ही आप धन को लेकर जूझते रहें लेकिन शाम के वक्त आपको धन लाभ हो सकता है। घर वालों के साथ समय बिताना ख़ुशनुमा अनुभव रहेगा। आपको कार्यक्षेत्र में अच्छे फल पाने के लिए अपने काम करने के तरीके पर गौर करने की जरुरत है नहीं तो आप बॉस की नजरों में आपकी नकारात्मक छवि बन सकती है। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कुछ बेहतरीन पल गुज़ार सकेंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ख़ुश हो जाएँ क्योंकि अच्छा समय आने वाला है और आप स्वयं में अतिरिक्त ऊर्जा का अनुभव करेंगे। आर्थिक तौर पर सुधार के चलते आप आसानी से काफ़ी वक़्त से लंबित बिल और उधार चुका सकेंगे। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना दे। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

जीवन-साथी की सेहत को ठीक तरह से ध्यान दिए जाने और देखभाल की जरूरत है। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। कोई चिट्ठी या ई-मेल पूरे परिवार के लिए अच्छी ख़बर लाएगी। सारी दुनिया की मदहोशी उन ख़ुशनसीबों के बीच सिमट जाती है, जो प्यार में हों। नई चीज़ों को सीखने की आप मे ललक बढेगी । आपका चुम्बकीय और ज़िन्दादिल व्यक्तित्व आपको सबके आकर्षण का केन्द्र बना देगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। शाम के समय कुछ हँसी-ख़ुशी भरा वक़्त अपने बच्चों के साथ गुज़ारें। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। कामकाज के मोर्चे पर आपकी कड़ी मेहनत ज़रूर रंग लाएगी। आपका खाली वक्त आज किसी गैरजरुरी काम में खराब हो सकता है। वैवाहिक जीवन को अधिक सुखमय बनाने के आपके प्रयास उम्मीद से ज़्यादा रंग लाएंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। आपके व्यक्तिगत जीवन में कुछ महत्वपूर्ण घटित होगा, जो आपके और आपके परिवार के लिए प्रसन्नता लेकर आएगा। आज के दिन अपने प्रिय की भावनाओं को समझें। सहकर्मियों के साथ काम करते वक़्त युक्ति और चतुरता की ज़रूरत होगी। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर, गुरुद्वारे या किसी भी धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 22 सितंबर 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष
तिथि : प्रतिपदा रात्रि 02:57 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी प्रात: 11:24 तक
योग : शुक्ल रात्रि 07:58 तक
करण : किंस्तुघ्न दोपहर 02:08 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 06:05, सूर्यास्त 06:12 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:15 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:08 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:03 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :- शारदीय नवरात्र आरंभ, अग्रसेन जयंती ,मातामह श्राद्ध

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, तेलंगाना.9246159232,
Chidamber011@gmail.com

एक और क्रिकेट युद्ध में पाकिस्तान परास्त

अभिषेक शर्मा-शुभमन गिल के दम पर भारत ने 6 विकेट से रौंद डाला

दुबई, 21 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 के एक ऐतिहासिक मुकाबले में भारतीय क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को 6 विकेट से करारी शिकस्त दी। जिस अंदाज में भारत ने पाकिस्तान को धूल चटाई, वह बिल्कुल 'हम सिर्फ मारेंगे नहीं, घसीटेंगे भी' वाले फिल्मी डायलॉग की तरह था। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 171 रनों का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया, लेकिन भारतीय ओपनरों की विस्फोटक बल्लेबाजी ने इसे बौना साबित कर दिया।

अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल का धमाकेदार प्रदर्शन

टीम इंडिया के दो बचपन के यार, शुभमन गिल (47 रन) और अभिषेक शर्मा (74 रन) ने दुबई स्टेडियम में ऐसा जलवा दिखाया कि दर्शक भी उस 'हीट वेव' को महसूस कर रहे थे। भारतीय टीम ने 18.5 ओवरों में ही लक्ष्य हासिल कर लिया, जिससे यह साबित हो गया कि पाकिस्तान की क्रिकेट भारत से कई सालों पीछे है। भारत के लिए विजयी शॉट तिलक वर्मा (19 गेंद, 2 चौके और 2 छक्के, नाबाद 30 रन) ने 19वें ओवर की 5वीं गेंद पर शाहीन अफरीदी को चौका जड़कर लगाया।

युवराज सिंह के शिष्य अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल ने पारी का आगाज किया। पिछले मैच की तरह, अभिषेक शर्मा ने पहली ही गेंद पर बाउंड्री से शुरुआत की। पिछली बार शाहीन को चौका पड़ा था, इस बार प्रमोशन के साथ अभिषेक ने छक्का जड़कर स्वागत किया। इसके बाद तो बाउंड्री की बौछार कर दी। शाहिद अफरीदी के दामाद (शाहीन अफरीदी) को यह कुटाई पसंद नहीं आई तो उन्होंने कुछ कहा, जिस पर अभिषेक ने आँखों ही आँखों में बता दिया 'उलझो मत'।

अभिषेक ने तोड़ा गुरु युवराज का रिकॉर्ड, गिल का शानदार साथ

देखते ही देखते, 8वें ओवर में अभिषेक शर्मा ने मात्र 24 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा करते हुए अपने गुरु युवराज सिंह का पाकिस्तान के खिलाफ 29 गेंदों में सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड तोड़ दिया। दूसरी ओर, शुभमन गिल ने मैदानी शॉट्स खेलते हुए अपने बचपन के दोस्त का बखूबी साथ दिया। भारत ने 10 ओवर से पहले ही 100 रनों का आंकड़ा पार कर लिया। गिल 28 गेंदों में 8 चौके की मदद से 47 रन बनाकर फहीम अशरफ की एक गेंद पर आउट हुए। उन्होंने और अभिषेक शर्मा ने 105 रनों की बेहतरीन साझेदारी की। हालांकि, कप्तान सूर्यकुमार यादव खाता नहीं खोल सके और हारिस रऊफ की गेंद पर आउट हुए।

अभिषेक शर्मा शतक के करीब थे, लेकिन अबरार अहमद को छक्का उड़ाने के चक्कर में कैच थमा बैठे। उन्होंने 39 गेंदों में 6 चौके और 5 छक्कों के दम पर 74 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। इसके बाद तिलक वर्मा और संजू सैमसन ने मोर्चा संभाला। भारत जीत के करीब था, तभी संजू को रऊफ ने क्लीन बोल्ड कर दिया। वह 17 गेंदों में 13 रन बनाकर आउट हुए। पाकिस्तान के लिए अबरार अहमद को 4 ओवर में 42 रन पड़े, जबकि शाहीन अफरीदी ने 3.5 ओवरों में 40 रन दिए।

पाकिस्तान की पारी: फरहान का अर्धशतक और दुबे की दो विकेट

इससे पहले, सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान के अर्धशतक से पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ 5 विकेट पर 171 रन बनाए। फरहान ने 45 गेंद में पांच चौकों और तीन छक्कों की मदद से 58 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने सैम अयूब (21) के साथ दूसरे विकेट के लिए 72 रन की साझेदारी भी की। मोहम्मद नवाज (21) और फहीम अशरफ (नाबाद 20) ने भी उपयोगी योगदान दिया। भारत की तरफ से शिवम दुबे ने 33 रन देकर दो विकेट चटकाए, जबकि हार्दिक पंड्या (29 रन पर एक विकेट) और कुलदीप यादव (31 रन पर एक विकेट) ने एक-एक विकेट हासिल किया। जसप्रीत बुमराह महंगे साबित हुए और उन्होंने चार ओवर में 45 रन लुटाए। फहीम मो ने 4 ओवर में 31 रन खर्च किए और एक विकेट लिया।

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। फरहान मैच की तीसरी ही गेंद पर भाग्यशाली रहे, जब पंड्या की गेंद पर थर्डमैन पर अभिषेक शर्मा ने उनका कैच टपका दिया। फखर जमां (15) ने बुमराह पर लगातार दो चौके जड़कर अपने तेवर दिखाए और हार्दिक की गेंद को भी बाउंड्री के दर्शन कराए। हालांकि, वह अगली गेंद पर विकेटकीपर संजू सैमसन को कैच दे बैठे।

अयूब अगले ओवर में भाग्यशाली रहे, जब वरुण चक्रवर्ती की गेंद पर कुलदीप उनका आसान कैच लपकने में नाकाम रहे। फरहान ने बुमराह पर दो और चौके मारे, जिससे पाकिस्तान ने पावरप्ले में एक विकेट पर 55 रन बनाए। फरहान ने अक्षर पर छक्के के साथ 34 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। दुबे ने अयूब को अभिषेक के हाथों कैच कराके इस साझेदारी को तोड़ा। बाउंड्री के सूखे के बीच हुसैन तलत (10) कुलदीप की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में शॉर्ट थर्डमैन पर चक्रवर्ती को कैच दे बैठे। फरहान भी दुबे की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में मिडऑफ पर सूर्यकुमार को कैच थमा बैठे। मोहम्मद नवाज रन आउट हुए। फहीम अशरफ ने आते ही बुमराह पर छक्का जड़ा और 19वें ओवर में टीम का स्कोर 150 रन के पार पहुंचाया।

टॉस के समय सूर्यकुमार और उनके पाकिस्तानी समकक्ष सलमान आगा ने हाथ नहीं मिलाए, जैसा कि लीग मैच में भी हुआ था। जिम्बाब्वे के एंडी पायक्रॉफ्ट मैच रेफरी के रूप में बरकरार थे और टॉस के समय मौजूद थे। दोनों कप्तानों ने अपनी-अपनी टीम की शीट पायक्रॉफ्ट को सौंपी, जिन्होंने टॉस से पहले कप्तानों के साथ शीट का आदान-प्रदान किया।

चीन में बिली जीन कप किंग कप सेमीफाइनल

चीन में बिली जीन कप किंग कप सेमीफाइनल में खेलती हुई अमेरिका की महिला टेनिस खिलाड़ी जेसिका पैगुला।

मिथुन मन्हास बन सकते हैं नये बीसीसीआई अध्यक्ष

मुम्बई,21 सितंबर (एजेंसियां) । **दिल्ली क्रिकेट टीम के कप्तान रहे मिथुन मन्हास भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नय अध्यक्ष बन सकते हैं। मन्हास अगर अध्यक्ष बनते हैं तो वह वह इस पद पर पहुंचने वाले पहले अनकैप्ड क्रिकेटर होंगे। 45 साल के मन्हास का नाम बोर्ड अध्यक्ष के लिए बीसीसीआई की आम बैठक में सामने आया है। बोर्ड अध्यक्ष के लिए नामांकन जमा करने की अंतिम तारीख रविवार है और इसके लिए चयन 28 सितंबर को होगा। पिछले कुछ साल से बोर्ड अध्यक्ष पूर्व क्रिकेटर बनते आये हैं।**

साल 1997/98 सत्र से मन्हास का करियर शुरु हुआ था। वह मध्यक्रम के बल्लेबाज रहे हैं। राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर, वीवीएस लक्ष्मण और सौरव गांगुली जैसे दिग्गजों के दौर में उन्हें अवसर नहीं मिल पाया पर घरेलू क्रिकेटर में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। वीरेंद्र सहवाग और गौतम गंभीर के राष्ट्रीय टीम में रहने के कारण मन्हास ने घरेलू क्रिकेट में अधिकतर समय दिल्ली टीम की कप्तानी की है।

मन्हास ने साल 2007/08 सत्र में दिल्ली की टीम की ओर से रणजी में 57.56 की औसत से 921 रन बनाए। साल. 2015 में उन्होंने दिल्ली से जम्मू और कश्मीर के लिए रणजी ट्रॉफी खेलनी शुरुआ की। थे. क्रिकेट के अवसरों की तलाश में बाद में राजधानी शहर में चले गए.

इस क्रिकेटर ने कुल मिलाकर 157 फर्स्ट क्लास मैच खेले जिसमें 9714 रन बनाए 45 से अधिक की औसत से 27 शतक लगाए। इनमें से 8554 रन 206 रणजी ट्रॉफी पारियों में बनायेहैं। उन्होंने 130 लिस्ट ए मैच भी खेले जिसमें 4126 रन बनाए और 91 टी20 मैच खेले जिसमें दिल्ली के लिए 1170 रन बनाए। मन्हास ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में तीन फ्रेंचाइजी की ओर से भी खेल है। . उन्होंने अपने करियर की शुरुआत दिल्ली डेयरडेविल्स से की जहां उन्होंने 2008 से 2010 के बीच खेला। वहीं वह साल 2011 से 2013 के बीच अब-पुणे वॉरियर्स में चले गए। उन्होंने 2014 में चेन्नई सुपर किंग्स में एमएस धोनी की कप्तानी में खेला। सात सत्र में लीग में 55 मैचों में उन्होंने 22.34 की औसत से 514 रन बनाए। 2017 में वह पंजाब के सहायक कोच बने। वहीं बांग्लादेश अंडर-19 टीम के बल्लेबाजी सलाहकार के अलावा आरसीबी और गुजरात टाइटंस में सहायक कोच की जिम्मेदारी संभाली है।

दिव्यम क्रिकेट अवाड्र्स : दिव्यांग क्रिकेटरों का सम्मान

जयपुर, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दिव्यांग क्रिकेटरों के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, ऊळष-षशीशपींश्रू -लश्रशव उीळलज्ञशीं ऊेंपलळश्र ष खपवळर (डीसीसीआई) ने ठरक्षरींहरप ऊळीरलश्रशव उीळलज्ञशीं -ीेलळरींळेप (आरडीसीए के सहयोग से जयपुर के होटल क्लार्क्स आमेर में पहली बार दिव्यम क्रिकेट अवाड्र्स-2025 का सफल आयोजन किया।

यह पहला अवसर था जब दिव्यांग क्रिकेटरों, कोचों, प्रशासकों और समर्थकों के उत्कृष्ट योगदान और उपलब्धियों को औपचारिक रूप से सम्मानित किया गया। इस समारोह का उद्देश्य सिर्फ खेल में उत्कृष्टता को पहचानना नहीं, बल्कि उन खिलाड़ियों के अदम्य साहस, लचीलेपन और समावेशी भावना का जश्न मनाना भी था जो क्रिकेट के माध्यम से समाज को प्रेरित कर रहे हैं। इस आयोजन को भारतीय खेलों में दिव्यांग क्रिकेट को पहचान दिलाने और भविष्य की पीढ़ियों के लिए इसकी नींव को मजबूत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद और युवा मामलों के अध्यक्ष श्री नीरज के. पवन थे। विशिष्ट अतिथियों में आरसीए की तदर्थ समिति के संयोजक श्री डी. डी. कुमावत और डीसीसीआई के सचिव विकांत चौहान शामिल थे।

श्री नीरज के. पवन और श्री डी. डी. कुमावत ने घोषणा की कि भारत-इंग्लैंड मिक्स डिसएबिलिटी क्रिकेट सीरीज की मेजबानी जयपुर करेगा। उन्होंने दिव्यांग क्रिकेट के विकास और पहचान के लिए अपने पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।

डीसीसीआई के सचिव श्री रविकांत चौहान ने कहा कि जल्द ही दिव्यांग क्रिकेट के लिए एक व्यवस्थित और सुनियोजित ढांचा लागू किया जाएगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि खिलाड़ियों को वित्तीय स्थिरता और पेशेवर पहचान सुनिश्चित करने के लिए दिव्यांग क्रिकेटरों के लिए वेतन जल्द ही शुरू होगा।

विजेता खिलाड़ियों में-

रवींद्र पाटिल (मुंबई) – लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड
गुरुदास राउत (विदर्भ) – विशेष योगदान पुरस्कार
विक्रांत केनी (मुंबई) – प्लेयर्स चॉइस (लोकप्रिय खिलाड़ी)
राजेश कन्नूर (कर्नाटक) – ऊ्रउख प्लेयर ऑफ द ईयर
शिवशंकर (कर्नाटक) – आइकॉनिक प्लेयर अवार्ड
सुरेंद्र खोरवाल (राजस्थान) – सर्वश्रेष्ठ अद्भुत खिलाड़ी
आदिल नांसोला (गुजरात) – राइजिंग स्टार ऑफ द ईयर
अनवर अली (उत्तर प्रदेश) – सर्वश्रेष्ठ जूनियर खिलाड़ी
चंद्रभान गिरी (हैदराबाद) – सर्वश्रेष्ठ कोच

विशेष सम्मान पुरस्कारों में- श्री नितिनेंद्र सिंह (बड़ौदा) – लाइफटाइम कंट्रीब्यूशन अवार्ड (दिव्यांग क्रिकेट और समावेश), दिव्यांग क्रिकेट विकास पुरस्कार: आदिश्वर जैन (मुंबई), दीपेन गांधी (गुजरात), गिरीश शेवते (महाराष्ट्र), उत्तपाल मजुमदार (पश्चिम बंगाल)ए नेतृत्व और प्रेरणा पुरस्कार – जयपुरिया क्रिकेट अकादमी (रोहित झालानी, राजस्थान), ग्रासरूट दिव्यांग क्रिकेट विकास पुरस्कार – विदर्भ दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन, विशेष सम्मान (प्रायोजन, बुनियादी ढांचा और जागरूकता) – राजेश भारद्वाज (नोएडा),

सर्वश्रेष्ठ जोनल समन्वयक – मधुसूदन नाइक (दक्षिण क्षेत्र), पावर प्ले सपोर्ट अवार्ड – संजय सिंह तोमर (मध्य प्रदेश), सर्वश्रेष्ठ प्रशासक पुरस्कार – धीरज हरदे (विदर्भ), राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ टीम – जम्मू और कश्मीर और वर्ष का सर्वश्रेष्ठ संघ – छत्तीसगढ़ दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन शामिल हैं।

डीसीसीआई ने कहा, यह पहली बार है कि दिव्यांग क्रिकेटरों को औपचारिक रूप से सम्मानित करने के लिए दिव्यम क्रिकेट अवाड्र्स का आयोजन किया गया है। आने वाले समय में ये पुरस्कार हर साल दिए जाएंगे। हमारा मानना है कि यह पहल समाज में दिव्यांग खिलाड़ियों की प्रतिष्ठा को और बढ़ाएगी। उन्होंने आगे कहा, दिव्यम क्रिकेट अवाड्र्स केवल उपलब्धियों के बारे में नहीं हैं, बल्कि साहस, लचीलेपन और समावेशिता का उत्सव हैं। यह ऐतिहासिक कदम आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा और भारत में दिव्यांग क्रिकेट के लिए एक मजबूत नींव प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित किया

पूर्वजों के संकल्प और भावी पीढ़ी की आकांक्षाएं पूरी हों

गोरखपुर, 21 सितंबर (एजेंसियां)

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रबुद्ध वर्ग समाज को नेतृत्व देने वाला तबका है, जो अपनी प्रतिभा के बल पर समाज को नेतृत्व देने का सामर्थ्य रखते हैं।

बुद्धिजीवी तबका समाज को नेतृत्व देने के लिए उठ खड़ा होता है तो दुनिया की कोई भी ताकत उस देश व समाज को आगे बढ़ने से रोक नहीं सकती। सीएम ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में पीएम मोदी ने देशवासियों का आह्वान किया कि शताब्दी महोत्सव (2047) में कैसा भारत चाहते हैं। यह भारत पूर्वजों के संकल्पों, वर्तमान के सपनों व भावी पीढ़ी की आकांक्षाओं की पूर्ति करने वाला और आत्मनिर्भर व विकसित हो। सीएम ने कहा कि स्वार्थी व विभाजनकारी राजनीति से उठकर विकास के एजेंडे को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। नौजवान, बुजुर्ग, नौकरी-पेशा, श्रमिक, किसान, व्यापारी, महिला हो या पुरुष, सभी के बीच यह चर्चा-परिचर्चा का विषय बनना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत रविवार को भाजपा महानगर द्वारा आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित किया। सीएम ने कहा कि समारोह में मौजूद बुद्धिजीवियों से अपील की कि अलग-अलग संस्थानों को इसका केंद्र बिंदु बनाएं। विजन डॉक्यूटमेंट में लोगों से चर्चा-परिचर्चा करें और उनके सुझावों को आमंत्रित करें। अच्छे सुझाव को विजन डॉक्यूमेंट में स्थान देंगे। जनपद स्तर पर आए तीन और प्रदेश के पांच बड़े सुझाव को सम्मानित करेंगे।

सीएम योगी ने कहा कि भारत तब विकसित बनेगा, जब उत्तर प्रदेश विकसित होगा। यूपी तब विकसित होगा, जब गोरखपुर, एक-एक गांव और कस्बा विकसित होगा। स्वयं को उसके अनुरूप बनाना होगा। सीएम ने वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बसु से जुड़ा वृत्तांत सुनाया। कहा कि उन्होंने दो पेड़ लगाए, समान परिस्थितियां व खाद-पानी दिया, लेकिन दोनों के प्रति उनके व्यवहार में अंतर था। एक पेड़ को पुचकारते थे कि वह आगे बढ़ेगा। वंश में वृद्धि होगी। दूसरे को दुत्कारते थे कि तेरा नाम मिट जाएगा। दोनों पौधे एक समान परिस्थिति में पले-बढ़े, समान सुविधाएं मिलीं, लेकिन व्यवहार का अंतर रहा। जिसे वे पुचकारते थे, वह बड़ा होकर फलने-फूलने लगा, जिसे दुत्कारते थे वह नष्ट हो गया। सीएम ने कहा कि भारत की गुलामी का एक कारण यह भी रहा है कि हमने अपने बंधु-बांधवों के साथ भेदभाव किया। जातीय वैमनस्यता के आधार पर सामाजिक एकता को छिन्न-भिन्न किया। उसका दुष्परिणाम सैकड़ों वर्ष तक देश को हम सबको भुगतना पड़ा।

सीएम ने कहा कि भेदभाव समाज ने किया, लेकिन गुलामी की मानसिकता पूरे देश को झेलनी पड़ी। गुलामी की मानसिकता अपनापन, वैभव व गौरव भूल जाती है और विरासत को विस्मृत कर देती है। भारत के साथ भी यही हुआ है। यहां के लोगों ने मान लिया कि जो भारत का है, वह पिछड़ेपन का प्रतीक है। हम लोगों ने संस्कृत की जगह इंग्लिश मान लिया। भारत के राष्ट्रीय महापुरुषों की जगह विदेशी हीरो, सर्वश्रेष्ठ ग्रंथों की जगह विदेशी ग्रंथ, भारत के लेखकों के मौलिक कृति की जगह किसी विदेशी लेखक की कृति, विरासत में प्राप्त महत्वपूर्ण तथ्य की जगह विदेशी अच्छा है, यह भाव हर भारतीय के मन में भर दिया गया। यह देश गुलामी की मानसिकता में जीता रहा।

सीएम योगी ने कहा कि ऐसा कभी नहीं हुआ कि देश पर हमले होते थे और भारत चुप रहता था, लेकिन एकता का अभाव था। हर कालखंड में भारत ने प्रतिकार किया, लेकिन ताकत बंटी हुई थी। सुहेलदेव को इतिहास ने गायब कर दिया। उन्होंने एक हजार वर्ष पहले विदेशी आक्रांता सालार मसूद को नाकों चने चबवाया। सालार मसूद को लोहे के कड़ाहे पर खड़ा करके जिंदा जला दिया था और उसके दोनों सैनिक से कहा था कि अपने देश में बता देना कि गाजी को क्या सजा मिली है। इससे 150 वर्ष तक कोई भारत पर हमला करने का दुस्साहस नहीं कर पाया।

सीएम योगी ने कहा कि पृथ्वीराज चौहान, राणा सांगा, महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी, सिख गुरु आदि ने शौर्य व पराक्रम दिखाया। आजादी के लिए भारत लड़ सके, इसके लिए सबसे पहले स्वदेशी ने एकजुटता का प्रदर्शन किया था। पहले आर्यसमाज, फिर स्वाधीनता आंदोलन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आगमन के बाद स्वदेशी ने नई हुंकार भरी थी। कुछ ही दशकों में भारत स्वतंत्र हो गया, लेकिन स्वतंत्र भारत का भाव क्या होना चाहिए, दुर्भाग्य से यह तय नहीं हो पाया। जिन महापुरुषों को यह तय करना था, वे आजादी के कुछ समय बाद चल बसे। नेताजी सुभाष चंद्र बोस को आजादी के कुछ समय पहले ही परिदृश्य से गायब कर दिया गया। सरदार पटेल, श्यामा प्रसाद मुखर्जी समेत सभी महापुरुषों का निधन हो गया।

सीएम योगी ने 2014 के पहले और बाद के भारत का जिक्र किया। 1947-50 से 2014 तक भारत 11वीं अर्थव्यवस्था बन पाया। 2014 से अब तक चौथी अर्थव्यवस्था बन गया। इस वित्तीय वर्ष के अंत तक भारत तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएगा यानी तीन इकोनॉमिक पावर अमेरिका, चीन व भारत ही होगा। 2014 के बाद से प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हुई। हाईवे, मेट्रो, रेलवे, एम्स, आईआईटी, आईआईएम, ट्रिपल आईटी, केंद्रीय विश्वविद्यालय गठित हुए। शिक्षा व स्वास्थ्य के विश्व स्तरीय केंद्र विकसित हुए। भारत ने नए युग में प्रवेश करते हुए हर क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास भी किया।

सीएम ने कहा कि भारत पिछले साढ़े पांच वर्ष से 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन दे रहा है। 1977 से 2017 तक इंसेफेलाइटिस के कहर से तड़पते और मरते बच्चों का जिक्र किया। बोले कि 1905 में जापान ने इंसेफेलाइटिस की वैक्सीन बनाई, लेकिन भारत आने में उसे 100 वर्ष लगे। 2017 में यूपी में जब भाजपा सरकार बनी तो यह बीमारी आज समाप्त हो गई। आज हर परिवार में पर्व का उमंग और नई सुबह का इंतजार करता है। 2014 तक देश में केवल 74 एयरपोर्ट बन पाए थे, आज इनकी संख्या 160 हो गई। एम्स पहले 7 थे, आज 23 हो गई। 450 केंद्रीय विश्वविद्यालय व इंस्टीट्यूट बने हैं। देश में 230 किमी. से बढ़कर 1050 से अधिक किमी. की मेट्रो लाइन बिछ चुकी है। सीएम ने 11 वर्ष में वेलफेयर स्कीम का भी जिक्र किया।

सीएम ने कहा कि यूपी में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर का काम सफलतापूर्वक बढ़ रहा है। ब्रह्मोस मिसाइल लखनऊ में बन रही है। यह दुश्मन पर प्रहार करती है। ड्रोन यूपी में बने हैं। स्पेस टेक्नोलॉजी का क्या स्थान हो सकता, इस पर काम हो रहा है। पिछले दिनों मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विवि के दीक्षांत समारोह में इसरो के चेयरमैन भी आए थे। यूपी सरकार उनके साथ मिलकर कार्य कर रही है। आकाशीय बिजली से होने वाली मौतों को रोकने के लिए क्या यूपी सरकार सेटेलाइट लांच कर सकती है। स्पेस टेक्नोलॉजी आज वहां तक पहुंच चुकी है, जहां से बैठे-बैठे वह जमीन के एक-एक इंच का चित्र दे देगा। तस्करी, इल्लीगल माइनिंग तक वह बता देगा। सुरक्षा कारणों से इसमें समय लगेगा। जनहानि रोकने के लिए आकाशीय बिजली चुनौती है।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी, सांसद रवि किशन, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक विपिन सिंह, प्रदीप शुक्ल, विधान परिषद सदस्य डॉ. धर्मेंद्र सिंह, गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन, पूर्व कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी, महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय आदि मौजूद रहे।

भगवान बुद्ध के अवशेषों की घर वापसी से यूपी का बढ़ा गौरव

लखनऊ/नई दिल्ली, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश एक बार फिर वैश्विक बौद्ध धरोहर के केंद्र में आ गया है। 127 वर्षों बाद पवित्र पिपरहवा अवशेष, जो सिद्धार्थनगर जिले के पिपरहवा स्तूप से 1898 में खोजे गए थे, भारत वापस लौट आए हैं। औपनिवेशिक काल में विदेश ले जाए गए ये अवशेष मई 2025 में हांगकांग की एक अंतरराष्ट्रीय नीलामी में रखे गए थे। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय और गॉदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप के संयुक्त प्रयास से नीलामी रुकवाई गई और 30 जुलाई 2025 को इन्हें भारत वापस लाया गया।

पिपरहवा अवशेषों की वापसी सिर्फ भारत की नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की भूमि के उस गौरवशाली इतिहास की पुनः स्थापना है, जिसने भगवान बुद्ध की शिक्षाओं से पूरी दुनिया को आलोकित किया। इन अवशेषों का सार्वजनिक प्रदर्शन शीघ्र ही आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन उत्तर प्रदेश को वैश्विक बौद्ध धरोहर का केंद्र बनाने और राज्य की सांस्कृतिक पर्यटन संभावनाओं को नई ऊंचाई देने वाला साबित होगा।

सिद्धार्थनगर का पिपरहवा स्तूप, जहां भगवान बुद्ध के अवशेष खोजे गए; वाराणसी का सारनाथ, जहां उन्होंने प्रथम उपदेश दिया और कुशीनगर, जहां उन्होंने महापरिनिर्वाण प्राप्त किया-यह पावन त्रिकोण उत्तर प्रदेश को विश्वभर के करोड़ों बौद्ध श्रद्धालुओं के लिए सबसे बड़ा और अद्वितीय तीर्थस्थल बनाता है। उत्तर प्रदेश की पावन धरती भगवान बुद्ध की तपोभूमि है। पिपरहवा अवशेषों की घर वापसी न केवल भारत की सांस्कृतिक शक्ति का प्रमाण है, बल्कि यह उत्तर प्रदेश की ऐतिहासिक महत्ता को भी पुनः स्थापित करती है। यह प्रदेश आज भी पूरी दुनिया को शांति, करुणा और सहअस्तित्व का संदेश देता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 127 वर्षों बाद भगवान बुद्ध के पवित्र पिपरहवा अवशेषों की भारत वापसी का स्वागत किया था और इसे राष्ट्र की सांस्कृतिक धरोहर के लिए एक गर्व का क्षण बताया था। इन अवशेषों में भगवान बुद्ध की अस्थियां, क्रिस्टल की पेटिकाएं, स्वर्णाभूषण और रत्न, बलुआ पत्थर का संदूक शामिल हैं। ब्राह्मी लिपि के अभिलेख इन्हें सीधे शाक्य वंश से जोड़ते हैं। गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप के कार्यकारी उपाध्यक्ष, पिरोजशा गोदरेज ने कहा कि पिपरहवा अवशेषों की वापसी केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरी मानवता के लिए शांति और करुणा का संदेश है।

गरीबों का राशन हजम कर रहे 23 हजार अमीर

कानपुर जिला पूर्ति विभाग की टीम घर-घर करेगी जांच

कानपुर, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

गरीब परिवारों को मिलने वाला सरकारी राशन अमीरों की थाली में जा रहा है। आधार अपडेटिंग और बायोमेट्रिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद जिले में करीब 23,468 ऐसे राशन कार्डधारक चिन्हित किए गए हैं, जिनके पास कंपनियों की मालिकाना हकदारी, महंगी गाड़ियां हैं। इनमें से अधिकतर आयकर रिटर्न भी भरते हैं। ये अमीर मुफ्त में सरकारी राशन ले रहे हैं।

शासन से भेजी गई अमीरों की सूची का घर-घर सत्यापन कराने के निर्देश दिए गए हैं। अपात्र मिलने पर राशन कार्ड सूची से नाम हटाया जाएगा।

जिले में कुल 1376 सरकारी राशन की दुकानें संचालित हैं जिसमें आठ लाख कार्ड धारक हैं। इनमें 65 हजार अंत्योदय कार्ड धारक जबकि 7.40 लाख पात्र गृहस्थी कार्डधारक राशन ले रहे थे। बीते एक साल से सभी कार्ड धारकों का आधार कार्ड लेने के साथ बायोमेट्रिक मशीन में अंगूठा लगाने का कार्य चल रहा था।

इस वित्तीय वर्ष में करीब 90 फीसदी कार्ड धारकों की बायोमेट्रिक हो चुकी है। शासन स्तर से प्रदेश भर के आयकर दाता, कंपनी मालिक, चार पहिया वाहन स्वामियों समेत अन्य अपात्रों की सूची तैयार की है।

इसमें जिले के 23,468 नाम संदिग्ध पाए गए हैं। इनके सत्यापन के लिए प्रत्येक ब्लाक में टीम गठित कर दी गई है। सत्यापन पूरा होने के बाद अपात्रों के नाम राशन कार्ड सूची से हटाए जाएंगे। सत्यापन टीम प्रत्येक घर में पहुंचकर राशन कार्ड धारक की वास्तविक स्थिति की पुष्टि करेगी। यदि किसी व्यक्ति के नाम पर चार पहिया वाहन, पैन कार्ड पर दर्ज कंपनी या आयकर रिटर्न पाया गया तो उसे अपात्र मानते हुए सूची से बाहर कर दिया जाएगा। शासन ने जिले के करीब 23 हजार से अधिक संदिग्ध राशन कार्ड धारकों की सूची उपलब्ध कराई है। इनका सत्यापन शुरू करा दिया है। अपात्र मिलने पर इनके नाम बने राशन कार्ड निरस्त होंगे।

प्रयागराज हाईकोर्ट से भोजपुरी गायिका नेहा सिंह राठौर को झटका

पीएम पर टिप्पणी के खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द नहीं होगी

प्रयागराज, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई भद्दी टिप्पणी पर लोक गायिका नेहा सिंह राठौर के खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द नहीं होगी। प्रयागराज हाईकोर्ट ने नेहा राठौर की याचिका खारिज करते हुए यह आदेश जारी किया। हाईकोर्ट के जज राजेश सिंह चौहान और जज सैयद कमर हसन रिजवी की खंडपीठ ने नेहा सिंह राठौर को 26 सितंबर को जांच अधिकारी के सामने पेश होने और पुलिस रिपोर्ट दाखिल होने तक जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि उनके खिलाफ लगे आरोप प्रथम दृष्टया संज्ञेय अपराध का दर्शाते हैं, जिनकी पुलिस द्वारा जांच की जानी उचित है। अदालत ने कहा कि उनके ट्वीट्स का समय बेहद अहम है, क्योंकि वे पहलगाम हमले के तुरंत बाद पोस्ट किए गए थे। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता को जांच में भाग लेने का निर्देश दिया जाता है, जो आरोपी एफआईआर के अनुसार लंबित है। वह जांच में सहयोग करने के लिए 26 सितंबर को सुबह 11 बजे जांच अधिकारी के सामने उपस्थित हो और पुलिस रिपोर्ट दाखिल होने तक जांच में सहयोग करती रहें। नेहा सिंह राठौर के खिलाफ लखनऊ के हजरतगंज थाने में अप्रैल में एफआईआर दर्ज की गई थी। उन पर विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज हुआ, जब उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के बाद बिहार गए प्रधानमंत्री पर आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। न्यायालय ने कहा कि नेहा राठौर ने प्रधानमंत्री के नाम का अपमानजनक तरीके से इस्तेमाल किया। न्यायालय ने यह भी कहा कि राठौर ने भाजपा पर अपने निहित स्वार्थों के लिए पाकिस्तान के साथ युद्ध छेड़ने का आरोप लगाया है।

जीएसटी रिफॉर्म से नए रोजगार का सृजन होगा : योगी

यह देशवासियों को पीएम मोदी का दिवाली गिफ्ट

लखनऊ, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को हरी झंडी दिखाकर नमो मैराथन को रवाना किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जीएसटी रिफॉर्म से नए रोजगार का सृजन होगा और हर व्यक्ति को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। योगी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दीपावली के उपहार के रूप में हर देश और प्रदेशवासी को जीएसटी रिफॉर्म का गिफ्ट दिया है।

इससे जहां एक ओर जरूरी चीजें छात्रों के लिए शिक्षण सामग्री, दूध, दही, घी, पनीर, खाने की वस्तुओं में भारी छूट दी गयी है, वहीं दूसरी ओर नशे और फिजूलखर्ची पर भारी टैक्स लगाया गया है। युवाओं के सपनों को उड़ान देने के लिए बाइक, कार, घर, घर पर लगने वाले स्टील, सीमेंट आदि पर भी छूट दी गई है। यह घोषणा 3 सितंबर को जीएसटी काउंसिल ने की थी, जिसे 22 सितंबर से पूरे देश में लागू किया जा रहा है। वहीं विजयदशमी पर हर गांव, हर कस्बे और हर जिले में युवाओं को बुराई के प्रतीक पाप, अत्याचार, भ्रष्टाचार, अन्याय और नशे का पुतला जलाना होगा। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर देशवासियों से विकसित भारत का संकल्प लेने और पंच प्रण के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था कि गुलामी के अंशों को समाप्त करना होगा, अपनी विरासत का सम्मान करना होगा, सेना व वर्दीधारी बलों के प्रति आदर रखना होगा, सामाजिक समता के निर्माण के लिए कार्य करना होगा और अपने नागरिक कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करना होगा। यही पंच प्रण भारतवासियों को विकसित भारत की यात्रा का सारथी बनाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की इसी प्रेरणा से उत्तर प्रदेश ने विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश अभियान को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। अभियान को प्रदेश में युवाओं, किसानों, श्रमिकों, व्यापारियों और बुद्धिजीवियों का अपार समर्थन मिल रहा है। हर व्यक्ति अपने क्षेत्र में योगदान देने को तैयार है। आत्मनिर्भरता को विकसित होने की कुंजी बताते हुए उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर समाज स्वस्थ समाज से ही बनता है और ऐसे आयोजनों जैसे नमो मैराथन से समाज को नई दिशा मिलती है। वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री ने देश में स्वास्थ्य और युवा कल्याण से जुड़े कई अभियानों को गति दी। विश्व योग दिवस को अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिली, खेलो इंडिया, फिट इंडिया मूवमेंट, सांसद खेलकूद प्रतियोगिताएं जैसे अभियानों से युवाओं को प्रेरणा मिली। साथ ही मिशन रोजगार के जरिए युवाओं के लिए अवसर सुनिश्चित किए गए। आज वही युवा शक्ति सेवा पखवाड़ा के तहत नमो मैराथन से जुड़ रही है।

भाजपा नेता पर हाथ उठाने वाला दारोगा निलंबित

मिर्जापुर, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

भाजपा नगर मंडल पश्चिमी के महामंत्री एवं अधिवक्ता कृष्ण कुमार सिंह के साथ शनिवार को दोपहर दारोगा द्वारा दुर्व्यवहार किए जाने का मामला गर्मा गया है। नाराज भाजपाइयों ने कटरा कोतवाली का घेराव कर धरना दिया। एसएसपी सोमेन वर्मा ने दारोगा सुनील कुमार राय को निलंबित कर जांच के आदेश दिए। पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष सोहन श्रीमाली ने पुलिस को चेतावनी दी कि गुंडई करनी है तो वर्दी उतार कर आओ। इस तरह का दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भाजपा नेता कृष्ण कुमार सिंह ने बताया कि वह दोपहर सवा 12 बजे पंजाब एंड सिंध बैंक में किसी कार्य से गए थे, तभी वहां दरोगा सुनील कुमार राय चेकिंग करने पहुंचे। उनको पहचान कर बात करने की कोशिश की। कहा कि उनको एमएलसी के यहां किसी कार्यक्रम में देखा है तो दारोगा ने कहा कि एमएलसी के साथ सिपाही रहता है, दारोगा नहीं।

पूछा, आप गाजीपुर से हैं तो उन्होंने कहा कि बलिया से हैं। पहचानने में गलती होने पर मैं बैंक काउंटर पर अपना कार्य कराने चला गया। आरोप है कि इसके बाद दारोगा सुनील कुमार राय ने अभद्र व्यवहार करते हुए उठक-बैठक करने के लिए कहा। न करने पर हाथ छोड़ दिया और गाली दी। यह सब घटनाक्रम कैमरे में कैद है। इसके बाद जीप में बैठाकर थाने लाए। वहां अपराधी के साथ बैठाकर बेल्ट, मोबाइल व पर्स जमा करा लिया। परिवार से बात करने नहीं दी।

कटरा कोतवाली में भाजपा कार्यकर्ताओं की पिटाई मामले में कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने संज्ञान लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से फोन पर बात कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही नगर विधायक रत्नाकर मिश्रा ने भी एसएसपी से बात की। बाद में दरोगा पर एसएसपी ने कार्रवाई की।

सरकारी अस्पताल में स्वशक्ति नारी शिशु अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविर आरंभ

मंचेरियाल, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियाल जिले में, स्वशक्ति नारी शिशु अभियान के तहत लक्षेटीपेट नगर पालिका के सरकारी अस्पताल में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्घाटन मंचेरियाल जिला ऊडउ अध्यक्ष कोक्किराला सुरेखा प्रेम सागर राव गरु ने किया।

उद्घाटन के बाद, भारत अभियान क्षय मित्र के माध्यम से पोषण किट वितरित की गईं। श्रीमती सुरेखा ने दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की और सभी से 'स्वशक्ति नारी शिशु अभियान' स्वास्थ्य शिविर का

लाभ उठाने का आग्रह किया।

स्वास्थ्य शिविर में मौजूद एक विशेष मेडिकल टीम ने महिलाओं में होने वाले ब्रेस्ट कैंसर को एक महत्वपूर्ण बीमारी बताते हुए इसके बारे में जागरूकता फैलाई।

उन्होंने बताया कि इस बीमारी का अगर शुरुआती अवस्था में ही पता चल जाए तो इसका इलाज संभव है। इसके अतिरिक्त, मेडिकल टीम ने महिलाओं को होने वाली अन्य समस्याओं जैसे सिकल सेल एनीमिया पर भी उपयोगी सुझाव दिए।

यह शिविर लोगों को पुरानी बीमारियों से बचाने और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, चिकित्सक और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

कोंडा लक्ष्मण बापूजी की 13वीं पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

यादगिरिगुट्टा, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आचार्य कोंडा लक्ष्मण बापूजी को एक उदाहरण के रूप में लिया जाना चाहिए। अखिल भारत पद्मशाली अन्ना सतराम, यदागिरिगुट्टा ने आचार्य कोंडा लक्ष्मण बापूजी को उनकी 13वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। अखिल भारतीय पद्मशाली महासचिव रच्चा श्रीनिवास ने कहा कि आचार्य कोंडा लक्ष्मण बापूजी को अपना आदर्श मानना चाहिए। वे एक स्वतंत्रता सेनानी थे, वे आंदोलन की एक अथक ज्वाला थे जो अत्याचारी निज़ाम के उत्पीड़न से मुक्ति दिलाने के लिए आग की तरह जलती रही... वे एक बलिदानी थे जिन्होंने तेलंगाना की मुक्ति के लिए अनिच्छा से मंत्री पद तक त्याग दिया... वंचित बहुजन स्वाभिमान की आवाज.. स्वतंत्रता संग्राम का गीत, हम सभी के प्रेरणास्रोत, उस महापुरुष को उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख पदाधिकारी: अन्ना सतराम उपाध्यक्ष चुंचु नागभूषणम, श्रीधर कोडले (कोषाध्यक्ष), बडुगु मल्लेश (सहायक सचिव), गुज्जा बलराम, टाउन एसोसिएशन के अध्यक्ष एर्रागुंटला वेंकटेश गारू, ट्रस्टी भोगा पुरूषोत्तम गारू, गुज्जा निर्मला गारू, कैरम कोंडा मधु गारू, बोम्मा सूर्यनारायण गारू, सिटी पद्मसाली एसोसिएशन के उपाध्यक्ष एर्रागुंटला चन्द्रशेखर गारू, महासचिव मुकुरु मधुसूदन गारू, सहायक सचिव एकला देवी भास्कर गारू, पूर्व अध्यक्ष एकला देवी नरहरि, कार्यकारी समिति के सदस्य मुकुरु अनिल, डोर्नाला हरि, संतोष, पांडुरंगम गारू और अन्य।

विरोध के बाद सरकारी अस्पताल से हटे मीडिया प्रवेश वर्जित के पोस्टर

आसिफाबाद, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आसिफ़ाबाद के ज़िला अस्पताल में चार दिन पहले लगाए गए उन पोस्टरों को हटा दिया गया है, जिनमें मीडिया के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। पत्रकार संघों के कड़े विरोध के बाद, शनिवार शाम को अस्पताल अधीक्षक ने यह कार्रवाई की।

अस्पताल की दीवारों पर प्रतिबंध वाले पोस्टर लगने के बाद, पत्रकार संघों ने प्रेस क्लब के बैनर तले विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने इस मामले में ज़िला कलेक्टर से भी शिकायत की थी। पत्रकार संघों ने चेतावनी दी थी कि अगर पोस्टर नहीं हटाए गए तो वे सोमवार को कलेक्ट्रेट के सामने बड़ा धरना देंगे। इसके बाद, अस्पताल प्रशासन हरकत में आया और कर्मचारियों ने सभी पोस्टर हटा दिए। पत्रकार संघ के नेताओं ने इस कदम को लोकतंत्र में प्रेस की स्वतंत्रता के लिए एक जीत बताया।

इस अवसर पर, ज़िला अस्पताल के अधीक्षक डॉ. प्रवीण ने कहा कि अब मीडिया को ज़िला अस्पताल में प्रवेश की अनुमति है। उन्होंने बताया कि पिछले सप्ताह अस्पताल में हुई कुछ घटनाओं के कारण ये पोस्टर लगाए गए थे, जिन्हें अब हटा दिया गया है। डॉ. प्रवीण ने स्वीकार किया कि अस्पताल में सेवाओं में सुधार हुआ है, लेकिन अन्य अस्पतालों की तुलना में कुछ बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण चुनौतियाँ हैं। उन्होंने यह भी बताया कि ज़िला अस्पताल में रोज़ाना 700 से अधिक ओपीडी होती हैं।

अधीक्षक ने कहा कि मौजूदा स्टाफ पर काम का बोझ ज़्यादा होने के कारण वे मीडिया को सही जानकारी नहीं दे पाते हैं।

इसलिए, अब से मीडिया को जानकारी देने के लिए एक विशेष अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। उन्होंने मीडिया से अनुरोध किया कि वे उस अधिकारी से संपर्क करें और अस्पताल के साथ सहयोग करें, ताकि ज़्यादा से ज़्यादा मरीज़ यहाँ इलाज के लिए आ सकें।

मंचेरियल में बिजली विभाग की स्मार्ट मीटर पहल

पारदर्शिता और सटीक बिलिंग की ओर कदम

स्मार्ट मीटर के जरिए स्वचालित बिलिंग की शुरुआत

मंचेरियाल, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियल बिजली विभाग उपभोक्ताओं को पारदर्शी और सटीक बिलिंग प्रदान करने के लिए स्मार्ट मीटर स्थापित करने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। वर्तमान में, उच्च दाब (एचटी) बिजली सेवाओं और उद्योगों के लिए स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य शुरू हो चुका है। अब तक मैनुअल बिलिंग की व्यवस्था थी, लेकिन अब बिजली विभाग 'ऑटोमैटिक मीटर रीडिंग' (एएमआर) प्रणाली लागू कर रहा है। इस प्रणाली के तहत, बिजली की खपत को मापने वाले स्मार्ट मीटर में 4जी संचार सिम लगाई जाती है, जिससे रिकॉर्ड किया गया डेटा बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के हनमाकोंडा स्थित केंद्रीय सर्वर तक पहुँच जाता है।

एएमआर प्रणाली का मुख्य उद्देश्य बिजली चोरी, खपत में अनियमितता, बिलों में उतार-चढ़ाव और अन्य समस्याओं को खत्म करना है। इस प्रणाली के जरिए तेज और त्रुटिरहित बिलिंग सुनिश्चित की जाएगी। बिल का विवरण हर 30 दिन में उद्योग मालिकों के ईमेल या फोन पर भेजा जाएगा, और भुगतान ऑनलाइन भी किया जा सकेगा। इस स्वचालित प्रणाली के साथ, अलग से रीडिंग रिकॉर्ड करने की आवश्यकता नहीं होगी, जिससे समय की बचत होगी और उपभोक्ताओं को समय पर बिल प्राप्त होंगे।उच्च वोल्टेज बिजली खपत श्रेणी में 55 एचपी से अधिक क्षमता वाले मीटर की रीडिंग की समीक्षा सहायक

अभियंता (एडीई) स्तर के अधिकारी द्वारा की जाएगी, जबकि 55 एचपी से कम क्षमता वाले मीटर की रीडिंग सहायक अभियंता (एई) स्तर के अधिकारी द्वारा जाँची जाएगी। नॉन-स्लैब रीडिंग का कार्य लाइन इंस्पेक्टर द्वारा किया जा रहा है, जबकि स्लैब रीडिंग निजी बिलिंग कर्मचारियों और जूनियर लाइनमैन द्वारा की जा रही है। मैनुअल बिलिंग की सुविधा भी उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध है।

मंचेरियल जिले में कुल 3,65,091 बिजली कनेक्शन हैं, जिनमें 1,483 एलटी-3 मीटर और 179 एचटी श्रेणी के कनेक्शन शामिल हैं, जो उच्च वोल्टेज बिजली का उपयोग करते हैं। जिले में सिंगरेनी सहित चावल मिलों, ईंट बनाने और अन्य उद्योगों को उच्च वोल्टेज बिजली आपूर्ति की जाती है। इन उद्योगों से बिजली विभाग को प्रति माह 12 से 15 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होता है। प्रारंभिक चरण में, 284 उद्योगों में स्मार्ट मीटर स्थापित किए जाएंगे, जिनमें प्रत्येक मीटर में 4जी संचार सिम होगी।

एएमआर प्रणाली के साथ, रीडिंग में किसी भी प्रकार की त्रुटि की संभावना नहीं होगी। बिजली आपूर्ति में उतार-चढ़ाव को तुरंत पहचाना जा सकेगा, जिससे उपभोक्ताओं को निर्बाध सेवा मिलेगी। यह प्रणाली कर्मचारियों का समय बचाने के साथ-साथ उपभोक्ताओं को समय पर और सटीक बिल प्रदान करने में मदद करेगी। मंचेरियल बिजली विभाग की यह पहल उपभोक्ताओं के लिए पारदर्शिता, सटीकता और सुविधा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्मार्ट मीटर प्रणाली से न केवल बिलिंग प्रक्रिया में सुधार होगा, बल्कि बिजली चोरी और अनियमितताओं पर भी प्रभावी नियंत्रण स्थापित होगा।

कवाल टाइगर रिजर्व कोर में अतिक्रमण के आरोप में 26 गिरफ्तार

मंचेरियाल, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के 26 लोगों को जन्नाराम डिवीजन के वन अधिकारियों ने शनिवार रात को इंदनपल्ली रेंज में झोपड़ियां बनाकर और पेड़ों को गिराकर कवाल टाइगर रिजर्व के मुख्य क्षेत्र में कथित रूप से अतिक्रमण करने के आरोप में गिरफ्तार किया। जन्नाराम वन प्रभाग के अधिकारियों ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि बार-बार चेतावनी और परामर्श के बावजूद आरोपियों ने मुख्य क्षेत्र में वन भूमि पर कब्जा करना जारी रखा। उन्होंने स्पष्ट किया कि गिरफ्तार किए गए लोग पोडू किसान नहीं हैं और चेतावनी दी कि वन भूमि पर अतिक्रमण करके वन्यजीव संरक्षण में बाधा डालने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आरोपियों में से कुछ की पहचान परचाकी मारू, कनक बापू राव, थोडसम हनुमंत राव, अथराम अकबर, वेदमा जीविथ राव, कनक मनकू, अथराम भीम राव, सोयम चत्रुगम, सिदाम मोथिराम, पारुबाकी मारुति, मदवी सोमोजी और अन्य के रूप में की गई। वे कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के लिंगपुर, सिरपुर (यू) और नारनूर मंडल के विभिन्न हिस्सों से थे। यह गिरफ्तारी कवाल टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्र में अतिक्रमण की बढ़ती समस्या के बीच हुई है, जहां वन अधिकारियों का कहना है कि ऐसी गतिविधियां बाघ संरक्षण प्रयासों को बाधित कर रही हैं।कवाल टाइगर रिजर्व, जो तेलंगाना के आदिलाबाद, कुमराम भीम आसिफाबाद, निर्मल और मंचेरियल जिलों में फैला हुआ है, को 2012 में राष्ट्रीय टाइगर संरक्षण

प्राधिकरण (एनटीसीए) द्वारा टाइगर रिजर्व घोषित किया गया था। इसका कोर क्षेत्र 893 वर्ग किलोमीटर में फैला है, जबकि बफर जोन 1,120 वर्ग किलोमीटर का है। हाल के वर्षों में, यहां बाघों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए ताडोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व (महाराष्ट्र) से कॉरिडोर विकसित किया जा रहा है, लेकिन अतिक्रमण एक बड़ी चुनौती बना हुआ है।

वन विभाग के अनुसार, 2015 से 2025 तक लगभग दो लाख एकड़ वन भूमि पर कब्जा हुआ है, जो टाइगर्स के प्रवास को रोक रहा है। जुलाई 2025 में जारी सरकारी आदेश (जीओ 49) के तहत कुमराम भीम कंजर्वेशन रिजर्व (1,492 वर्ग किलोमीटर) की अधिसूचना को आदिवासी समुदायों के विरोध के कारण स्थगित कर दिया गया था। आदिवासी संगठनों ने दावा किया था कि यह उनकी आजीविका पर असर डालेगा, लेकिन वन अधिकारियों का कहना है कि पोडू खेती (पारंपरिक झूम खेती) को वैध मान्यता दी जाती है, जबकि अवैध अतिक्रमण पर कार्रवाई अपरिहार्य है।

इस घटना ने क्षेत्र में आदिवासी अधिकारों और वन्यजीव संरक्षण के बीच तनाव को फिर से उजागर कर दिया है। जुलाई 2025 में आदिवासियों ने बैंड और रोड ब्लॉकेड का आयोजन किया था, जिसमें आसिफाबाद विधायक कोवा लक्ष्मी और सिरपुर (टी) विधायक डॉ. हरीश बाबू ने समर्थन दिया। संगठन 'अदिवासी हक्कुला पोरता समिति' (थुदुम देब्बा) ने जीओ 49 को आदिवासी-विरोधी बताया। हाल ही में, कवाल रिजर्व के कोर में दो गांवों - मिसम्पेट और रामपुर - में आदिवासियों ने पुनः कब्जा कर लिया, क्योंकि पुनर्वास पैकेज में देरी हो रही थी।

वन विभाग ने चेतावनी जारी की है कि वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत ऐसी गतिविधियों पर सख्ती बरती जाएगी। साथ ही, पोडू किसानों को वैकल्पिक आजीविका के लिए परामर्श दिया जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि संरक्षण और स्थानीय समुदायों के बीच संतुलन बनाए बिना टाइगर पॉपुलेशन बढ़ाना मुश्किल होगा।गिरफ्तार व्यक्तियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, और वन विभाग ने अन्य संभावित अतिक्रमणों पर नजर रखने के लिए पेट्रोलिंग बढ़ा दी है। अधिकारियों ने अपील की है कि वन भूमि पर कब्जा न किया जाए, क्योंकि यह न केवल बाघों बल्कि पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित करता है। क्षेत्र के निवासियों से सहयोग की अपेक्षा की गई है ताकि कवाल को एक सफल टाइगर रिजर्व बनाया जा सके।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर नशा मुक्त राष्ट्र के लिए दौड़ का आयोजन

मंचेरियाल, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर, सेवा भावना के तहत, भाजपा प्रदेश युवा मोर्चा द्वारा हैदराबाद के नेकलेस रोड पर नशा मुक्त राष्ट्र के नारे के तहत एक 3 किलोमीटर की दौड़ का आयोजन किया गया। इस दौड़ में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रघुनाथ वेराबेली ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्र एन. रामचंद्र राव और केंद्रीय कोयला व खान मंत्री श्री किशन रेड्डी ने किया। उनके साथ, मलकाजगिरी के सांसद श्री एटाला राजेंद्र, चेवेल्ला के सांसद श्री कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी, सिरपुर के विधायक श्री पलवई हरीश बाबू, और विधान पार्षद श्री अंजी रेड्डी तथा श्री मलका कोमुरैया भी मौजूद थे।यह दौड़ न केवल प्रधानमंत्री के जन्मदिन का जश्न मनाने का एक तरीका था, बल्कि इसका मुख्य उद्देश्य नौजवानों में बढ़ रहे नशे की लत के खिलाफ जागरूकता फैलाना भी था। आयोजकों का मानना है कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं को एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं और उन्हें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

इस अवसर पर, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रघुनाथ वेराबेली ने युवाओं से नशे से दूर रहने और अपनी ऊर्जा को सकारात्मक कार्यों में लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ और सशक्त युवा ही एक विकसित राष्ट्र की नींव रख सकता है। यह दौड़ इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

दोनों तरफ पेड़-वाहन चालकों को दुर्घटना का खतरा

मंचेरियाल, 21 सितम्बर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जलवायु संतुलन के लिए पेड़ लगाने की मंशा तो वाजिब है, लेकिन संबंधित अधिकारी सड़क के दोनों ओर उगे उन पेड़ों को हटाने में देरी कर रहे हैं, जो यातायात में बाधा बन रहे हैं। नतीजतन सड़क संकरी हो रही है और दुर्घटनाएँ होने लगी हैं।मंचेरियाल जिले के तंदूर मंडल केंद्र स्थित कस्तूरबा गांधी स्कूल से रेचिनी रोड रेलवे स्टेशन तक जाने वाली सड़क दोनों ओर उगे पेड़ों से ढकी हुई है। यह सड़क पर चलने वाले वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बन गई है। पेड़ों की टहनियाँ सड़क पर लटक रही हैं, जिससे वाहन चालक अक्सर उनसे टकरा जाते हैं। इसका सबसे अधिक असर तब पड़ता है जब विपरीत दिशा से वाहन आते हैं, जिससे दुर्घटना की संभावना और भी बढ़ जाती है।

रात्रि समय स्थिति और अधिक खराब हो जाती है। अंधेरे में पेड़ों की टहनियाँ साफ दिखाई नहीं देतीं, जिसके कारण दुर्घटनाओं का खतरा और बढ़ जाता है। यातायात में फंसे वाहन चालकों की परेशानी का कोई ठिकाना नहीं है।वाहन चालक और आम जनता अधिकारियों से निवेदन कर रहे हैं कि जल्द से जल्द कार्रवाई करते हुए सूखे पेड़ और जहरीले पौधों को हटाया जाए, ताकि यातायात सुरक्षित और सुचारु रह सके।

महिलाओं के लिए विशेष कानूनों पर संगोष्ठी

मंचेरियल ग्रामीण (हाजीपुर), 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। लक्सेट्टीपेट के जूनियर सिविल जज के. साईकिरन ने कहा कि सरकार ने महिलाओं के लिए विशेष कानून बनाए हैं। उन्होंने शनिवार को मुल्कल स्थित प्रभा नर्सिंग कॉलेज में आयोजित विधि विज्ञान सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और भाषण दिया।

उन्होंने कहा कि ये कानून महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न और दहेज उत्पीड़न के मामलों में आरोपियों को कड़ी सजा देते हैं।

सम्मेलन में लक्सेट्टीपेट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कोमिरेड्डी सत्तन्ना, वकीलों और नर्सिंग कॉलेज के छात्रों ने भाग लिया।

एनटीपीसी विदेशों में यूरेनियम संपत्तियों का अधिग्रहण करेगी

स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में बड़ा कदम, माही-बांसवाड़ा में 2,800 मेगावाट की परियोजना से होगी शुरुआत

नई दिल्ली,21 सितंबर (एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड अब परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में प्रवेश करने जा रही है। कंपनी अपनी भावी परियोजनाओं के लिए विदेशों में यूरेनियम संपत्तियों के अधिग्रहण की योजना बना रही है, जिससे परमाणु ईंधन की सुनिश्चित आपूर्ति हो सके। एनटीपीसी ने यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के मसौदे को मंजूरी दी है।इसके तहत विदेशों में यूरेनियम खनिजों की तकनीकी और वाणिज्यिक जांच की जाएगी। यूरेनियम एक प्राकृतिक धातु है, जिसका उपयोग परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में ईंधन के रूप में होता है।एनटीपीसी, जिसकी कुल स्थापित क्षमता 83,026 मेगावाट है, अब कोयला, गैस, जल और सौर ऊर्जा के साथ परमाणु ऊर्जा को भी अपने ऊर्जा मिश्रण में शामिल कर रही है।

परमाणु क्षेत्र में इसकी पहली परियोजना राजस्थान के माही-बांसवाड़ा में 2,800 मेगावाट की होगी, जिसे न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के साथ संयुक्त उद्यम 'अणुशक्ति विद्युत निगम लिमिटेड के माध्यम से विकसित किया जाएगा। इसके अलावा, कंपनी ने जनवरी 2025 में अपनी सहायक इकाई एनटीपीसी न्यूक्लियर एनर्जी लिमिटेड की स्थापना भी की है।एनटीपीसी, अमेरिका की क्लीन कोर थोरियम एनर्जी जैसी कंपनियों के साथ सहयोग की संभावनाएं तलाश रही है। भारत सरकार का लक्ष्य है कि 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता स्थापित की जाए। फिलहाल देश की कुल ऊर्जा क्षमता में परमाणु ऊर्जा का योगदान सिर्फ 2 फीसदी (8,180 मेगावाट) है।

न्यूज ब्रीफ

पीयूष गोयल व्यापार वार्ता के लिए आज अमेरिका के दौरे पर जाएंगे

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल आज 22 सितंबर को व्यापार वार्ता के लिए अमेरिका का दौरा करेंगे। उनके नेतृत्व में एक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल अमेरिकी पक्ष के साथ बैठक के लिए दौरे पर जाएगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पीयूष गोयल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल अमेरिकी पक्ष के साथ बैठक के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका का दौरा करेगा। वाणिज्य मंत्री के साथ मंत्रालय में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल और अन्य अधिकारी भी दौरा करने वाले प्रतिनिधिमंडल में शामिल होंगे। गोयल अपनी इस यात्रा के दौरान अमेरिकी टीम से मुलाकात कर व्यापार समझौते को पूरा करने की कोशिश करेंगे। मंत्रालय के अनुसार प्रतिनिधिमंडल की यात्रा का मकसद दोनों देशों के बीच पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते पर चर्चा को आगे बढ़ाना है। इससे पहले अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के अधिकारियों का भी एक दल 16 सितंबर को भारत आया था। इस दौरान व्यापार समझौते के विभिन्न पहलुओं पर सकारात्मक चर्चा हुई थी और इस संबंध में प्रयासों को तेज करने का निर्णय लिया गया था। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल का ये दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब अमेरिका ने एच-1बी वीजा की फीस को बढ़ाने की घोषणा की है।

दोपहिया वाहनों के बीमा दावों में 15 फीसदी की बढ़ोतरी, इलेक्ट्रिक बाइकों से सबसे ज्यादा खतरा

मुंबई। पॉलिसी बाजार की ताजा रिपोर्ट में दोपहिया वाहनों के इंश्योरेंस क्लेम को लेकर कई अहम

खुलासे हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 में ऐसे दावों में 15 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो हाल के वर्षों में सबसे अधिक है। अगले वर्ष इसमें 10-12 फीसदी और इजाफा होने की संभावना जताई गई है। रिपोर्ट बताती है कि 150 सीसी से 350 सीसी की मिड-रेंज मोटरसाइकिलों से जुड़े दावे सबसे ज्यादा बढ़े हैं, जबकि कम्यूटर बाइकों और स्कूटरों से जुड़े क्लेम स्थिर रहे। शहरों में इन तेज और पावरफुल बाइकों की मांग दुर्घटनाओं के जोखिम को बढ़ा रही है। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों से जुड़े बीमा क्लेम पेट्रोल बाइकों की तुलना में 18-20 फीसदी अधिक हैं। इसकी प्रमुख वजह बैटरी से जुड़ी समस्याएं और महंगे पुर्जों की मरम्मत है, जिसका खर्च 30-35 फीसदी तक ज्यादा आता है। भौगोलिक दृष्टि से देखें तो महाराष्ट्र, दिल्ली और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों से कुल दावों का लगभग आधा हिस्सा आता है। गाजियाबाद, जयपुर और मेरठ जैसे शहर अब बाइक चोरी के हॉटस्पॉट बन गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 70-75 फीसदी दावे मामूली दुर्घटनाओं और प्राकृतिक आपदाओं से संबंधित हैं, जबकि 20-25 फीसदी चोरी और पूरी तरह के नुकसान के मामले हैं। थर्ड-पार्टी क्लेम कम होते हैं लेकिन इनका खर्च ज्यादा होता है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 4.69 अरब डॉलर बढ़कर 702.9 अरब डॉलर पर पहुंचा

नई दिल्ली,21 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी लेटेस्ट आंकड़ों के अनुसार,12 सितंबर को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 4.69 अरब डॉलर बढ़कर 702.9 अरब डॉलर पर पहुंच गया। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार सितंबर 2024 के अंत में 704.9 अरब डॉलर के अपने सर्वकालिक उच्चतम स्तर तक पहुंचा था। इस वर्ष सितंबर के दूसरे सप्ताह की इस वृद्धि के साथ, अब यह भंडार पिछले रिकॉर्ड से मात्र 2 अरब डॉलर कम रह गया है।

आरबीआई के लेटेस्ट आंकड़ों से पता चलता है कि भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा, विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 2.5 अरब डॉलर बढ़कर 587.04 अरब डॉलर हो गईं। इन परिसंपत्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी प्रमुख वैश्विक मुद्राएं शामिल हैं और इनका डॉलर मूल्य विनिमय दरों में बदलाव को भी दर्शाता है। इस सप्ताह स्वर्ण भंडार में तेज उछाल आया और यह 2.1 अरब डॉलर बढ़कर 92.42 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 3.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.73 अरब डॉलर हो गए, जबकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत की आरक्षित निधि 90 लाख डॉलर बढ़कर 4.76 अरब डॉलर हो गई।

विदेशी मुद्रा भंडार देश के लिए एक फाइनेंशियल सेफ्टी नेट का काम करता है, जिससे आरबीआई को रुपए में उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए जरूरत पड़ने पर मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करने में मदद मिलती है।

केंद्रीय बैंक का कहना है कि इस तरह के हस्तक्षेप विनिमय दर को एक निश्चित स्तर पर स्थिर रखने के लिए नहीं, बल्कि वैश्विक अनिश्चितता के समय में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए हैं। हाल के हफ्तों में विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार वृद्धि हो रही है। 5 सितंबर को समाप्त सप्ताह में यह 4.03 अरब डॉलर की वृद्धि के साथ 698.26 अरब डॉलर तक पहुंच गया था।

जबकि इससे पिछले सप्ताह बीते महीने अगस्त के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 3.51 अरब डॉलर बढ़कर 694.2 अरब डॉलर हो गया था। पिछले सप्ताह भी, केंद्रीय बैंक के आंकड़ों से पता चला था कि विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए) 54 करोड़ डॉलर बढ़कर 584.47 अरब डॉलर हो गईं।

विश्लेषकों का कहना है कि रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब मजबूत बफर स्टॉक भारत को बाहरी झटकों से निपटने, रुपए को मजबूत करने और खासकर अनिश्चित वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के बीच वैश्विक निवेशकों को विश्वास दिलाने में मदद करेगा।

हीरो मोटोकॉर्प को उम्मीद त्योहारों में होगी रिकॉर्ड बिक्री

नई दिल्ली,21 सितंबर (एजेंसियां)।

हीरो मोटोकॉर्प को उम्मीद है कि इस साल त्योहारों का मौसम कंपनी के लिए अब तक का सबसे अच्छा साबित होगा। जीएसटी में कटौती के बाद मांग में तेजी आने की संभावना है, जिससे बिक्री के आंकड़े मजबूत होंगे। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पहले पांच महीनों में बिक्री लगभग स्थिर रही, लेकिन नवरात्र और त्योहारों के दौरान अच्छी बुकिंग देखी जा रही है।

दोपहिया बाजार में बरकरार रहेगा शीर्ष स्थान

हीरो मोटोकॉर्प इस बार 12 नए उत्पाद पहली बार त्योहारों के मौके पर बाजार में ला रही है, जिससे कंपनी को दोहरा फायदा होने की उम्मीद है। मौजूदा उत्पादों के साथ-साथ नई पेशकशों की वजह से कंपनी उद्योग से बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद कर रही है। उन्होंने कहा कि यह सकारात्मक माहौल कंपनी के लिए उत्साहजनक है और इसे बढ़ावा देगा। वित्त वर्ष 2024-25 में हीरो मोटोकॉर्प ने दोपहिया वाहन बिक्री में 54,45,251 इकाइयों के साथ शीर्ष स्थान कायम रखा है। मुख्य प्रतिस्पर्धी होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया की बिक्री 47,89,283 रही। अगस्त तक के आंकड़ों के अनुसार, हीरो लगभग दो लाख इकाइयों की बढ़त बनाए हुए है। हीरो मोटोकॉर्प 100 सीसी, 125 सीसी, स्कूटर और प्रीमियम सेगमेंट में विस्तार की योजना बना रही है। इलेक्ट्रिक वाहनों की उपलब्धता बढ़ाने और हार्ले-डेविडसन के साथ साझेदारी जारी रखने की भी रणनीति है। साथ ही, प्रीमियम बिक्री आउटलेट (प्रेमिया स्टोर) की संख्या बढ़ाई जाएगी। वर्मा ने भरोसा जताया कि कंपनी 2025 में भी इस क्षेत्र में सबसे आगे रहेगी।

भारत-ओमान जल्द करेंगे सीईपीए समझौते पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली। भारत और ओमान के बीच व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर जल्द ही हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। भारत में ओमान के राजदूत इसा सालेह अब्दुल्ला अलशिबानी ने बताया कि बातचीत पूरी हो चुकी है और अब कानूनी प्रक्रियाएं चल रही हैं। यह समझौता व्यापार को ऊर्जा क्षेत्र से आगे बढ़ाकर विविध वस्तुओं और सेवाओं तक विस्तारित करेगा। भारत, ओमान से मुख्य रूप से पेट्रोलियम उत्पाद और यूरिया का आयात करता है। 2024-25 में दोनों देशों के बीच व्यापार 10.61 अरब डॉलर रहा। ओमान में 6,000 से अधिक भारत-ओमान संयुक्त उद्यम कार्यरत हैं। सीईपीए से सीमा शुल्क में कटौती, सेवाओं के व्यापार में वृद्धि और निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा। यह समझौता भारत और खाड़ी देशों के बीच मजबूत आर्थिक साझेदारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

चांदी ने इस साल अब तक दिया 49 फीसदी का रिटर्न, सोना और शेयर बाजार पीछे

ईवी और सौर ऊर्जा सेक्टर की मांग, वैश्विक अनिश्चितता और कमजोर डॉलर ने चांदी पहुंची उच्च स्तर पर

नई दिल्ली,21 सितंबर (एजेंसियां)। इस वर्ष चांदी ने निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न देकर सोना और शेयर बाजार को पीछे छोड़ दिया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी की कीमत 19 सितंबर 2025 तक 49.14 फीसदी बढ़कर 1,30,099 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई, जो पिछले वर्ष 87,233 रुपए प्रति किलोग्राम थी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह तेजी वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, अमेरिकी डॉलर की कमजोरी, और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में संभावित कटौती की उम्मीदों से आई है। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों, सौर ऊर्जा और स्वच्छ तकनीक क्षेत्रों से औद्योगिक मांग में तेज वृद्धि भी चांदी की कीमतों को बढ़ावा देने वाला मुख्य कारक रही। बाजार के जानकारों ने कहा कि भू-राजनीतिक तनावों के बीच सुरक्षित निवेश की तलाश ने भी चांदी को समर्थन दिया। इसके अलावा कमजोर रुपये ने घरेलू कीमतों को और ऊपर पहुंचाया। एक बाजार विश्लेषक ने बताया कि चांदी एकमात्र ऐसी धातु है जिसमें बहुमूल्य और औद्योगिक दोनों गुण मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि चांदी कॉमेक्स पर 2012 के बाद पहली बार 40 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गई। तुलनात्मक रूप से देखा जाए तो सोना इस साल अब तक 43.2 फीसदी बढ़ा है, जबकि बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी में क्रमशः 5.74 और 7.1 फीसदी की वृद्धि हुई है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि जोखिम क्षमता के अनुसार चांदी में निवेश अभी भी एक बेहतर विकल्प हो सकता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

देश के बजट...

आम आदमी पार्टी द्वारा शासित पंजाब राज्य कर्ज में सबसे ज्यादा डूबा है। पंजाब का कर्ज उसकी सालाना आर्थिक कमाई के लगभग आधे के बराबर है। यह समस्या नई नहीं है। पंजाब लंबे समय से कम राजस्व और बढ़ते खर्चों से जूझ रहा है। सीएजी रिपोर्ट ने पुष्टि की कि पंजाब की स्थिति खराब है। पहले से ही बेरोजगारी, खेती में संकट और उद्योगों के लिए कम मौकों का सामना कर रहे पंजाब के लिए इतना कर्ज विकास में निवेश की क्षमता को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है। पंजाब अब बुनियादी ढांचे जैसे भविष्य की वृद्धि पैदा करने वाले खर्चों पर ध्यान देने के बजाय, उधार लिए गए पैसे का बड़ा हिस्सा रोजमर्रा के खर्चों को पूरा करने में खर्च कर रहा है।ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) शासित पश्चिम बंगाल की स्थिति भी अलग नहीं है। सीएजी रिपोर्ट के अनुसार, राज्य का कर्ज-जीएसडीपी अनुपात 33.7 प्रतिशत है, जो देश में सबसे ज्यादा में से एक है। पिछले दस साल में पश्चिम बंगाल का कर्ज बोझ तेजी से बढ़ा है। पंजाब की तरह, पश्चिम बंगाल भी उन 11 राज्यों में शामिल है जो उधार लिए गए पैसे को रोजमर्रा के खर्चों, जैसे वेतन, सब्सिडी और प्रशासनिक लागत में खर्च कर रहे हैं, न कि ऐसी संपत्ति बनाने में जो भविष्य में उनकी वित्तीय स्थिति को सुधार सके।रिपोर्ट में कहा गया कि औसतन राज्यों का सार्वजनिक कर्ज उनकी राजस्व प्राप्तियों/कुल गैर-कर्ज प्राप्तियों का 150 प्रतिशत रहा है। इसी तरह सार्वजनिक कर्ज जीएसडीपी का 17-25 प्रतिशत के बीच रहा है और औसतन जीएसडीपी का 20 प्रतिशत रहा है। 2019-20 में जीएसडीपी का 21 प्रतिशत से बढ़कर 2020-21 में 25 प्रतिशत होने का मुख्य कारण कोविड वर्ष में जीएसडीपी में कमी थी। 2020-21 से 2022-23 के बीच केंद्र सरकार के ऋणों में वृद्धि बैक-टू-बैक ऋणों, जीएसटी मुआवजा कमी और राज्यों को पूजीगत खर्च के लिए विशेष सहायता के रूप में ऋणों के कारण थी। रिपोर्ट में एक और चिंताजनक बात सामने आई कि पंजाब, पश्चिम बंगाल और नगालैंड जैसे 11 राज्यों में 2022-23 के दौरान पूंजीगत खर्च उनके शुद्ध उधार से कम था। उदाहरण के लिए, आंध्र प्रदेश और पंजाब में पूंजीगत खर्च उनके शुद्ध उधार का क्रमशः केवल 17 प्रतिशत और 26 प्रतिशत था। इसका मतलब है कि उधार लिया गया ज्यादातर पैसा घाटे को पूरा करने में गया, न कि नई संपत्ति बनाने में।भारतीय राज्यों का कर्ज पिछले पांच वर्षों में 74 प्रतिशत बढ़कर 8.3 लाख करोड़ रुपए हो गया है। तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र शीर्ष 10 स्थानों पर हैं। कर्ज-जीडीपी अनुपात में महाराष्ट्र सबसे कम 18 प्रतिशत पर है, जबकि पश्चिम बंगाल सबसे ज्यादा 39 प्रतिशत पर है। 2024 में सबसे ज्यादा कर्ज तमिलनाडु पर है। यह 8.3 लाख करोड़ रुपए है। उसके बाद उत्तर प्रदेश का नंबर आता है। सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाले राज्य पर 7.7 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। महाराष्ट्र 7.2 लाख करोड़ रुपए के साथ तीसरे नंबर पर है। फिर पश्चिम बंगाल (6.6 लाख करोड़), कर्नाटक (6.0 लाख करोड़), राजस्थान (5.6 लाख करोड़), आंध्र प्रदेश (4.9 लाख करोड़), गुजरात (4.7 लाख करोड़), केरल (4.3 लाख करोड़) और मध्य प्रदेश (4.2 लाख करोड़ रुपए) आते हैं। ये टॉप 10 राज्य हैं जिन पर सबसे ज्यादा कर्ज है।

पिछले पांच सालों में अलग-अलग राज्यों में कर्ज की बढ़ोतरी अलग-अलग रही है। मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा 114 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। 2019 में मध्य प्रदेश का कर्ज 2 लाख करोड़ था, जो 2024 में बढ़कर 4.2 लाख करोड़ हो गया। कर्नाटक और तमिलनाडु में 109 प्रतिशत और 108 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। आंध्र प्रदेश का कर्ज 84 प्रतिशत बढ़ा, जबकि राजस्थान और केरल में 80 प्रतिशत और 76 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। महाराष्ट्र में कर्ज की रफ्तार अपेक्षाकृत कम 65 प्रतिशत रही, जबकि उत्तर प्रदेश में सबसे कम 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।राज्यों के कर्ज के बोझ को अक्सर उनके सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के अनुपात में मापा जाता है। बड़े राज्यों में महाराष्ट्र का कर्ज-जीडीपी अनुपात सबसे कम 18 प्रतिशत है। उसके बाद कर्नाटक का 24 प्रतिशत है। दूसरी ओर, पश्चिम बंगाल का कर्ज-जीडीपी अनुपात सबसे ज्यादा 39 प्रतिशत है, उसके बाद केरल और राजस्थान का 37 प्रतिशत है। तमिलनाडु और मध्य प्रदेश का अनुपात 31 प्रतिशत है, जबकि आंध्र प्रदेश का 34 प्रतिशत है। उत्तर प्रदेश का कर्ज का बोझ उसके जीएसडीपी का 30 प्रतिशत है, जो अपेक्षाकृत कम है।महाराष्ट्र 40.44 लाख करोड़ रुपए के जीएसडीपी के साथ भारत का सबसे बड़ा आर्थिक केंद्र बना हुआ है। तमिलनाडु 27.22 लाख करोड़ रुपए के साथ दूसरे नंबर पर है, जबकि उत्तर प्रदेश 25.48 लाख करोड़ रुपए के साथ तीसरे स्थान पर है। कर्नाटक और पश्चिम बंगाल का जीएसडीपी 25.01 लाख करोड़ रुपए और 17.01 लाख करोड़ रुपए है। 2024 के लिए गुजरात के जीएसडीपी का डेटा उपलब्ध नहीं था। यह आंकड़े 2023-24 के हैं। यह चिंता का विषय है कि कई राज्यों का कर्ज उनके जीएसडीपी का एक बड़ा हिस्सा है। इससे उनकी विकास योजनाओं पर असर पड़ सकता है। राज्यों को अपने खर्चों पर नियंत्रण रखने और राजस्व बढ़ाने के उपाय करने होंगे। तभी वे इस बढ़ते कर्ज के बोझ से निजात पा सकेंगे।

छात्र संघ...

खासकर सोशल साइंस डिपार्टमेंट जैसे वामपंथी गढ़ों में जीत यह दिखाती है कि छात्र अब वैचारिक दबाव से मुक्त होना चाहते हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि कांग्रेस से जुड़ा एनएसयूआई इस बार नोटा से भी कम वोट ला सका। यह तब हुआ है जब राज्य में कांग्रेस की सरकार है। हालांकि, एनएसयूआई का एचसीयू में कभी भी बड़ा आधार नहीं रहा, लेकिन वामपंथी संगठनों के साथ मिलकर वह हमेशा चुनावी समीकरण का हिस्सा रहा है।एबीवीपी का कहना है कि संगठन ने कैंपस में शांति बनाए रखने, एचसीयू की जमीन की रक्षा करने और छात्र हितों को लेकर लगातार आंदोलनों में भाग लिया है। यही वजह है कि छात्रों का भरोसा इस बार बड़े पैमाने पर एबीवीपी के पक्ष में गया। एबीवीपी की तरफ से जारी बयान में कहा गया, यह जीत एचसीयू के इतिहास में एक मील का पत्थर है, जिसने छात्र समुदाय के बीच एबीवीपी के प्रति बढ़ते विश्वास को साबित किया है।उल्लेखनीय है कि 19 सितंबर को दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) चुनाव के परिणाम आए। इसमें भाजपा समर्थित छात्र संगठन एबीवीपी ने अध्यक्ष सहित तीन पदों पर बड़ी जीत हासिल की है। संगठन ने इसे युवाओं के बीच भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति बढ़ते विश्वास का प्रतीक बताया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा है कि भारत के जेन जेड ने राहुल गांधी को नकार दिया है। उन्होंने कहा कि डूसू चुनावों में एबीवीपी की बंपर जीत ने यह बता दिया है कि भारत का युवा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ है, राहुल गांधी के साथ नहीं। उन्होंने कहा कि अब राहुल गांधी को वोट चोरी जैसी बात नहीं करनी चाहिए।

एबीवीपी के आर्यन मान को डूसू चुनाव में 26,642 वोट मिले, जबकि दूसरे नंबर पर रहे कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई के जोसलीन चौधरी को 10,814 वोट मिले। यानि एबीवीपी उम्मीदवार को लगभग 16 हजार वोटों की बढ़त हासिल हुई है जो एनएसयूआई उम्मीदवार को मिले वोटों के लगभग ढाई गुने के बराबर है। इसी तरह सचिव पद पर एबीवीपी के उम्मीदवार ने एनएसयूआई उम्मीदवार को लगभग सात हजार वोटों के अंतर से और ज्वाइंट सेक्रेटरी के पद पर लगभग चार हजार वोटों के अंतर से हराया।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 22 सितंबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

महाराजा श्री अग्रसेन जी की 5149वीं जयंती महोत्सव आज

हैदराबाद, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

महाराज श्री अग्रसेन जी की 5149वीं जयंती का मुख्य उत्सव आज सोमवार 22 सितंबर को अग्रवाल समाज, तेलंगाना के द्वारा धूमधाम से मनाया जाएगा। जयंती कार्यक्रम के प्रसार प्रचार और मीडिया कमेटी के चेयरमैन डॉ दिलीप पंसारी द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार सुबह 10:00 बजे अखिल भारतीय वैश्य महा सम्मेलन के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न होने वाले कार्यक्रम के अंतर्गत अग्रसेन चौक (बंजारा हिल्स रोड 12) स्थित महाराजा श्री अग्रसेन जी की विशालकाय प्रतिमा पर माल्यार्पण और मंचीय कार्यक्रम होगा। इस आयोजन की अध्यक्षता अखिल भारतीय महासम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ गिरीश संघी करेंगे। अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष सभा को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तेलंगाना राज्य के मुख्यमंत्री – ठर्शीरपीं रेड्डी होंगे। इसके साथ ही तेलंगाना राज्य के कई वरिष्ठ राजनेता, प्रशासनिक अधिकारी भी इस कार्यक्रम में उपस्थित होंगे।अग्रसेन जयंती महोत्सव के अंतर्गत प्रमुख कार्यक्रम शाम 6:00 बजे से शमशाबाद स्थित क्लासिक 3 और अतिथि कन्वेंशन में संपन्न होगा। 6:30 बजे प्रारंभ होने वाले प्रमुख मंचीय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तेलंगाना राज्य की उपमुख्यमंत्री ारश्रर्श्री इहरींळ ींळज्ञीरारीज्ञर तथा कार्यक्रम के उद्घाटन कर्ता खढ मंत्री श्रीधर बाबु होंगे। इस अवसर पर पूर्व सांसद डॉ गिरीश संघी और अर्बन कंपनी के सीईओ वरुण खेतान को अग्र रत्न से सम्मानित किया जाएगा। दोनों कन्वेंशन में अलग अलग भोजन की व्यवस्था होगी। क्लासिक 3 के मंचीय

कार्यक्रम का लाईव प्रसारण अतिथि में देखा जा सकेगा। 7:30 बजे से भोजन प्रारंभ के उपरांत रात्री 9.00 बजे से क्लासिक 3 में प्रख्यात कवि डॉ कुमार विश्वास के संचालन में कवि सम्मेलन तथा अतिथि कन्वेंशन में डांडिया का प्रारंभ होगा।

दोनों कार्यक्रम में प्रवेश निर्धारित प्रवेश पत्रों से ही होगा। सुरक्षा की दृष्टि से 7.30 बजे के बाद, कन्वेंशन पूरी तरह से भर जाने के बाद अथवा अन्य किसी भी स्थिति में भी प्रवेश पत्र रहने के बाद भी प्रवेश रोका जा सकता है। आयोजन समिति ने पास धारकों से 7.00 बजे हाल में प्रवेश कर स्थान ग्रहण करने का निवेदन किया है।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, उपाध्यक्ष– रुपेश अग्रवाल– सचिव विकास केशान, सह सचिव तथा कार्यक्रम की मुख्य संयोजिका डॉ सीमा जैन, कोषाध्यक्ष और जयंती के सहसंयोजक अचल गुप्ता, निवर्तमान अध्यक्ष मनीष गुप्ता तथा समाज के अन्य पदाधिकारियों ने अग्र बंधुओं को अग्रसेन जयंती की शुभकामनाएं देते हुए जयंती को सफल बनाने का आवाहन किया है।

यह जयंती महोत्सव महाराजा अग्रसेन के सामाजिक समरसता, सहकारिता और परोपकार के आदर्शों को पुनर्जीवित करने का अवसर प्रदान करता है। तेलंगाना में अग्रवाल समाज के इस आयोजन से न केवल सांस्कृतिक धरोहर को मजबूती मिलेगी, बल्कि सामुदायिक एकता भी मजबूत होगी। विभिन्न आयोजनों के माध्यम से युवा पीढ़ी को उनके मूल्यों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, जो राज्य के सामाजिक–आर्थिक विकास में योगदान देगा।

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा चेस और कैरम प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती (5149वीं) समारोह के अंतर्गत विविध कार्यक्रमों की श्रृंखला में चेस और कैरम प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। 21 सितंबर 2025 को अग्रवाल बैंक्वेट हॉल में कैरम एवं शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

खेलकूद समिति के अध्यक्ष रमेश अग्रवाल द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार प्रतियोगिता का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन जी की पूजा–अर्चना से हुआ। यह पूजा–अर्चना अग्रवाल समाज के अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता ने संपन्न की। इस अवसर पर उपाध्यक्ष श्री रूपेश अग्रवाल, सचिव श्री विकास केशान, कोषाध्यक्ष श्री अचल गुप्ता एवं समाज के वरिष्ठ सलाहकार श्री बद्री विशाल बंसल भी उपस्थित रहे।

इस प्रतियोगिता का सफल संचालन मान सरोवर शाखा के द्वारा किया गया। खेलकूद समिति के सह–अध्यक्ष रोहित जैन, नेरज मोर, दिनेश अग्रवाल एवं अन्य सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कार्यक्रम के संयोजक हितेश अग्रवाल, निर्मल अग्रवाल एवं सौरभ अग्रवाल ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में खेल भावना के साथ–साथ समाजिक एकता को भी मजबूत करते हैं।अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल के चेयरमैन नवीन अग्रवाल ने विजेताओं को प्रोत्साहित करने हेतु चुनिंदे विजेता को चाँदी के सिक्के प्रदान किया। समाज की ओर से इस योगदान की सभी ने सराहना की।

प्रतियोगिता में समाज के सैकड़ों प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजेताओं को सम्मानित करते समय वातावरण तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। यह आयोजन अग्रवाल समाज की एकता और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण का प्रेरणादायी उदाहरण बना।अवसर पर मानसरोवर शाखा के शाखा प्रेसिडेंट रोहित गोयल, सचिव मुकेश अग्रवाल वाइज प्रेसिडेंट मनीष डोलरिया सह सचिव निर्मल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राजेश सर्राफ, केएस रोहित जैन, पूर्व प्रेसिडेंट नीरज मोर के साथ सलाहकार सत्यप्रकाश बंसल और अविरल बंसल हितेश अग्रवाल गौतम सर्राफ सौरभ अग्रवाल सूची गुप्ता प्रीतिका अग्रवाल और अरविंद सराफ आदि उपस्थित थे। मानसरोवर शाखा के मंत्री मुकेश अग्रवाल ने मानसरोवर शाखा के सभी पदाधिकारियों और महिला सदस्यों के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

विजेताओं की सूची

महिला वर्ग : शतरंज परिणाम
विजेता – वेदिका गोयल, उपविजेता – टीना अग्रवाल
पुरुष वर्ग : शतरंज परिणाम
विजेता – संदेश अग्रवाल, उपविजेता – अभिनव अग्रवाल
कैरम प्रतियोगिता : पुरुष वर्ग
विजेता – सुशील कुमार गुप्ता
उपविजेता – प्रवीण अग्रवाल जी
महिला वर्ग
विजेता – कमलेश मित्तल
उपविजेता – प्रभा अग्रवाल

यह प्रतियोगिता महाराजा अग्रसेन जयंती के उत्सव को और अधिक जीवंत बनाने के साथ–साथ अग्रवाल समाज के सदस्यों को एक मंच पर लाने में सफल रही। खेलकूद गतिविधियों के माध्यम से न केवल शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा मिला, बल्कि सामुदायिक बंधन भी मजबूत हुए। अग्रवाल समाज तेलंगाना ने इस तरह के आयोजनों को निरंतरता प्रदान करने का संकल्प लिया है, जो युवा पीढ़ी को उनके सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ेगा।

सात–दिवसीय श्रीकृष्ण कथा का समापन

हवन–यज्ञ के साथ भव्य आयोजन

हैदराबाद, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा श्री चिन्ना अनंतगिरी शिवालयम्, पिलर नंबर 143, अत्तापुर में आयोजित सात–दिवसीय श्रीकृष्ण कथा का समापन रविवार, 21 सितंबर 2025 को कथा स्थल पर हवन–यज्ञ के साथ भव्य रूप से किया गया।

इस पवित्र आयोजन में श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या कथा व्यास साध्वी आस्था भारती जी सहित सभी साध्वीवृंद, मुख्य यजमान, अन्य यजमानों और भक्तजनों ने आहुति दी। लगभग 500 लोगों ने इस यज्ञ में उत्साहपूर्वक भाग लिया।दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की साध्वी भावना भारती जी ने परम पूजनीय गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी के चरणों में आभार प्रकट करते हुए क्षेत्र–निवासियों, सहयोगी बंधुओं और सभी सहयोगी संस्थाओं का सप्रेम धन्यवाद किया। उन्होंने आयोजन की सफलता के लिए सभी के सहयोग को सराहा और इसे एक सामूहिक प्रयास का परिणाम बताया। इस श्रीकृष्ण कथा के दौरान 100 लोगों ने ब्रह्मज्ञान दीक्षा प्राप्त की, जिसके माध्यम से उन्होंने अपने हृदय में ईश्वरीय प्रकाश और भगवान के विभिन्न रूपों का दर्शन किया। गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी की कृपा से प्राप्त इन अपूर्व दिव्य अनुभवों ने सभी दीक्षा प्राप्तकर्ताओं को धन्यता का अनुभव कराया। यह दीक्षा आत्मिक जागृति और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करती है, जो संस्थान के प्रमुख उद्देश्यों में से एक है। यह सात–दिवसीय श्रीकृष्ण कथा न केवल भक्ति और आध्यात्मिकता का उत्सव थी, बल्कि सामुदायिक एकता और सहभागिता का भी प्रतीक बनी। हवन–यज्ञ के साथ समापन ने भक्तजनों में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार किया और श्रीकृष्ण के उपदेशों को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान का यह प्रयास लोगों को आध्यात्मिक मार्ग पर अग्रसर करने और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्व–पूर्ण कदम है।

उद्घाटन समारोह...
महाराजा अग्रसेन जयंती के पावन पर्व पर
अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा (पंजीकृत) की
तेलंगाना प्रदेश शाखा के कार्यालय का उद्घाटन
आज, सोमवार दि. 22 सितंबर, 2025 को
समय : दोपहर 01:25 बजे
स्थान : पाइप लाइन रोड, बालानगर, फतेहनगर, हैदराबाद
उद्घाटनकर्ता एवं मुख्य अतिथि :
श्री रामनिवास जी गुप्ता
(समाज सेवी एवं उद्योगपति)
आइए, इस शुभ अवसर पर सपरिवार उपस्थित होकर महाराजा श्री अग्रसेनजी का आशीर्वाद प्राप्त करें और कार्यक्रम को सफल बनाएँ।
कार्यक्रम के बाद अल्पाहार की व्यवस्था की गई है।
आप सभी सादर आमंत्रित हैं...
निवेदक : महेश अग्रवाल
(तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष)
फ़ोन : 91053 00059, 9394005600
Sky lamP
Manufacturer of : All kind of led Light's
Office:3-3-869,1st floor maharana pratap Bulding, kutbiguda, kachiguda, 500027
Contact No: 8309995058,7993835058

राजस्थानी प्रगति समाज एवं एक्ज़ीबिशन सोसाइटी द्वारा
53वाँ रामायण मेला एवं दशहरा सम्मेलन
सोमवार 22 सितम्बर से गुरुवार 2 अक्तूबर 2025 नुमाईश मैदान नामपल्ली, हैदराबाद
दशहरा सम्मेलन 53वाँ रामायण मेला
आज सोमवार 22 सितम्बर 2025
घट स्थापना
सायं 6.00 बजे
रामायण कवि सम्मेलन
अध्यक्षता : श्री वेणुगोपाल भट्टड़ सायं 7:31 बजे से
विशेष अतिथि : श्री अजित गुप्ता संचालन : पं. रामकृष्ण पाण्डेय
अतिथि : श्री जसमतभाई पटेल
अतिथि : श्री बृजगोपाल असावा
अतिथि : श्री मुरलीधर लोया
स्थान : शंकरजी मेमोरियल गर्ल्स हाई स्कूल, नुमाईश मैदान, नामपल्ली, हैदराबाद
कमलनारायण अग्रवाल – अध्यक्ष : राजस्थानी प्रगति समाज
गोविन्द राठी – प्रधान संयोजक
के. निरंजन – उपाध्यक्ष : प्रदर्शनी समिति
बी. सुरेन्द्र रेड्डी – मंत्री : प्रदर्शनी समिति
गिरधारीलाल डागा – कोषाध्यक्ष : रामायण मेला
मनोज जयसवाल – संयोजक
सुमीत राठी – संयोजक
रमेशचन्द्र व्यास, श्रीमती श्यामा नावन्दर, श्रीमती सुरेखा सारड़ा, श्रीमती रूबी मिश्रा, सुश्री सविता सोनी, नवल सांखला, लक्ष्मीकांत पाण्डे, जुगल सोनी, पंकज वर्मा, सुरेन्द्र मिश्रा, रमाकांत व्यास, उमेश मालाणी, दामोदर तिवारी, रूपम तुरखिया, संजय तिवाड़ी, विजय कुमार, विनोद कुमार, मणिकांत, प्रकाश, गणेश, नरसिम्हा
संयोजक : कलावती जाजू, रमेशकुमार बंग, नन्दगोपाल भट्टड़, प्रेमलता कांकाणी, रामदेव नागला, शकुंतला नावंदर, प्रेमचन्द शर्मा, विमल डालिया, लक्ष्मीनारायण राठी, भगतसिंह सोलंकी, राजेन्द्रकुमार सांखला, कोलेरु पवन कुमार, पवन मिश्रा, गड्डम रघु, श्रीनिवास लोया, घनश्याम तोष्णीवाल
SEVEN HILLS CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
Mehaboob Gunj : 15-9-372/13, Mehaboob Gunj, Hyderabad-12. Tel No: 24650044, 24650090 E-mail: ho@sevenhills.bank.in
Malakpet : 16-10-1/S/46, 1st Flr., Mehboob Mansion, Malakpet, Hyderabad-36, Tel No: 24552966, 24552977 E-mail: malakpet@sevenhills.bank.in
Attapur : 4-6-115/1, Plot No.6, 1st Floor, Lane Opp. Pillar No. 143, Kishan Bagh Road, Attapur, Hyderabad-48. E-mail : attapur@sevenhills.bank.in

श्री आईजी गौशाला में पितृपक्ष अमावस्या पर महाप्रसादी का आयोजन

हैदराबाद, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में पितृपक्ष अमावस्या के पावन अवसर पर गौसेवा और महाप्रसादी का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में गौशाला के पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों और बड़ी संख्या में गौभक्तों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का संचालन गौशाला के अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, सचिव हुक्माराम सानपुरा, सह सचिव ढगलाराम सेपटा, और कोषाध्यक्ष नारायणलाल परिहार ने किया। महाप्रसादी के लाभार्थी नेमाराम मुलेवा, भैराराम सोलंकी, जीताराम पंवार, धन्नाराम देवड़ा, मोतीलाल हाम्बड़, जेठाराम गेहलोत, वेनाराम चोयल, मांगीलाल चोयल, डायाराम सोलंकी, भंवरलाल बर्फा और मोहनलाल बर्फा थे, जिनके सहयोग से यह आयोजन संभव हो पाया। इस अवसर पर सभी गौभक्तों ने मिलकर गौसेवा की।

इस दौरान, श्री आईमाता जी भजन मंडली, बालाजी नगर के भजन गायक अचलाराम हाम्बड़, मोहनलाल हाम्बड़, पुष्पा सीरवी, गिरधारीलाल प्रजापत, भेराराम सैणचा, लोकेश, पीटू सागर और लक्ष्मण सुथार ने सुंदर भजन प्रस्तुत किए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। सभी उपस्थित लोगों ने भजनों का आनंद लिया और गौमाता का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस तरह का आयोजन समाज में सेवा और भक्ति की भावना को बढ़ावा देता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का विजयादशमी शताब्दी समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोलीगुड़ा स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (ठडड) की शाखा में विजयादशमी उत्सव और संघ के शताब्दी समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आचार्य गोविन्द राजू जी के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में स्वयंसेवक और गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

इस अवसर पर संघ के प्रचारक मल्लिकार्जुन जी और अमित जी ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने 1925 में नागपुर में संघ की स्थापना से लेकर अब तक के सफर और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संघ का शताब्दी समारोह पूरे भारत में मनाया जा रहा है, और इस आयोजन का उद्देश्य समाज के प्रति संघ के योगदानों का स्मरण करना है।कार्यक्रम में शिवाजी नगर संघ शाखा के सभी पदाधिकारी भी उपस्थित थे। इस समारोह में वी. पांडु यादव जी, पार्षद शंकर यादव, बेगम बाजार के रामपाल पाण्डेय, विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, रामशिरोमणि तिवारी, अवधेश परोहा, नीरज तिवारी, परेश रावल, योगेन्द्र, पवन मिश्रा, विवेक अग्रवाल, आशीष व्यास सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने हिस्सा लिया।

वक्ताओं ने राष्ट्र निर्माण, समाज सेवा और अनुशासन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संघ का उद्देश्य सिर्फ शारीरिक और मानसिक विकास करना ही नहीं, बल्कि एक ऐसे समाज का निर्माण करना है जो एकजुट हो और राष्ट्र के विकास में योगदान दे सके। यह शताब्दी समारोह संघ की दशकों पुरानी यात्रा का जश्न है और भविष्य के लिए एक नए संकल्प का प्रतीक भी है।

सीरवी समाज वॉलीबॉल प्रतियोगिता सम्पन्न

हैदराबाद, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीरवी समाज शमशाबाद बडेर में आयोजित दो दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का शानदार समापन हुआ। अखिल भारतीय सीरवी समाज द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में कुल बारह टीमों ने भाग लिया, जिन्होंने खेल भावना का शानदार प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता को दो ग्रुप में विभाजित किया गया था: ग्रुप 1: काटेदन किंग (कोबरा), चेन्नई वॉलीबॉल किंग, आईजी क्लब चेन्नई, हैदराबाद लायन, हैदराबाद टाइगर और मीरपेट।

ग्रुप 2: मैसूर, चेन्नई चेंगलपट्टू, विरामगुड़ा, सीरवी स्पोर्ट्स चेन्नई, आईजी स्पोर्ट्स शर्लिंगमपल्ली और शमशाबाद बुल्स।

सभी टीमों के खिलाड़ियों ने अपने जोश और जज्बे के साथ अपनी योग्यता का बेहतरीन प्रदर्शन किया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद, सीरवी स्पोर्ट्स चेन्नई ने प्रथम स्थान, मैसूर ने द्वितीय स्थान और चेन्नई वॉलीबॉल किंग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विजेता टीमों को शमशाबाद बडेर द्वारा वॉलीबॉल कप और नकद राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को मेडल देकर उनका अभिनंदन किया गया।

इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन और समापन में सीरवी समाज के कई गणमान्य पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। इनमें सोहनलाल हाम्बड़, मोहनलाल हाम्बड़, जसराम सोलंकी, परसराम बर्फा, मोतीराम मादावत, पारसीगुटा महिला मंडल की अध्यक्ष सुशीला देवड़ा, और शमशाबाद बडेर के अध्यक्ष आसाराम गहलोत शामिल थे।

इसके साथ ही, उपाध्यक्ष चेलाराम काग और बाबूलाल पंवार, सचिव भोलाराम पवार, सहसचिव नरेश परिहार, कोषाध्यक्ष राजूराम परिहार, शिक्षा समिति के सचिव भीकाराम काग, सलाहकार भूराराम परिहार, हरिराम परिहारिया, जगदीश काग, रतनलाल बर्फा, खेल मंत्री पुखराज पवार और मीडिया प्रभारी हेमंत काग भी मौजूद थे। इस पूरे आयोजन का सीधा प्रसारण सीरवी समाज संपूर्ण भारत डॉट कॉम पर किया गया, जिससे दूर बैठे लोग भी इसका हिस्सा बन सके।

शिवमहापुराण कथा का आयोजन 28 से

हनुमान मंदिर में हरि कीर्तन और गौसेवा सम्पन्न

हैदराबाद, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुड्स शेड रोड, मूसापेट में स्थित श्री संकट मोचन प्राचीन हनुमान मंदिर में पितृपक्ष अमावस्या और सूर्यग्रहण के पावन अवसर पर अयोध्या के संतों के सानिध्य में हरि कीर्तन और गौसेवा कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। मंदिर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई।रविवार, 21 सितंबर 2025 को हुए इस कार्यक्रम में महामंडलेश्वर संतश्री मदनमोहनदासजी महाराज (अयोध्या), बनारसी बाबा, अखिल भारतीय हिंदू महासभा तेलंगाना के अध्यक्ष स्वामी कमलेश महाराज, लव फॉर काउ के चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, तेलंगाना गौशाला फेडरेशन के अध्यक्ष महेश अग्रवाल, समाजसेवी रमेश मझेठिया, भद्रनाथ मंदिर (मेडचल) के प्रकाश, निशा और भावना काकी जैसे गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। सभी ने अपनी ओर से गौसेवा के लिए सहयोग राशि की भी घोषणा की।इस अवसर पर स्वामी कमलेश महाराज ने कहा कि भले ही यह सूर्यग्रहण भारत में दिखाई न दे, लेकिन इस दौरान भक्त शिरोमणि हनुमानजी की पूजा का विशेष महत्व होता है। उन्होंने बताया कि जो व्यक्ति ग्रहण काल में हनुमान मंदिर या गौशाला में जप, तप और ध्यान करता है, उसे एक वर्ष तक ग्रहों की प्रतिकूलता परेशान नहीं करती और ग्रहण का अशुभ प्रभाव भी पूरी तरह समाप्त हो जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि हनुमान मंदिर में जो व्यक्ति हनुमान स्तोत्र का पाठ करता है, उसे छाया ग्रह स्पर्श नहीं कर सकते, क्योंकि हनुमानजी ने बचपन में ही सूर्य को निगल लिया था, जिसके बाद देवताओं ने उन्हें यह वरदान दिया था। मदनमोहनदास महाराज ने घोषणा की कि गुड्स शेड रोड, मूसापेट स्थित श्री संकट मोचन प्राचीन हनुमान मंदिर में 28 सितंबर से 4 अक्टूबर 2025 तक शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा। इसमें गुजरात के ललितनगर से विख्यात कथावाचक पंडित श्री ललितजी नागर अपनी अमृतवाणी से सभी को शिव महापुराण कथा का रसपान कराएंगे। कथा का समय प्रतिदिन दोपहर 12:15 बजे से शाम 4:15 बजे तक रहेगा। यह कथा समस्त मार्बल कॉन्ट्रैक्टर ग्रुप (राजस्थान) की ओर से आयोजित की जा रही है और इसका सीधा प्रसारण बीआरएस यूट्यूब चैनल पर किया जाएगा। कथा से प्राप्त सहयोग राशि का उपयोग गौशाला के लिए किया जाएगा।4 अक्टूबर 2025 को अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर से श्रीश्री 1008 परम पूज्य कमल नयनदासजी महाराज भी पधारेंगे। उन्होंने सभी 36 बिरादरियों के भक्तों से अनुरोध किया कि वे सपरिवार और मित्रों सहित पधारकर कथा का आनंद लें और महाराज कमल नयनदासजी के दर्शन कर अपने जीवन को धन्य बनाएं।इसी क्रम में, शिव महापुराण कथा के पोस्टर का विमोचन भी किया गया, जिसमें महंत मदनमोहन महाराज, स्वामी कमलेश महाराज, बनारसी बाबा, जसमत पटेल, रिद्धीश जागीरदार, रमेश मझेठिया, महेश अग्रवाल, प्रकाश, निशा और भावना काकी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

स्वामी कमलेश महाराज ने कहा कि श्री हरि नाम कीर्तन से श्रीरामजी की शक्ति जागृत होती है। इसके साथ ही, हमें गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने, उनके सम्मान की लड़ाई लड़ने और गौशालाओं की आर्थिक कठिनाइयों को दूर करने के लिए भी संकल्प लेना होगा।लव फॉर काउ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल ने धर्मप्रेमियों से गौसेवा के लिए दान देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जन्मदिन, शादी की सालगिरह या किसी भी शुभ अवसर पर गौमाता के लिए दान देकर जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में, बड़ी संख्या में बच्चों ने प्रतिदिन गौमाता के लिए एक रुपया बचाने का संकल्प लिया।

राजस्थानी प्रगति समाज द्वारा रामायण मेला की घट सथापना एवं कवि सम्मेलन की तैयारियों का जायजा लेते हुआ प्रधान संयोजक गोविन्द राठी एवं मनोज जायसवाल।

अमावस्या के अवसर पर शिवमंदिर गौशाला में गौ सेवा के बाद उपस्थित गोवर्धन दास तापड़िया, राजकिशोर हेडा, सतीश अग्रवाल, आनंद तिवारी, पंकज वर्मा, अनिल बजाज, दिनेश सिंह, पवन तिवारी, रितेश पित्ती, श्लोक पित्ती, हेमा तिवारी, सोनाली वर्मा, खुशबू पित्ती, चेतना अग्रवाल एवं अन्य।

जियागुडा स्थित श्री समर्थ कामधेनु गोशाला मेंअमावस्या पर गौसेवा करते हुए गोशाला के प्रभु दत्त महाराज, हरिकिशन मायच्छ, बृजगोपाल कड़ेल, सत्यनारायण मौसूण (पहलवान), पुरुषोत्तम अग्रवाल, पंकज वर्मा, गोविंद कड़ेल, यशमित वर्मा एवं अन्य।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

निविदा सूचना सं.: 2x25kV-OHE-KMT-KI-17 दि. : 19.09.2025 PUB/1159

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत मुख्य विद्युत अभियंता (परियोजनाएं), सिकंदराबाद द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए (ऑनलाइन) ई-निविदाएं आमंत्रित हैं:

निविदा सं.: 2x25kV-OHE-KMT-KI-17 **कार्य का विवरण:** दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद डिवीजन के खम्मम (KMT)-कोंडपल्ली (KI) (शामिल) खंड में मौजूदा 1X25kV प्रणाली को 2X25kV एटी फीडिंग सिस्टम में अपग्रेड करने के लिए ओएचई (ओवरहेड इक्विपमेंट) का डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग, जिसमें फीडर और अर्थिंग कार्य शामिल हैं। कुल 85 आरकेएम/205 टीकेएम। **अनुमानित मूल्य:** ₹123,48,60,109.52 **बयाना राशि का ऑनलाइन भुगतान किया जाना चाहिए:** ₹63,24,300.00/- **निविदा प्रपत्र की लागत:** शून्य **पूरा करने की अवधि:** 18 महीने (अठारह महीने) **निविदा खोलने का स्थान:** सिकंदराबाद **ई-निविदा (ऑनलाइन) बंद होने की तिथि और समय:** 07.11.2025, 15:00 बजे **ई-निविदा (ऑनलाइन) खुलने की तिथि और समय:** 07.11.2025, 16:00 बजे

यदि निविदा खुलने की तिथि बाद में किसी घोषित अवकाश के दिन पड़ती है, तो निविदाएं अगले कार्य दिवस पर निर्धारित समय पर खोली जाएंगी।

अन्य निविदा शर्तों/विवरण और निविदा जमा करने के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें।

नोट: निविदा दस्तावेजों में कोई भी संशोधन/शुद्धिपत्र/परिशिष्ट, यदि आवश्यक हो, तो उपरोक्त वेबसाइट पर पोस्ट किया जाएगा।

मुख्य विद्युत अभियंता (परियोजनाएं), सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं.: G/E.29/Tr./Tender Notice/22/2025-26 दि. : 18-09-2025 PUB/1160

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत सीनियर डिवीजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/ट्रैक्शन/ गुंटकल, निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं.: GTL-TRD-29-eTN-44-2025-26 **कार्य का नाम:** SW- I:- गुंटकल डिवीजन - HX-KNLP खंड में कई जोड़ों वाले पुराने कैटेनरी वायर को बदलना। SW- II:- गुंटकल डिवीजन - GTL डिवीजन के स्टेशनों/SP/SSP/TSS पर सार्वजनिक सुरक्षा कार्य। **अनुमानित मूल्य:** ₹1,13,89,289/- **पूधरा :** ₹2,07,000/-

निविदा बंद होने की तिथि और समय: 10.10.2025 को 15:00 बजे

नोट: निविदा दस्तावेज, निविदादाताओं द्वारा **www.ireps.gov.in** से निःशुल्क डाउनलोड किए जा सकते हैं।

निविदा की बोली लगाने और अन्य विवरणों के लिए **http://www.ireps.gov.in** पर लॉग इन करें। यदि कोई शुद्धिपत्र होगा तो वह केवल ऑनलाइन जारी किया जाएगा।

सीनियर डिवीजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, ट्रैक्शन, गुंटकल

निविदा सं.: GTL-EM-42-2025-26 दिनांक: 19.09.2025 PUB/1161

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से, सीनियर डिवीजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/ मेंटेनेंस/ गुंटकल, निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं.: GTL-EM-42-2025-26 **कार्य का नाम:** गुंटकल डिवीजन I. राजमपेटा: एबीएस चरण II के तहत स्टेशन का प्रस्तावित उन्नयन। 1) प्लेटफॉर्म सतहों में सुधार, 2) सर्कुलेटिंग एरिया आदि में सुधार। 3) इलेक्ट्रिकल-मेंटेनेंस कार्य, 4) डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड, एस एंड टी कार्य 5) इलेक्ट्रिकल-टीआरडी कार्य 6) दिव्यांग काउंटर और शौचालयों के लिए विद्युत व्यवस्था, II. तादिपत्री: अमृत स्टेशनों के तहत प्रस्ताव जिसमें (1) प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर नया अपर क्लास वेटिंग हॉल, (2) प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर पुराने भवन को तोड़कर कंपाउंड वॉल को स्थानांतरित करना, (3) प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर नया शौचालय ब्लॉक, (4) डिजिटल डिस्प्ले बोर्डों के लिए विद्युत व्यवस्था। **विज्ञापित मूल्य:** ₹4,00,93,036.08/- **बंद होने की तिथि और समय:** 10-10-2025 को 15:00 बजे

निविदा की बोली लगाने और अन्य विवरणों के लिए **http://www.ireps.gov.in** पर लॉग इन करें। यदि कोई शुद्धिपत्र होगा तो वह केवल ऑनलाइन जारी किया जाएगा। निविदा दस्तावेज, निविदादाताओं द्वारा **http://www.ireps.gov.in** से निःशुल्क डाउनलोड किए जा सकते हैं।

सीनियर डिवीजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, मेंटेनेंस, गुंटकल

निविदा सं.: GTL-EM-25-2025-26 दिनांक: 19.09.2025 PUB/1162

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत सीनियर डिवीजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/ मेंटेनेंस/ गुंटकल, निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं.: GTL-EM-25-2025-26 **कार्य का नाम:** गुंटकल डिवीजन: 1. धर्मावरम स्टेशन पर प्रस्तावित आरपीएफ के निर्माण के लिए विद्युत व्यवस्था। 2. धर्मावरम: पुराने जर्जर स्वास्थ्य इकाई भवन के स्थान पर नई स्वास्थ्य इकाई के निर्माण का प्रस्ताव-विद्युत व्यवस्था।

विज्ञापित मूल्य: ₹37,53,669.10/-

बंद होने की तिथि और समय: 10-10-2025 को 15:00 बजे

निविदा की बोली लगाने और अन्य विवरणों के लिए **http://www.ireps.gov.in** पर लॉग इन करें। यदि कोई शुद्धिपत्र होगा तो वह केवल ऑनलाइन जारी किया जाएगा। निविदा दस्तावेज, निविदादाताओं द्वारा **http://www.ireps.gov.in** से निःशुल्क डाउनलोड किए जा सकते हैं।

नोट: इस ई-निविदा में भाग लेने/बोली लगाने के लिए, निविदादाता के पास वैध डीएससी (डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र) होना चाहिए।

सीनियर डिवीजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, मेंटेनेंस, गुंटकल

निविदा सूचना सं.: 06-Mech-TOP-R1-TPTY-25-26 दि. : 17.09.2025 PUB/1163

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत Dy.CME/CRS/TPTY, द्वारा निविदा संख्या के विरुद्ध ई-निविदाएं आमंत्रित हैं, जिसमें समापन तिथि नीचे 11:00 बजे तक है। बोली लगाने वाले अपनी मूल/संशोधित बोली केवल समापन तिथि और समय तक ही जमा कर सकेंगे। इस निविदा के विरुद्ध मैनुअल ऑफ़र की अनुमति नहीं है, और ऐसा कोई भी मैनुअल ऑफ़र प्राप्त होने पर उसे अनदेखा कर दिया जाएगा।

निविदा सं.: 06-Mech-TOP-R1-TPTY- 25-26
दिनांक: 17.09.2025
कार्य का विवरण: टीपीवाईएस और एलजीडीएस में ईएमयू/मेमू कोचों में ट्रांसफॉर्मर ऑयल पाइपलाइन का संशोधन।
अनुमानित लागत: ₹79,48,480/-
बोली सुरक्षा: ₹1,59,000
पूरा करने की अवधि: 24 महीने
बंद होने की तिथि: 09.10.2025 11:00 बजे
वेबसाइट का विवरण: www.ireps.gov.in
नोटिस बोर्ड स्थान जहां निविदा का पूरा विवरण देखा जा सकता है: मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, कैरिज रिपेयर शॉप, तिरुपति का कार्यालय।

आगे की निविदा शर्तों/विवरणों (जो निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध हैं) और निविदा दस्तावेजों, शुद्धिपत्र को डाउनलोड करने के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट https://www.ireps.gov.in

डिप्टी चीफ मैकेनिकल इंजीनियर, कैरिज रिपेयर शॉप, तिरुपति

निविदा सूचना सं.: 38/2025 दिनांक: 19.09.2025 PUB/1164

स्टोर आइटम की आपूर्ति।
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना:
निम्नलिखित निविदाएं ऑनलाइन जारी की गई हैं। निविदादाताओं से अनुरोध है कि वे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं और अपने ऑफ़र ऑनलाइन जमा करें। निविदा का विवरण, मात्रा, ईएमडी, एसडी वेबसाइट पर देखा जा सकता है। मैन्युअल रूप से जमा किए गए ऑफ़र स्वीकार नहीं किए जाएंगे। डाक द्वारा भेजे गए ऑफ़र पर विचार नहीं किया जाएगा।
निविदा बंद होने का समय निविदा की देय तिथि को 14:30 बजे है। सभी स्वदेशी ऑफ़र के लिए, ईएमडी केवल www.ireps.gov.in पर उपलब्ध ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से ही स्वीकार किया जाएगा।

निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण
90251041B	बी माइल्ड स्टील इक्वल लेग एंगल 40मिमीX40मिमीX6मिमी, लंबाई 6 मीटर
91251125	एल्यूमीनियम चेकर शीट 2.03X813X2960मिमी। पदनाम 65032 टी6
79251448	हैंडलूम कॉटन बेडशीट
30253448A	स्टेनलेस स्टील का कचरा पात्र
60256257	स्पेशल फिश प्लेट टी-2572
45251528	हाई कैपेसिटी इंटर-व्हीकल कपलर, जेडएस कपलिंग 500ए
43251072	डिस्कनेक्टिंग और अर्थिंग डिवाइस, 8 पोल, 2 वे
LY255173A	25 केवी एसी पारंपरिक मेनू ट्रांसफॉर्मर 1050 केवीए
56251200	लीड एसिड स्टेशनरी सेकेंडरी सेल 300 एएच
66256618	सर्किट ब्रेकर आदि की खरीद, ट्रैक मशीन
60256234	1 इन 8.5 डायमंड क्रॉसिंग विद सिंगल स्लिप्स की खरीद
56251199	लीड एसिड स्टेशनरी सेकेंडरी सेल 200 एएच
29255018	रूफ माउंटेड एयर कंडीशनिंग सिस्टम आदि की आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग।

नोट: निविदा खुलने की देय तिथियां: क्रम.सं. 01 की दि.07.10.2025 है।क्रम.सं. 02 से 04 की दि.09.10.2025 है।क्रम.सं. 05 और 06 की दि.13.10.2025 है। क्रम.सं. 07 की दि.14.10.2025 है। क्रम.सं. 08 की दि.15.10.2025 है। क्रम.सं. 09 की दि.21.10.2025 है। क्रम.सं. 10 की दि.22.10.2025 है। क्रम.सं. 11 की दि.23.10.2025 है।क्रम.सं. 12 की दि.27.10.2025 है। क्रम.सं. 13 की दि.16.10.2025 है।

शुद्धिपत्र

निविदा सूचना सं. 34/2025 दि. 21.08.2025 निविदा सं. 56251190, जिसकी देय तिथि 23.09.2025 है, जिसका संक्षिप्त विवरण है: लाल, हरा, पीला पहलू, मुख्य एलईडी सिग्नल को मौजूदा तिथि के बजाय देय तिथि 08.10.2025 पढ़ा जाए।

उपरोक्त उल्लिखित निविदाओं के अलावा, अन्य निविदाएं भी हैं जिनका मूल्य 50 लाख रुपये से अधिक है, विवरण के लिए कृपया उपरोक्त रेलवे वेबसाइट पर जाएं।

प्रिंसिपल चीफ मैटेरियल्स मैनेजर/ सिकंदराबाद
A1464

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट : www.ireps.gov.in या http://www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, R KANIMOLI Daughter of Service No JC 287390L Sub (OPR) RAVISANKAR M, Resident of Vill:Santhanoor, P.O:Dhamodrahalli,Teh:PochamPalli, Dist:Dharmapuri, Tamilnadu-635123 have changed my name from R KANIMOLI to KANIMOZHI R vide affidavit dt:20-9-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, SONVATI PATEL W/o Chandra Shekhar Prasad Patel, am the biological mother of No. 4289532P, Rank HAV, Name- SUNIL KUMAR PATEL, presently posted with 20 BIHAR C/o. 56 APO, resident of Village-Katheri, Post-BelwaPaikan, Tehsil-Mangawan, Dist-Rewa, State-MP, Pin-486114, do hereby state that my Name & Date of Birth has been wrongly entered/recorded as "SONKALI PATEL & 07 SEP 1972" in my son's service documents by mistake. My correct Name & Date of Birth is "SONVATI PATEL & 01 JAN 1974", for all future record purposes, vide Affidavit No. X472118 dated 21 Sep 2025

CHANGE OF NAME
I, CHANDRA SHEKHAR PRASAD PATEL S/o Dyaram Patel, am the biological father of No. 4289532P, Rank HAV, Name- SUNIL KUMAR PATEL, presently posted with 20 BIHAR C/o. 56 APO, resident of Village-Katheri, Post-BelwaPaikan, Tehsil-Mangawan, Dist-Rewa, State-MP, Pin-486114, do hereby state that my Name has been wrongly entered/recorded as "CHANDRASHEKHAR PATEL" in my son's service documents by mistake. My correct Name is "CHANDRA SHEKHAR PRASAD PATEL", for all future record purposes, vide Affidavit No. AB432494 dated 20 Sep 2025.

विश्व मंगल गौशाला में पितृपक्ष अमावस्या पर गौसेवा और महाप्रसादी का आयोजन

मेडचल, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सोमाराम गाँव, मेडचल स्थित विश्व मंगल गौशाला में पितृपक्ष अमावस्या के पावन अवसर पर गौभक्तों द्वारा तन-मन-धन से गौसेवा का आयोजन किया गया। इस दौरान, गौमाता के प्रति भक्ति और समर्पण की भावना देखने को मिली।

इस शुभ कार्यक्रम में भोजन प्रसादी की व्यवस्था श्री रामचंद्र सुथार और श्री स्टील फतेहनगर की तरफ से की गई। वहीं, गौमाता के लिए हरे घास की व्यवस्था का ज़िम्मा भगवान सिंह और गजेंद्र सिंह ने उठाया।

इसके अलावा, नेमीचंद सुथार, बाबूलाल नायक, गोपाल दास अग्रवाल, मोहनलाल चौधरी, सोहनलाल और लक्ष्मी माजीसा ग्रुप हैदराबाद ने भी गौशाला के लिए अपना महत्व-पूर्ण योगदान दिया।

इस अवसर पर, भीकाराम, महेंद्र सिंह अगलेचा, चेना राम, नारायण सुथार, डिंपल मेटल, महिला मंडल, मुलगु पवनी, बाबूलाल प्रताप राम, इंद्रा देवी और मोहन सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में, गौशाला के अध्यक्ष टीवी सुरेश और उदय भास्कर, तथा मुख्य सचिव शांतिलाल सुथार ने सभी उपस्थित लोगों और दानदाताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में गौसेवा के प्रति जागरूकता बढ़ती है और यह एक महत्वपूर्ण धार्मिक और सामाजिक कर्तव्य है।

मधुसूदन गुप्ता की पुण्यतिथि पर किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को पितृपक्ष की अमावस्या पर स्वर्गीय श्री मधुसूदन जी गुप्ता की पुण्य तिथि के अवसर पर अन्नदान किया गया।

नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिल्लर नंबर 1265 ए के पास आयोजित नियमित अन्नदान में आज की सेवा मैसर्स इंदरलाल बालमुकुंद जेम एंड ज्वेलर्स तथा श्रीमती मधु गुप्ता एवं गुप्ता परिवार, श्रीमती अनिता नथानी एवं परिवार,श्रीमती इंदिरा जी मितल एवं परिवार, श्रीमती माया जी अग्रवाल एवं परिवार, रमेश जी जैन एवं परिवार, महेश अग्रवाल एवं परिवार, श्रीकिशन राधेश्याम कानोडिया एवं परिवार, श्री श्याम सुंदर राकेश रौशन अग्रवाल एवं परिवार तथा श्री हरिश तोलाराम हिंदुजा परिवार की औरसे की गई।

अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, जगतनारायण अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, ई-जगन चम्पापेट, मनोज शर्मा, संजय गोयल, किरण गोयल, गौरव गोयल, बरखारानी, गोपाल गोयल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, प्रीतिका अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, दीति, अनिका, क्रियाश, अक्षत जैन, रमेश जैन, खुशबू जैन, इंद्रा मितल, माया अग्रवाल, मधु अग्रवाल, सुचि गुप्ता, ध्रुव गुप्ता, सुलोचना देवी, जितेंद्र गुप्ता,मीना गुप्ता, राजेश नथानी, अनिता नथानी, सुरेश डालमिया, मनीष अग्रवाल, श्याम सुंदर अग्रवाल, भगतराम गोयल, दिनेश गोयल, शिल्पा , हरिश तोताराम हिंदुजा, शामी हरिश हरिश हिंदुजा आदि उपस्थित थे।

ओमप्रकाश सिंघानिया की पुण्य स्मृति में किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में पितृपक्ष की अमावस्या के अवसर पर बेगम बाजार स्थित भूदेवी माता मंदिर के पास गौशाला पर स्वर्गीय श्री ओमप्रकाश सिंघानिया की पुण्य स्मृति में अन्नदान किया गया।

नियमित अन्नदान की आज की सेवा मुन्नालाल ओमप्रकाश सिंघानिया परिवार की और से की गई।

इस अवसर पर जगतनारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, विनोद तोशनीवाल, रितेश गुप्ता, अरुण विजयवर्गीय, शिव भगवान, सुरेश डालमिया, गोविंद राम पचेरीया, सुनील भाई, गुरुवीर सिंह, ज्योति अग्रवाल, पवन गोयल, प्रथम गोयल, प्रियाल अग्रवाल, छाया गोयल, ध्वनि गोयल, दिशा गोयल, निति गोयल,मनोज शर्मा, आशीष एवं किशन पाल उपस्थित थे।

मॉर्निंग स्टार हाईस्कूल के विद्यार्थियों ने एनआईआईएमएच में आयुर्वेद प्रदर्शनी का दौरा किया

हैदराबाद, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो) मॉर्निंग स्टार हाईस्कूल, गड्डीअन्नारम के सौ से अधिक विद्यार्थियों ने आज राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (एनआईआईएमएच) में आयोजित आयुर्वेद प्रदर्शनी का दौरा किया। यह दौरा संस्थान के प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. जी.पी. प्रसाद और स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती गीता के मार्गदर्शन में हुआ।

यह प्रदर्शनी 10वें आयुर्वेद दिवस (23 सितंबर, 2025), 'पोषण माह' और 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान के तहत लगाई गई है। इसका मुख्य उद्देश्य आहार और औषधीय पौधों के माध्यम से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।विद्यार्थियों और शिक्षकों ने प्रदर्शनी के साथ-साथ संस्थान के पुस्तकालय, संग्रहालय और औषधीय उद्यान का भी दौरा किया। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से आयुर्वेद के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर, डॉ. जी.पी. प्रसाद ने बच्चों के स्वास्थ्य में उचित पोषण के महत्व पर एक व्याख्यान दिया। सहायक निदेशक (आयुर्वेद) डॉ. सुबोस ने दिनचर्या और ऋतुचर्या के लाभों को समझाया। इसके अलावा, अनुसंधानकर्ता (आयुर्वेद) डॉ. दीपिका ने छात्राओं को व्यक्तिगत स्वास्थ्य से जुड़े उपाय बताए। प्रदर्शनी में संस्थान की उपलब्धियों को दर्शाने वाले पोस्टर, सूखे वानस्पतिक नमूने और अन्य सामग्री विद्यार्थियों के बीच आकर्षण का केंद्र रही।

कार्यक्रम के अंत में, विद्यार्थियों को पौष्टिक बिस्किट, जूस, शैक्षिक सामग्री और औषधीय पौधे निःशुल्क वितरित किए गए। इस दौरान सुश्री वर्षा कुमारी, डॉ. सत्यव्रत नंदा, डॉ. नागराजू, श्री प्रताप और डॉ. साकेत राम उपस्थित थे। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. संतोष माने ने किया और पुस्तकालय सूचना सहायक श्री के. श्रीनिवास राव ने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और स्कूल स्टाफ का आभार व्यक्त किया।

मां दुर्गा की कृपा संस्था ने किया पितृ पक्ष में नित्य अन्न प्रसाद का आयोजन

हैदराबाद, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मां दुर्गा की कृपा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा पितृ पक्ष के दौरान नित्य अन्न प्रसाद का आयोजन किया गया। पितृ पक्ष की अमावस्या के शुभ अवसर पर इस सेवा का समापन हुआ। इस दिन विशेष रूप से पूरी, आलू की सब्जी, बिरयानी, गुलाब जामुन, खीर और रवा का शीरा तैयार किया गया था। यह आयोजन उन सभी पितरों की तृप्ति के लिए किया गया जो इस जगत में भटकते हैं, ताकि उनका उद्धार हो सके।संस्था के सदस्यों ने बताया कि यह सेवा सोनासर बाबा की प्रेरणा और श्याम बाबा के आशीर्वाद से सफलतापूर्वक संपन्न हुई। ट्रस्ट के संस्थापक ने इस कार्य में सहयोग करने वाले सभी देवताओं, सिद्धों, गुरुजनों और अपने-अपने पितरों का धन्यवाद किया। उन्होंने इस कार्य में हाथ लगाने वाले सभी लोगों का भी दिल से आभार व्यक्त किया।ट्रस्ट के संस्थापक ने आगे भी बाबा की प्रेरणा से हर तरह की सेवा के लिए तत्पर रहने का संकल्प लिया। आज की सेवा में विशेष योगदान देने वाले सदस्यों में अशोक सोलानावाले, योगेश खत्री, मंजू अग्रवाल, रेखा तुलसियान, और मीता खत्री शामिल थे, जिनका विनय किशोर तायल ने विशेष रूप से धन्यवाद किया।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप

श्री प्रेमचन्दजी धानधनिया
के 75वें जन्मदिवस के अवसर पर
श्री धानधनिया परिवार
वितरण स्थल : मेट्रो पिल्लर नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड एवं भू-लक्ष्मी माता गौशाला, बेगम बाज़ार
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

एनकेएस ग्रुप द्वारा पितृ अमावस्या पर भोजन और गौसेवा का आयोजन

हैदराबाद, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रविवार को, पितृ अमावस्या के शुभ अवसर पर, एन.के.एस. ग्रुप के चेयरमैन एन.के. सिंह और उनके परिवार ने सेवा और पर-ोपकार के कार्यों में भाग लिया। उन्होंने सबसे पहले साहब नगर, वनस्थलीपुरम स्थित शांति निकेतन अनाथ आश्रम में मानसिक रूप से परेशान लोगों को भोजन कराया। इस दौरान, अनाथ आश्रम में रहने वालों को दोपहर के भोजन में पूरी, सब्जी, जलेबी और केले दिए गए। इस सेवा कार्य के बाद, उन्होंने रेणुका एन्नमा गौशाला में जाकर गौसेवा भी की। इस अवसर पर एन.के. सिंह के साथ नंद किशोर सिंह, अमरजीत सिंह और आदित्य सिंह सहित परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद थे। यह पहल समाज के वंचित और कमजोर वर्गों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सिखवाल ब्राह्मण समाज हैदराबाद युवा समिति द्वारा अमावास्या पर फीलखाना स्थित आर्यन स्पोर्ट्स क्लब के पास राहगीरों को भोजन प्रसाद वितरित किया गया। जिसमे सैकड़ों राहगीरों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर आयोजन समिति के युवा सदस्यगण उपस्थि थे।

इम्लीबन गौशाला में अमावस्या पर गौ सेवा करते हुए जामबाग डिविजन के पार्षद राकेश जायसवाल एवं अन्य।

Agarwal Manav Seva Manch
email : agarwalmanavsevamanch@gmail.com
5149वीं अग्रसेन जयंती
पर आप सभी बंधुओं को शुभकामनाएँ
सोमवार 22 सितम्बर 2025
अन्नदान कार्यक्रम
मध्याह्न 12:30 बजे । डॉ. ईश्वरचंद सेवा भारती अस्पताल, सीतारामबाग
महाराज अग्रसेनजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण
मध्याह्न 2 बजे । अग्रसेन चौक रोड नं. 12, बंजारा हिल्स
अग्रवाल समाज, तेलंगाना द्वारा आयोजित
श्री अग्रसेन जयन्ती भव्य समारोह
सायं 6:00 बजे । क्लासिक-3 कन्वेन्शन सेंटर, शमशाबाद
इस पावन अवसर पर सभी स्वजातीय बंधुओं से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर कार्यक्रम को सफल बनाएँ।

अग्रवाल महासभा की तेलंगाना शाखा का कार्यालय उद्घाटन आज

हैदराबाद, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाराजा श्री अग्रसेन जयंती के पावन अवसर पर, अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा की तेलंगाना प्रदेश शाखा का नया कार्यालय बालानगर, फतेहनगर में पाइपलाइन रोड पर स्थापित किया जा रहा है। इसका उद्घाटन आज, सोमवार दि. 22 सितंबर को किया जा रहा है।

तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष महेश अग्रवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि यह उद्घाटन समारोह दोपहर 01:25 बजे होगा। इस अवसर पर समाजसेवी श्री रामनिवास जी गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे और उन्हीं के कर कमलों से कार्यालय का उद्घाटन संपन्न होगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश अग्रवाल के मार्गदर्शन में, पिछले काफी समय से इस कार्यालय की स्थापना पर विचार चल रहा था, और अब इसे मूर्त रूप दिया जा रहा है। श्री महेश अग्रवाल ने सभी अग्रबंधुओं से अनुरोध किया है कि वे इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बनें। कार्यक्रम के बाद अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई है।

AGRASEN BANK
अग्रसेन बैंक
Estd.1998
अग्रसेन बैंक की ओर से आप सभी को 5149वीं
महाराजा अग्रसेन जयन्ती
की शुभकामनायें

एक की महिमा सिखाने वाले
सिर्फ एक महाराजा अग्रसेन
एक विचारक, एक दार्शनिक, एक समाज सुधारक जो स्वयं से पहले अपनी प्रजा के बारे में सोचते थे. एक ईंट और एक रुपये के छोटे से योगदान से अग्रसेन महाराज ने हर नागरिक को दानी बनाया और किसी ज़रूरतमंद के जीवन में एक बड़ा परिवर्तन लाये।
One more branch,
Opening Soon @ Madhapur
captionz.biz
THE AGRASEN CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
Siddiamber Bazar : 040 2473 6228
Malakpet : 040 2455 0351
Rikab Gunj : 040 2456 3981
Secunderabad : 040 2789 0309
Attapur : 040 2933 4577
Himayatnagar : 040 4524 2958
Banjara Hills : 040 4521 7880
Ameerpet : 040 4031 6689
Gagan Pahad : 040 24369939
Kukatpally : 040 45390406
www.agrasenbank.in
info@agrasenbank.in

सर्वे भवन्तु सुखिनः

अग्रवाल समाज (रजि.) तेलंगाना

Regd No. 160/98

मानव सेवा-माधव सेवा

301, तीसरा माला, राघव रत्ना टॉवर्स, चिराग अली लेन, आबिड्स, हैदराबाद

Email : agarwalsamajtelangana.gmail.com | Website : www.agarwalsamajtelangana.com | M : 8919909873

Venkateshwara GROUP | D.E.C INFRASTRUCTURE & PROJECTS (INDIA) PVT. LTD. | PITTI ENGINEERING LTD. | RAJESH CORPORATION

जयन्ती महोत्सव

महाराजा श्री अग्रसेनजी का 5149वाँ जयन्ती महोत्सव - 2025

सोमवार दि.22 सितम्बर 2025 - सायं 6 बजे से - क्लासिक कन्वेंशन सेन्टर III, शमशाबाद, हैदराबाद

मुख्य अतिथि

श्री भट्टी विक्रमार्का
उपमुख्यमंत्री, तेलंगाना

उद्घाटनकर्ता

श्री श्रीधर बाबु
आईटी मंत्री, तेलंगाना

अग्ररत्न

डॉ. गिरीश कुमार संघी
पूर्व सांसद

अग्ररत्न

श्री वरुण खेतान
सीईओ अर्बन कम्पनी

प्रातः 10-00 बजे
महाराज अग्रसेनजी की प्रतिमा को माल्यार्पण
अग्रसेन चौक, रोड नं. 12, बंजारा हिल्स, हैदराबाद

Entry by Passes only.
रात्रि 9-00 बजे
कवि सम्मेलन
क्लासिक कन्वेंशन-3
Media Partner: DIGITAL KHIDKI, saregama

संचालक

डॉ. कुमार विश्वास

रमेश मुस्कान, सुदीप भोला, कुशल कुशेनदर, साक्षी तिवारी

रात्रि 10-00 बजे से
डांडिया धूम अदिति कन्वेंशन

Convenor : Pooja Gupta
Entry by Passes only. Contact
Rishab Agarwal - 9264563734
Monty Ajitsaria - 6309742761
Riya Kedia - 8309167313

अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	मानद मंत्री	सह-मंत्री एवं जयंती प्रधान संयोजक	कोषाध्यक्ष एवं जयंती सह-संयोजक	निवर्तमान अध्यक्ष	जयंती सह संयोजक
अनिरुद्ध गुप्ता	रुपेश अग्रवाल	विकास केशान	डॉ. सीमा जैन	अचल गुप्ता	मनीष अग्रवाल	दिनेशचंद्र अग्रवाल , प्रवीण अग्रवाल , प्रतीक नरसरिया, दीपा भालोटीया

परामर्शदाता : बद्रीविशाल बंसल, डॉ. अंजनीकुमार अग्रवाल, चन्द्रकान्त डाकोतिया, विनोदकुमार अग्रवाल, हरीश गुप्ता

पूर्व अध्यक्ष : श्री शरद बी. पित्ती, श्री बद्रीविशाल बंसल, श्री सुरेन्द्र अग्रवाल, डॉ. आर. एन. गुप्ता, श्री सुरेश कुमार सिंघल, श्री रामकुमार गोयल, श्री विनय सी. अग्रवाल, श्री उमेश अग्रवाल, श्री करोड़ीमल अग्रवाल, श्री अजीत गुप्ता, श्री मेघराज अग्रवाल, श्री दुर्गाप्रसाद नरेठा, श्री सुभाष अग्रवाल, श्री नरेशकुमार चौधरी, श्री गोविन्द अग्रवाल, श्री अंजनी कुमार अग्रवाल

शाखा अध्यक्ष

मेघा अग्रवाल एबीसी भाग्यनगर	पुरुषोत्तमदास गुप्ता आबिडस्	कपिश अग्रवाल आबिडस् (युवा)	सुभाषचन्द अग्रवाल आगापुरा	सरोज अग्रवाल पैराडाइस महिला	हेमंत डियोरा अग्र युवा-तिरुमलगिरी	अंशुल अग्रवाल अग्रकुल अत्तापुर युवा	रोशन अग्रवाल अग्रसेन युवा सेना	ध्रुव अग्रवाल तेजस्वीनगर युवा	राज कुमार अग्रवाल अमीरपेट
शिखा गोयल आध्यालक्ष्मी युवा	संजीव कुमार अग्रवाल अशोकनगर	ऋषभ अग्रवाल अशोकनगर युवा	डिम्पल अग्रवाल अत्तापुर महिला सेविका	सत्यनारायण फोगला अत्तापुर	मुकेश कुमार अग्रवाल अत्तापुर सेन्ट्रल	उमेश गुप्ता अत्तापुर पश्चिम	प्रवीण कुमार जैन बलकमपेट	नवीन बंसल बालानगर	सुनील कुमार अग्रवाल बंजारा सेन्ट्रल
अनिल कुमार केडिया बहादुरपुरा	कैलाशचंद केडिया बशीरबाग आदर्शनगर	नकुल गुप्ता भाग्यनगर युवा	उषा अग्रवाल भूदेवी सिटी कॉलेज	संजय गोयल बीदर	सुमित कुमार बंसल बोईनपल्ली	तरुण तुलसियन चारमिनार	अशोक पोद्दार चेलापुरा	अशोक अग्रवाल साईबराबाद	रजनी अग्रवाल चेक कॉलोनी महिला
शशि कुमार जालान चेक कॉलोनी	प्राची अग्रवाल चेक कॉलोनी युवा	हरिकिशन सोंथालिया दिलसुखनगर	डॉ. दिलीप पंसारी दोमलगुडा	रीना गुप्ता दुर्गम चेवुरु महिला	संजीव गुप्ता दुर्गम चेवुरु	विनीत कुमार गोयल किंगकोठी युवा	बृजराज अग्रवाल एर्रागड्डा युवा	गीता अग्रवाल गच्चीबावली महिला	के. पी. अग्रवाल गच्ची बावली
अनिल धरसुंवाला घाँसी बाजार झूला	दीपा अग्रवाल गोशामहल सखी सहेली	उमेश कुमार जिंदल गोशामहल	प्रिया अग्रवाल ज्ञानबाग महिला	राकेश अग्रवाल ज्ञानबाग कॉलोनी	सज्जन कुमार सर्राफ हबसीगुडा	संजय कुमार अग्रवाल हिमायतनगर	महेश कानोडिया हैदरगुडा	साई प्रसाद गुप्ता काकतिया हिल्स युवा	अमित अग्रवाल काचीगुडा युवा
सरला शाह कोमपल्ली	अशोक जिंदल कोत्तापेट	निशा गुप्ता नाचारम महिला	काश्वी जैन कुकटपल्ली युवा	राजकुमार पंसारी कुकटपल्ली ईस्ट	संजयकुमार अग्रवाल कुकटपल्ली वेस्ट	सुनीलकुमार अग्रवाल लकडी का पुल	पवन नरेठा लालबाजार अलवाल	महेन्द्र खेतान लोढा सनतनगर	मुन्नालाल अग्रवाल महाराजा अग्रसेन मार्ग
पंकजकुमार संघी मलकपेट	करण गोयल मलकपेट सेन्ट्रल	रेखा अग्रवाल मलकपटे महिला	हर्ष बंसल मलकपेट युवा	प्रशांत अग्रवाल मलकाजगिरी, सफीलगुडा	राहुल गोयल मानसरोवर, सिकन्दराबाद	हृदय अग्रवाल मारडपल्ली युवा	विनय कुमार गुप्ता मेहदीपटनम	हेमलता वर्षा अग्रवाल मियापुर महिला	विनोद गुप्ता मूसारामबाग
सीए जय प्रकाश गोयल मोतीनगर	दिनेश शहबाज़पुरिया मुरलीनगर	प्रदीप कुमार अग्रवाल नाचारम	हार्दिक अग्रवाल नारायणगुडा युवा	दीपक गोयल मूसापेट	समीक्षा केडिया राजेन्द्रनगर युवा	गोपाल अग्रवाल रामनगर ईस्ट	प्रशांत धनावत रामनगर	रिंकु गर्ग रानीसति दादी महिला	मोहित अग्रवाल रानीसति दादी युवा
अभिनव अग्रवाल रानीगंज युवा	जितेन्द्र कुमार मित्तल रिकाबगंज	सोनू अग्रवाल एस. आर. नगर	रानी मित्तल टीवी टावर महिला	गर्व अग्रवाल सिकन्दराबाद नार्थ युवा	राकेश कुमार अग्रवाल सिकन्दराबाद नार्थ	धीरज खेतान पैराडाईज	मांगीलाल धानुका सेरीलिंगमपल्ली	प्रतिमा अग्रवाल शाहअली बण्डा महिला	रामकिशन अग्रवाल शाहअली बण्डा
दीपा अग्रवाल मोतीनगर महिला	अनिल गोयल शिवरामपल्ली	सीमा मोदी श्याम मन्दिर	कविता अग्रवाल सोमाजीगुडा बेगमपेट	उमा शंकर गोयनका श्रीनगर कॉलोनी	कृष्णा कुमार अग्रवाल सनराईसवैली	रतीश केडिया सनराईसवैली युवा	प्रफ्फुलचंद तुरुपबाजार	पूर्वा गुप्ता उपरपल्ली युवा	पंकज मित्तल उर्दुगली चारमिनार
दीपा भालोटिया नारी शक्ति उत्तरांचल	रितु अग्रवाल नारी शक्ति हैदरगुडा	विमल सर्राफ वनस्तलीपुरम	दौलत नरसिंहपुरिया वरंगल हनमकोण्डा	सर्वेश कनोडिया युवा शक्ति हैदरगुडा	बेल्लमपल्ली, एर्रागड्डा-सनतनगर, काकीनाडा, मंचेरियाल, मंचेरियाल महिला, सिरपुरकागजनगर, युवा ऊर्जा मंत्री रोड, अग्रवंशी सिकंदराबाद				

शाखा के.एस. सदस्य

प्रवीण अग्रवाल एबीसी भाग्यनगर	मनोज मित्तल अमीरपेट	सुशील जजानी अमीरपेट	पूजा गुप्ता अशोकनगर	हनुमानदास अग्रवाल अत्तापुर	संजय भालवाले अत्तापुर	नवीन कुमार अग्रवाल अत्तापुर सेन्ट्रल	प्रशान्तदेव गुप्ता अत्तापुर सेन्ट्रल	अरविन्द केडिया अत्तापुर वेस्ट	राकेश कुमार अग्रवाल अत्तापुर वेस्ट
राकेश कुमार गनेरीवाल बहादुरपुरा	महेश कुमार अग्रवाल बहादुरपुरा	पवन कुमार टिबडेवाल बलकमपेट	संजय अग्रवाल बालानगर	नवलकिशोर अग्रवाल बंजारा सेन्ट्रल	रमेश कुमार अग्रवाल बंजारा सेन्ट्रल	अशोक कुमार अग्रवाल बशीरबाग, आदर्शनगर	दुर्गाप्रसाद बंसल बोईनपल्ली	नवीन कुमार अग्रवाल चारमीनार	विजय कुमार जैन चेलापुरा
समीर भगत साइबराबाद	सुरेश धुवालिया चेक कॉलोनी सनतनगर	नरेश गोयल दिलसुखनगर	सतीश कुमार गोयल दिलसुखनगर	अनिल कुमार गर्ग दोमलगुडा	प्रदीप अग्रवाल दोमलगुडा	विशम्बर अग्रवाल दुर्गम चेरुवु	संतोष टांटिया गच्चीबावली	सुरेश अग्रवाल गच्चीबावली	राकेश पचेरिया घांसी बाजार झूला
सज्जन अग्रवाल घांसी बाजार झूला	राजेंद्र शशि गोशामहल	सुनील अग्रवाल गोशामहल	अनिल कुमार अग्रवाल ज्ञानबाग कॉलोनी	विपिन कुमार अग्रवाल हब्सीगुड़ा	रमा बाजोरिया हिमायतनगर	अजय अग्रवाल हैदरगुडा	अनिल अग्रवाल हैदरगुडा	राजेश कुमार गोयल कोमपल्ली	महेंद्र अग्रवाल कोत्तापेट
मुकेश अग्रवाल कुकटपल्ली - पश्चिम	रमेशचंद्र अग्रवाल लकडी का पुल	महेश नरेठा लालबाजार-अलवाल	अनिल अग्रवाल लोढ़ा सनतनगर	राजेंद्र कुमार अग्रवाल महाराजा अग्रसेन मार्ग	गोविंद नारायण मोदी मलकपेट	सुरेशचंद गुप्ता मलकपेट	रितेश अग्रवाल मलकपेट सेंट्रल	अनु केडिया मलकाजगिरी सफिलगुडा	रोहित जैन मानसरोवर - सिकंदराबाद
शिव कुमार अग्रवाल मेहदीपट्टनम	हरिगोविंद प्रसाद मूसारामबाग	सतीश कुमार अग्रवाल मोतीनगर	रामगोपाल दादावाले मुरलीनगर	सुनील कुमार केडिया मुरलीनगर	प्रतीक कुमार नरसरिया नाचाराम-मल्लापुर	सुभाष गर्ग रेनबो विस्टास मूसापेट	गिरधारीलाल अग्रवाल रामनगर पूर्व	पवन टिबरेवाला रामनगर	अशोक बंसल रिकाब गंज
हेमचंद गुप्ता एसआर नगर	संजय गुप्ता सिकंदराबाद उत्तर	दीपक अग्रवाल सिकंदराबाद पैराडाइज	संदीप मित्तल सिकंदराबाद पैराडाइज	गोविंद पित्ती सेरिलिंगमपल्ली	पंकज गोयनका शालीबंडा	राकेश कुमार जालान शिवरामपल्ली	श्याम सुंदर अग्रवाल शिवरामपल्ली	रमेश गुप्ता श्याम मंदिर	शिवशंकर भगेरिया श्याम मंदिर
सुमन गुप्ता सोमाजीगुडा, बेगमपेट	नरेंद्र कुमार गोयल श्रीनगर कॉलोनी	आनंद अग्रवाल सनराइज वैली अत्तापुर	प्रवीण चंद तुरुप बाज़ार	राजेश सिंघल वनस्थलीपुरम	सचिन गोयल बीदर	कैलाश बंसल वरंगल हनमकोंडा	बीना अग्रवाल अग्र अध्या नारी संगठन	निधि अग्रवाल अत्तापुर महिला सेविका	बरखा अग्रवाल अष्ट सखी चेक कॉलोनी
श्रीमती अर्चना अग्रवाल भू देवी सिटी कॉलेज	ममता अग्रवाल दुर्गम चेरुवु महिला	कमलेश अग्रवाल गच्चीबवली महिला विंग	प्रीति गोयल ज्ञानबाग कॉलोनी महिला	सुनैना नरसरिया कृष्णा सखिया नाचाराम मल्लापुर	बिंदु गुप्ता मियांपुर महिला	कविता गोयल रानी सती दादी घांसीबाजार	कविता संघी रानी सती दादी घांसीबाजार	आरती अग्रवाल सखी सहेली महिला गौशाला	सुनीता तुलस्यान सत्य शक्ति महिला टीवी टावर
प्रियंका डोकानिया शालीबंडा महिला	सुमन अग्रवाल शिव शक्ति महिला मोतीनगर	शिल्पा धानुका उत्तरांचल नारी शक्ति	किरण अग्रवाल वैभवी नारी शक्ति हैदरगुड़ा	शीतल रूंगटा मलकपेट महिला	चिराग गाडिया आबिड्स युवा	लोकेश संघाई अग्र युवा तिरुमलगिरी	अर्पित गोयल अग्रकुल अत्तापुर युवा	शिवेश गोयल अग्रसेन युवा सेना	महक संघी अग्रवंशी तेजस्वी नगर युवा
राम अग्रवाल आराध्या लक्ष्मी युवा	अभिनव मोर अशोक नगर युवा	अभय अग्रवाल भाग्यनगर युवा	जया अग्रवाल चेक कॉलोनी युवा	केशव सराफ डायनामिक किंग कोठी युवा	रजत केडिया एर्रागड्डा युवा	अमन बंसल काकतिया हिल्स युवा	राहुल कुमार गुप्ता काचीगुडा युवा	मयंक अग्रवाल कुकटपल्ली युवा	कृष्णा खेतान मारेडपल्ली युवा
हर्ष अग्रवाल नवोदय नारायणगुडा युवा	तान्या अग्रवाल राजेंद्रनगर युवा	कनक अग्रवाल रानी सती दादी युवा	उत्कर्ष तालुका रानीगंज युवा	ऋषभ जैन सिकन्दराबाद उत्तर युवा	विनीत कुमार अग्रवाल सनराइज वैली, अत्तापुर युवा	उमंग अग्रवाल उप्परपल्ली युवा	सुधांश अग्रवाल युवा शक्ति हैदरगुडा	पियूष अग्रवाल मलकपेट युवा मोर्चा	सूर्य कमल गुप्ता आबिड्स
संजय पसारी अमीरपेट	दिनेश चंद्र अग्रवाल बंजारा सेंट्रल	कमल अग्रवाल हैदरगुडा	रितेश अग्रवाल हैदरगुडा	सुरेश टंडन सिकन्दराबाद पैराडाइज	प्रेम अग्रवाल शालीबंडा	Zilla Cordinator: महेंद्र अग्रवाल पूर्वी क्षेत्र	मुकुंदलाल अग्रवाल पश्चिम क्षेत्र	दिनेश अग्रवाल उत्तरी क्षेत्र	टी सुनील कुमार दक्षिण क्षेत्र
डीपी अग्रवाल मध्य क्षेत्र	एर्रागडा सनतनगर, बेल्लमपल्ली, काकीनाडा, मंचरियाल, सिरपुर कागज़नगर, वरंगल हनमकोंडा, मंचरियाल महिला, युवा ऊर्जा मिनीस्टर रोड					इस विज्ञापन को व्यक्तिगत निमंत्रण का मानदेकर समाज के सभी सदस्य अवश्य पधारें।			

Venue Sponsor: Amarlal Srikishan Agarwal

Bronze Sponsor: DRS International School Strive to Surpass IB World School | अग्रसेन बैंक | DSL INFRASTRUCTURE & SPACE DEVELOPERS PRIVATE LIMITED | SRI MAHESH CHAND RUPESH AGARWAL BASAIWALE (PAKHI FUELS LLP) | Keshan Industries King kopper | Mickey Sri Balaji Plastic Industries | ARISTA JEWELS Supported by : Saaraf Investment & Fitness

Media Partner: Kashvi FOTTOGRAPHY

Silver Sponsor: MPL STEEL PIPES Issi par hai bharosa | Precision

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.